सुपौल दस्तक मासिक अखबार

RNI NO. BHHIN/25/A5267

मासिक हिन्दी

website: https://www.supauldastaknews.com

ईमेलः rajeshkumarranjan4056@gmail.com

वर्षः- 1 अंकः- 8 सुपौल, माह अगस्त, 2026 (प्रत्येक माह की 15 तारीख को जारी) पृष्ठः 8 मूल्यः 5/- रू.

एक नजर

पटना में 2027 नए बीपीएससी अधिकारियों को सीएम सम्राट ने दिया नियुक्ति पत्र, कहा

आपका एक साइन महत्त्वपूर्ण, जनता के हितों के लिए करें काम

पटना। बिहार लोक सेवा आयोग की 70वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से चयनित नवनियुक्त अधिकारियों के लिए आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक सेवा की जिम्मेदारियों और जनता के प्रति जवाबदेही का पाठ पढ़ाया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सरकारी नौकरी केवल पद, अधिकार और सुविधाएं हासिल करने का माध्यम नहीं है, बल्कि समाज और राज्य की सेवा करने का बड़ा अवसर है। उन्होंने नवनियुक्त अधिकारियों से पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता और निर्भीकता के साथ काम करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में 70वीं बीपीएससी के माध्यम से चयन का एक बड़ा रिकॉर्ड बना है। अब चयनित युवाओं के कंधों पर प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां आने वाली हैं। उन्होंने अधिकारियों को समझाया कि सरकारी व्यवस्था में उनके हर निर्णय का असर आम लोगों के जीवन पर पड़ सकता है। ऐसे में किसी भी फैसले से पहले उसके सामाजिक प्रभाव को समझना जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे जिस भी फाइल पर हस्ताक्षर करेंगे, उससे किसी न किसी परिवार के जीवन पर असर पड़ेगा। एक निर्णय किसी जरूरतमंद को राहत पहुंचा सकता है, किसी युवा के भविष्य को बेहतर बना सकता है या किसी गांव में विकास का रास्ता खोल सकता है। उन्होंने कहा कि नौकरी मिलने से अधिकारियों के अपने जीवन में भी बदलाव आएगा, लेकिन उससे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि उनके निर्णयों से समाज में कितना सकारात्मक बदलाव आता है। इसलिए अधिकारियों को केवल सरकारी प्रक्रिया पूरी करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। उन्हें जनता की वास्तविक समस्याओं को समझकर उनके समाधान की दिशा में काम करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासनिक सेवा के दौरान अधिकारियों को कई तरह के दबावों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसी परिस्थितियों में उन्हें भयभीत होने के बजाय कानून और जनहित के आधार पर निर्णय लेना चाहिए। अधिकारी का निष्पक्ष और स्वतंत्र रहना प्रशासन में जनता के विश्वास के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी दबाव में आकर लिया गया गलत निर्णय न केवल प्रशासन की छवि को नुकसान पहुंचा सकता है, बल्कि उससे आम लोगों का जीवन भी प्रभावित हो सकता है। इसलिए अधिकारियों को निर्णय लेने की क्षमता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का लगातार मूल्यांकन करते रहना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार की प्रगति सीधे तौर पर प्रशासन की कार्यशैली से जुड़ी है। अधिकारी जितनी ईमानदारी और जिम्मेदारी से काम करेंगे, राज्य उतनी ही तेजी से विकास की दिशा में आगे बढ़ेगा।

सुपौल में निबंध लेखन, भाषण प्रतियोगिता, तिरंगा यात्रा, तिरंगा रैली कार्यक्रमों का आयोजन किया गया

हर घर तिरंगा अभियान 2026 के तहत दिनांक 13.08.2026 को सुपौल जिला के विभिन्न प्रखंडों में निबंध लेखन, भाषण प्रतियोगिता, तिरंगा यात्रा, तिरंगा रैली आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मरौना प्रखंड स्थित प्रखंड संसाधन केंद्र में बच्चों के बीच निबंध लेखन और भाषण प्रतियोगिता कराई गई। एलएनएमएस कॉलेज, बीरपुर में एनएसएस के द्वारा तिरंगा प्रदर्शन किया गया, पिपरा प्रखंड के तुला पट्टी पंचायत में तिरंगा रैली, झीला डूंगरी पंचायत, सरायगढ़ प्रखंड में तिरंगा रैली, बसंतपुर प्रखंड के परमानंदपुर पंचायत के मदरसा द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा, वाइब्रेंट विलेज बॉर्डर एरिया ग्राम कुनौली, निर्मली ब्लॉक में SSB के जवान, मुखिया प्रतिनिधि एवं विद्यार्थियों द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा, पंचायत कटरा के कदमपुरा में भव्य तिरंगा यात्रा जिसमें मुखिया जनप्रतिनिधि ग्रामीण और स्वच्छता कर्मी सम्मिलित हुए, बसंतपुर के भगवानपुर पंचायत में SSB जवान, जनप्रतिनिधि और विद्यार्थीगण के द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा आयोजित की गई।

यह आयोजन पूरे सुपौल जिले में आमजनों सहित समाज के सभी वर्गों और विद्यार्थियों का राष्ट्र के प्रति प्रेम को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री का बड़ा फैसला: भरत तिवारी के परिवार को मिलेगी आर्थिक मदद और सरकारी नौकरी

संवाददाता

पटनाः गुरुवार को बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक्स ( ) पोस्ट पर लिख कर भरत तिवारी के परिवार को बड़ी राहत देने का ऐलान किया है। मामले की समीक्षा और जांच समिति द्वारा सौंपी गई अंतरिम रिपोर्ट के आधार पर मुख्यमंत्री ने यह फैसला लिया। सरकार के इस कदम से पीड़ित परिवार को इस कठिन समय में सहारा मिलेगा, साथ ही त्वरित न्याय और मदद का आश्वासन भी मिला है। सरकार द्वारा किए गए फैसले के अनुसार, भरत तिवारी के परिवार को तत्काल प्रभाव से वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। इसके अलावा, परिवार के आर्थिक भविष्य को सुरक्षित करने और जीविकोपार्जन में मदद के लिए उनके एक परिजन को अनुकंपा या सरकारी प्रावधानों के तहत सरकारी नौकरी दी जाएगी।

24 घंटे में निर्माण कार्य शुरू कराने का निर्देश, लापरवाह संवेदक पर होगी कार्रवाई

सुपौल। जिलाधिकारी श्री सावन कुमार ने किशनपुर प्रखंड के राजपुर पंचायत स्थित महादलित टोला नेमनमा बेलाटेढ़ा में निमार्णाधीन महादलित सामुदायिक भवन वर्कशेड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य पिछले एक माह से बंद पाए जाने पर जिलाधिकारी ने गंभीर नाराजगी जताई। जिलाधिकारी ने जिला कल्याण पदाधिकारी को कार्यपालक अभियंता, LAEO को पत्र भेजकर लापरवाह संवेदक के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित कराने तथा 24 घंटे के अंदर निर्माण कार्य पुनः शुरू कराने का निर्देश दिया।

लड़की से लड़का बनने का वायरल वीडियो की पूरी सच्चाई सामने आई!

मधेपुरा संवाददाता

मधेपुरा के सिंहेश्वर थाना क्षेत्र के बुढ़ावे गांव से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ, जिसमें दावा किया जा रहा था कि भगवान शिव के चमत्कार से एक लड़की रातों-रात लड़का बन गई। इस दावे के बाद गांव में लोगों की भारी भीड़ भी जुट गई। लेकिन पुलिस की जांच में यह दावा पूरी तरह फर्जी निकला। पुलिस के अनुसार, बुढ़ावे गांव के वार्ड नंबर 13 में एक 12 वर्षीय बच्ची को लेकर यह अफवाह फैलाई गई थी। सूचना मिलते ही सिंहेश्वर थाना पुलिस ने मामले में हस्तक्षेप किया और बच्ची व उसके परिजनों को थाने बुलाकर पूरे मामले की जांच की। बताया गया कि सोशल मीडिया पर सावन में भगवान के सपने में आने और चमत्कार होने जैसी बातें प्रचारित की जा रही थीं। हालांकि, पुलिस जांच में ऐसा कोई चमत्कार या लड़की के लड़का बनने का दावा सही नहीं पाया गया। सबसे जरूरी बातः किसी भी वायरल वीडियो या सनसनीखेज दावे को बिना पुष्टि के सच न मानें।

अंधविश्वास फैलाने वाली पोस्ट को आगे शेयर करने से पहले उसकी सत्यता जरूर जांचें। मधेपुरा पुलिस की जांच के बाद इस वायरल दावे पर सवालिया निशान लग गया है। आप भी बताइए—क्या सोशल मीडिया पर वायरल किसी भी दावे को बिना जांचे-परखे शेयर करना सही है?

हंगामेदार मॉनसून सत्र के बाद भी तकरार! लोकसभा अध्यक्ष की चाय पार्टी इंडिया ब्लॉक ने किया बहिष्कार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित होने के बाद, गुरुवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला की ओर से आयोजित पारंपरिक चाय पार्टी का कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने बहिष्कार किया। सूत्रों के मुताबिक, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम की नेता कनिमोझी इस पारंपरिक मिलन-समारोह में शामिल हुईं। राज्यसभा में, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी की पूर्व प्रमुख सोनिया गांधी समेत विपक्ष के नेताओं ने चेयरमैन सी.पी. राधाकृष्णन द्वारा आयोजित चाय पार्टी में हिस्सा लिया। सूत्रों के मुताबिक, लोकसभा स्पीकर के चैंबर में हुई चाय पार्टी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और कई अन्य वरिष्ठ नेता और मंत्री मौजूद थे। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि कांग्रेस, SP, TMC और INDIA गठबंधन की अन्य पार्टियों के नेताओं ने इस कार्यक्रम में हिस्सा नहीं लिया।

झारखंड विरोधः रांची में 500 अज्ञात छात्रों सहित 600 प्रदर्शनकारियों पर एफआईआर, सरकार पर 'दमन' का आरोप

नई दिल्ली, (एजेंसी)। गुरुवार को रांची में झारखंड विधानसभा की ओर किए गए मार्च के सिलसिले में पुलिस ने 600 प्रदर्शनकारियों के खिलाफ FIR दर्ज की है। इस मामले में 100 प्रदर्शनकारियों के नाम शामिल हैं, जबकि 500 अज्ञात छात्रों और अन्य प्रदर्शनकारियों पर भी केस दर्ज किया गया है। झारखंड भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ियों को लेकर छात्रों का विरोध प्रदर्शन गुरुवार को 20वें दिन में प्रवेश कर गया; प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगें पूरी होने तक आंदोलन खत्म करने से इनकार कर दिया है। 'JPSC-JSSC रिफॉर्म्स मंच' रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में प्रदर्शन कर रहा है। उनकी मांग है कि भर्ती परीक्षाओं में ज्यादा पारदर्शिता हो, कई परीक्षाएं रद्द की जाएं और उड़का झारखंड के बाहर के रिटायर्ड जजों के पैनल से निष्पक्ष जांच कराई जाए। सोमवार को जब प्रदर्शनकारी विधानसभा की ओर मार्च कर रहे थे, तो तनाव बढ़ गया। सुरक्षाकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया, वॉटर कैनन और आंसू गैस का इस्तेमाल किया।

छात्रों पर कथित एके-47 से गोलीबारी के विरोध में 19 अगस्त को राजद का लोकभवन मार्च

तेजस्वी यादव ने नई दिल्ली में किया आंदोलन का ऐलान, सांसद, विधायक, विधान पार्षद और कार्यकर्ता होंगे शामिल

संवाददाता

पटना। बिहार में छात्र आंदोलन के दौरान कथित तौर पर एके-47 से गोली चलाए जाने के मामले को लेकर राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। मामले में अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाते हुए राष्ट्रीय जनता दल ने आंदोलन का ऐलान किया है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में घोषणा की कि राजद 19 अगस्त को पटना में वीरचंद पटेल पथ स्थित पार्टी मुख्यालय से लोकभवन तक मार्च निकालेगा। इस मार्च में पार्टी के सांसद, विधायक, विधान पार्षद और कार्यकर्ता शामिल होंगे। तेजस्वी यादव ने कहा कि छात्रों पर गोली चलाए जाने के मामले में कार्रवाई को लेकर सरकार से जवाब मांगा जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार को पुलिसिया राज्य बनने नहीं दिया जाएगा। उनके अनुसार मार्च का उद्देश्य छात्रों को न्याय दिलाने और कथित पुलिस कार्रवाई के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को मजबूती से उठाना है। राजद नेता ने कहा कि इस मुद्दे को लेकर विपक्षी दलों से भी बातचीत की जा रही है और उन्हें मार्च में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। तेजस्वी यादव ने सवाल उठाया कि छात्र प्रदर्शन के दौरान गोली चलाने का आदेश किसके स्तर से दिया गया था। उन्होंने कहा कि पूरा देश यह जानना चाहता है कि गोली चलाने का आदेश किसने दिया। उनके मुताबिक विपक्ष की ओर से आवाज उठाए जाने के बाद एक पुलिसकर्मी को निलंबित किया गया, लेकिन संबंधित पुलिस अधीक्षक के खिलाफ अब तक कार्रवाई क्यों नहीं की गई, इसका जवाब सरकार को देना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मामले को संसद में उठाए जाने पर उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के प्रति आभार जताया है। उनका कहना है कि छात्रों के साथ हुई घटना को केवल बिहार तक सीमित मुद्दे के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि लोकतांत्रिक तरीके से प्रदर्शन कर रहे छात्रों की सुरक्षा और अधिकारों से जुड़े विषय के रूप में भी देखा जाना चाहिए। तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री और केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री ने अब तक इस मामले पर एक शब्द नहीं बोला है। उन्होंने यह भी दावा किया कि मुख्यमंत्री या किसी उपमुख्यमंत्री ने घायल छात्रों से मुलाकात तक नहीं की। तेजस्वी ने सवाल किया कि यदि घटना में किसी मासूम की जान चली जाती तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेता। राजद नेता इससे पहले भी इस मामले को लेकर राज्य सरकार पर दबाव बनाते रहे हैं। अगस्त में उन्होंने बिहार के पुलिस महानिदेशक विनय कुमार से मुलाकात की थी। उस दौरान राजद प्रतिनिधिमंडल ने 25 जुलाई को सीवान में छात्रों के प्रदर्शन के दौरान एके-47 राइफल के कथित इस्तेमाल को लेकर पुलिस अधीक्षक और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

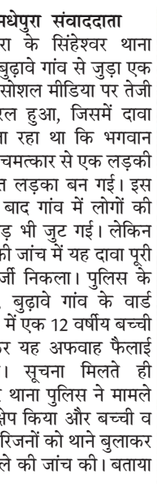

औरंगाबाद में 50 यात्रियों से भरी स्लीपर बस पलटी, 20 घायल; चालक समेत तीन की हालत गंभीर

संवाददाता

औरंगाबाद। बिहार के औरंगाबाद जिले में बुधवार की देर रात एक भीषण सड़क हादसे में करीब 50 यात्रियों से भरी स्लीपर बस अनियंत्रित होकर पलट गई। दुर्घटना के बाद बस सड़क पर करीब 20 मीटर तक घिसटती चली गई। हादसे में करीब 20 यात्री घायल हुए हैं। घायलों में अधिकतर औरंगाबाद जिले के रहने वाले बताए जा रहे हैं। बस चालक समेत तीन लोगों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए जमुहार मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोगों ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

जानकारी के अनुसार, हंसराज नाम की स्लीपर बस बुधवार की शाम उत्तर प्रदेश के वाराणसी से पटना के लिए रवाना हुई थी। बस झारखंड के रास्ते पटना की ओर जा रही थी। रात करीब एक बजे ओवरब्रिज पार करने के बाद डाल्टनगंज मार्ग पर अचानक बस हादसे का शिकार हो गई।

प्रत्यक्ष जानकारी के मुताबिक, बस में करीब 50 यात्री सवार थे। हादसा इतना जोरदार था कि बस सड़क पर पलटने के बाद काफी दूर तक घिसटती रही।

मानसून सत्र हंगामे की भेंट चढ़ा, लोकसभा और राज्यसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। गुरुवार 13 अगस्त को लोकसभा और राज्यसभा, दोनों की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई। इसके साथ ही मॉनसून सत्र समाप्त हो गया, जिसमें कामकाज बहुत कम हुआ। सत्र के दौरान कोई प्रश्नकाल नहीं हुआ और कई बिल बिना बहस के ही पास कर दिए गए। विपक्ष ने ठएएल पेपर 'लीक', राम मंदिर चंदे की 'चोरी' और छात्रों के विरोध-प्रदर्शन पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर गृह मंत्री अमित शाह के बयान जैसे मुद्दों पर बार-बार हंगामा किया।

आखिरी दिन की शुरूआत में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' बजने के कुछ ही देर बाद लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह दोनों मौजूद थे। वहीं, राज्यसभा ने चर्चा के बाद 'माइंस एंड मिनरल्स (डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन) अमेंडमेंट बिल, 2026' पास कर दिया। उच्च सदन की कार्यवाही कुल 37 घंटे 49 मिनट तक चली और 12 बिलों पर पास करने या लौटाने के लिए विचार किया गया। सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने अपने समापन भाषण में इस सत्र के दौरान लगातार हंगामे पर अफसोस जताया। बैठक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने से पहले राज्यसभा में भी राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' बजाया गया।

हल्द्वानी में खड़गे की रैली के बाद 'शुद्धिकरण' पर राज्यसभा में तकरार, नड्डा ने कहा- हम करेंगे जांच

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राज्यसभा में फिर से हंगामा हुआ। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया कि 8 अगस्त को उत्तराखंड के हल्द्वानी में रामलीला मैदान में उनकी रैली के बाद एक 'शुद्धिकरण' कार्यक्रम किया गया। इस आरोप के बाद सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी को इस घटना पर कार्रवाई का वादा करना पड़ा। संसद के मॉनसून सत्र के आखिरी दिन राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने आरोप लगाया कि शुद्धिकरण की रस्म इसलिए की गई क्योंकि वह दलित हैं और देश में भगवा पार्टी के राज में ऐसे लोगों के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्होंने हल्द्वानी में अपनी रैली का राजनीतिकरण नहीं किया और सिर्फ. स्थानीय लोगों की समस्याओं को उठाया। खड़गे ने मांग की मैं इसे राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाना चाहता। मैं बरसों से सांसद रहा हूँ, लेकिन मैंने कभी किसी के सामने इसलिए भीख नहीं मांगी कि मैं दलित हूँ। आपने मेरा अपमान किया है... आरोपी को गिरफ़्तार किया जाना चाहिए।"

तीसरी सोमवारी से मटेश्वर धाम में लगेगा अरघा अप्रत्याशित भीड़ को देखते हुए प्रशासन अलर्ट

डीएम-एसपी ने मंदिर पहुंचकर लिया तैयारियों का जायजा; कांवरिया पथ के गड्ढे भरने और बैरिकेडिंग मजबूत करने का निर्देश

संवाददाता

सिमरी बख्तियारपुर सहरसा: सावन की तीसरी सोमवारी को कांठो स्थित प्रसिद्ध बाबा मटेश्वर धाम में श्रद्धालुओं की संभावित भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। पिछली सोमवारी को उमड़ी अप्रत्याशित भीड़ को देखते हुए तीसरी सोमवारी से मंदिर में अरघा की व्यवस्था करने का निर्णय लिया गया है। इससे श्रद्धालुओं को सुगम तरीके से जलाभिषेक कराने के साथ भीड़ को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। तैयारियों का जायजा लेने के लिए गुरुवार की शाम जिलाधिकारी दीपेश कुमार और पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग मटेश्वर धाम पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने मंदिर परिसर का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं के प्रवेश और निकास, जलाभिषेक, कतार व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा इंतजामों की जानकारी ली। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद पदाधिकारियों और मंदिर समिति के सदस्यों से व्यवस्थाओं की जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए।

"कांवरिया पथ में गड्ढे देख डीएम ने दिए भरने के निर्देश" डीएम और एसपी ने डाकबम एवं कांवरियों के मंदिर पहुंचने वाले मार्ग का भी निरीक्षण किया। कांवरिया पथ पर कई स्थानों पर गड्ढे पाए जाने पर डीएम ने उन्हें अविलंब भरने का निर्देश दिया। साथ ही श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पथ पर लगी बैरिकेडिंग को और मजबूत करने को कहा। प्रशासन की कोशिश है कि तीसरी सोमवारी को बड़ी संख्या में पहुंचने वाले डाकबम और कांवरियों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो। मंदिर परिसर से लेकर कांवरिया पथ तक भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को दुरुस्त किया जा रहा है।" अधिक संख्या में वालेंटियर तैनात करने की अपील" निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी दीपेश कुमार ने कहा कि पिछली सोमवारी में श्रद्धालुओं की भीड़ के अनुपात में वालेंटियरों की संख्या कम थी। इस बार बड़ी संख्या में वालेंटियरों की आवश्यकता होगी। उन्होंने आम लोगों से स्वेच्छा से आगे आकर मंदिर में सेवा देने की अपील की। उन्होंने कहा कि वालेंटियर श्रद्धालुओं को कतार में व्यवस्थित करने, भीड़ नियंत्रित करने और जरूरतमंद श्रद्धालुओं की सहायता करने में प्रशासन का सहयोग कर सकते हैं। सावन समाप्त होने के बाद बेहतर सेवा देने वाले वालेंटियरों और प्रशासनिक टीम को जिला प्रशासन की ओर से सम्मानित भी किया जाएगा। "भारी भीड़ को लेकर प्रशासन अलर्ट" एसपी ने कहा सावन में प्रत्येक सोमवारी को बाबा मटेश्वर धाम में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। डाकबम और कांवरियों की संख्या अधिक रहने के कारण तीसरी सोमवारी को भी भारी भीड़ की संभावना है। पिछली सोमवारी में उम्मीद से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने के बाद प्रशासन ने इस बार पहले से ही व्यवस्थाओं को मजबूत करने की कवायद शुरू कर दी है। मंदिर में अरघा लगाए जाने से जलाभिषेक की प्रक्रिया को नियंत्रित तरीके से संचालित करने में मदद मिलने की उम्मीद है। वहीं, कांवरिया पथ के गड्ढों को भरने और बैरिकेडिंग मजबूत किए जाने से श्रद्धालुओं की आवाजाही भी अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित हो सकेगी। उन्होंने कहा कि कांवरिया पथ पर विशेष निगरानी की जाएगी।

कांवरिया पथ पर सुरक्षा व्यवस्था को और भी मजबूत करते हुए बाइकर्स पर विशेष निगरानी की जाएगी। लहरिया कट बाइक सवार को किसी भी सूरत में बख्सा नहीं जाएगा। निरीक्षण के दौरान एडीएम निशांत, डीडीसी गौरव कुमार, एसडीओ आलोक राय, बीडीओ मोहन कुमार सिंह, सीओ नवीन कुमार, आरओ खुशबू कुमारी, डीएसपी धीरेंद्र कुमार पांडेय, सिमरीबख्तियारपुर थानाध्यक्ष जयशंकर कुमार, बलवाहाट थानाध्यक्ष राजू कुमार, दारोगा प्रीति कुमारी, मंदिर समिति के उपाध्यक्ष मुन्ना भगत, सचिव संतोष सिंह, कोषाध्यक्ष कृष्ण कन्हैया खेतान, संजीव जायसवाल, कृष्ण कन्हैया सहित अन्य पदाधिकारी और मंदिर समिति के सदस्य मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

57 ग्राम स्मैक के साथ एक युवक गिरफ्तार, नाबालिग निरुद्ध

संवाददाता

सहरसा: सदर थाना पुलिस ने नशामुक्ति अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए 57 ग्राम स्मैक के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है, जबकि विधि विरुद्ध 14 वर्षीय नाबालिग को विधि निरुद्ध किया गया है। पुलिस ने दोनों को पटुआहा स्थित हनुमान मंदिर के पास से पकड़ा। बरामद स्मैक को जब्त कर मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गयी है।उक्त जानकारी देते हुए प्रभारी एसडीपीओ सह ट्रैफिक डीएसपी ओमप्रकाश ने सदर थाना में आयोजित प्रेस वार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि, कोशी क्षेत्र के पुलिस उप-महानिरीक्षक द्वारा चलाये जा रहे विशेष नशामुक्ति अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक के निर्देश में सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में सदर थाना क्षेत्र में विशेष छापामारी अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में 12 अगस्त को पटुआहा हनुमान मंदिर के समीप दो संदिग्ध युवकों को पुलिस टीम द्वारा पकड़ा गया। पूछताछ एवं तलाशी के दौरान उनके पास मौजूद पारदर्शी प्लास्टिक के थैले से 57 ग्राम स्मैक बरामद किया गया। पकड़े गये दोनों की पहचान डुमरैल वार्ड नंबर 21 निवासी अर्जुन यादव के पुत्र शिवा यादव तथा पटुआहा वार्ड नंबर 24 निवासी नाबालिग के रूप में की गई है। छापामारी टीम में सदर थाना के थानाध्यक्ष सह पुलिस निरीक्षक अजय कुमार पासवान, टीओपी- 2 प्रभारी पुलिस अवर निरीक्षक राघवेन्द्र कुमार, टीओपी-1 प्रभारी पुलिस अवर निरीक्षक जितेन्द्र कुमार सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

हर घर तिरंगा अभियान-2026 के तहत बरियाही में निकली भव्य तिरंगा यात्रा, राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगा क्षेत्र

संवाददाता

सहरसा: आजादी के अमृत महोत्सव की भावना को जन-जन तक पहुँचाने तथा राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान, गौरव एवं देशभक्ति की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से हर घर तिरंगा अभियान-2026 के तहत आज पूर्वाह्न 11:30 बजे मोहन साह विद्यालय, बरियाही, प्रखंड-कहरा, जिला-सहरसा से भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा का नेतृत्व जिलाधिकारी दीपेश कुमार ने किया। तिरंगा यात्रा में पुलिस अधीक्षक, नगर आयुक्त, नगर निगम, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी सहित अन्य वरीय पदाधिकारियों, जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

सभी ने हाथों में तिरंगा लेकर यात्रा में भाग लिया तथा आमजनों को राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। यात्रा के दौरान बरियाही क्षेत्र का वातावरण देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत रहा। बड़ी संख्या में लोगों ने तिरंगा यात्रा के प्रति उत्साह एवं सम्मान प्रदर्शित किया। यात्रा में शामिल पदाधिकारियों एवं प्रतिभागियों ने नागरिकों को हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ने तथा अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों पर सम्मानपूर्वक राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि तिरंगा हमारी राष्ट्रीय पहचान, गौरव, एकता एवं अखंडता का प्रतीक है। उन्होंने जिलेवासियों से हर घर तिरंगा अभियान-2026 में बढ़-चढ़कर भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। जिला प्रशासन द्वारा बताया गया कि अभियान के अंतर्गत विभिन्न जागरूकता एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से जनभागीदारी को व्यापक स्वरूप दिया जा रहा है। तिरंगा यात्रा का उद्देश्य नागरिकों में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय कर्तव्यों एवं देश की एकता-अखंडता के प्रति जागरूकता की भावना को और मजबूत करना है।

आरओबी निर्माण कार्य को लेकर 3 घंटे विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित टाउन 1 और टाउन 2 फीडर

संवाददाता

सहरसा: जिले में सहरसा-पंचगछिया रेलवे स्टेशन के बीच बंगाली बाजार से पूरब बाजार के बीच समपार संख्या-31 पर निमार्णाधीन रेलवे ओवरब्रिज आरओबी के निर्माण कार्य हेतु उपरोक्त कार्य किया जाना है इसलिए विद्युत आपूर्ति शुक्रवार को सुबह 09.00 बजे से 12 बजे दिन तक टाउन 1 एवं टाउन 2 फीडर में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेंगी।

प्रभावित एरिया टाउन 1 फीडर के शंकर चौक, दहलान चौक, महावीर चौक, एवं कपड़ा पट्टी, डीबी रोड वही टाउन 2 फीडर के = पूरब बाजार, प्रशांत सिनेमा, मीरा सिनेमा, राईस मिल कैंपस, एवं कायस्थ टोला। इस संबंध में विद्युत कार्यपालक अभियंता सहरसा अमित कुमार द्वारा संबंधित क्षेत्र के उपभोक्ताओं से अपील की है कि निर्धारित अवधि में विद्युत आपूर्ति बाधित रहने को देखते हुए आवश्यक तैयारी पहले से कर लें और निर्माण कार्य में सहयोग करें।

धूमधाम से मनाई गई पुस्तकालय विज्ञान के जनक डॉ. एस.आर. रंगनाथन की जयंती

संवाददाता

सहरसा: स्थानीय सुपर बाजार स्थित प्रमंडलीय पुस्तकालय में भारत में पुस्तकालय विज्ञान के जनक डॉ. एस.आर. रंगनाथन की जयंती हर्षोल्लास एवं श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर पुस्तकालय परिसर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें शिक्षाविदों, पुस्तकालय कर्मियों और बड़ी संख्या में स्थानीय पाठकों ने भाग लिया।कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. रंगनाथन के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। उपस्थित वक्ताओं ने डॉ. रंगनाथन के जीवन, उनके संघर्षों और भारतीय पुस्तकालय व्यवस्था में उनके अतुलनीय योगदान को याद किया।समारोह को संबोधित करते हुए पुस्तकालय कर्मी विकास कुमार ने कहा कि डॉ. एस.आर. रंगनाथन ने देश में पुस्तकालयों के विकास और 'पुस्तकालय विज्ञान के पांच नियमों' की नींव रखकर समाज में ज्ञान के प्रसार को एक नई दिशा दी। उनके बनाए नियम आज भी विश्वभर के पुस्तकालयों के लिए मार्गदर्शक सिद्ध हो रहे हैं। इस अवसर पर प्रमंडलीय पुस्तकालय के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मुख्तार आलम ने युवाओं से पुस्तकालयों से जुड़ने और पठन-पाठन की संस्कृति को बढ़ावा देने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान पाठकों एवं छात्र-छात्राओं के लिए पुस्तक पठन और ज्ञानवर्धक चर्चा का भी आयोजन किया गया। समारोह का समापन पुस्तकालय के विकास और इसे आधुनिक संसाधनों से लैस करने के संकल्प के साथ हुआ। मौके पर पुस्तकालय अध्यक्ष कुमारी विनीता, पुस्तकालय कर्मी जयनारायण पौद्दार, पाठक तथा शहर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कोरम पूरा नहीं होने से पंचायत समिति की सामान्य बैठक स्थगित

संवाददाता

केवटी। प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार भवन में गुरुवार को आयोजित प्रखंड पंचायत समिति की सामान्य बैठक कोरम के अभाव में स्थगित कर दी गई। बैठक में पंचायत समिति सदस्यों और पंचायतों के मुखियाओं की अपेक्षित संख्या में उपस्थिति नहीं होने के कारण सदन की कार्यवाही शुरू नहीं हो सकी। प्रखंड पंचायत समिति के सदन में कुल 62 सदस्य हैं। इनमें 36 पंचायत समिति सदस्य तथा प्रखंड की 26 पंचायतों के मुखिया शामिल हैं।

बैठक में महज 25 सदस्य ही उपस्थित हुए। इनमें 13 पंचायत समिति सदस्य और 12 मुखिया शामिल थे। वहीं, सदन के 37 सदस्य अनुपस्थित रहे। बैठक के लिए निर्धारित समय पर अधिकारियों एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों के पहुंचने के बावजूद पर्याप्त संख्या में सदस्यों के नहीं आने से बैठक को स्थगित करना पड़ा। बैठक में प्रखंड क्षेत्र से जुड़े विकास कार्यों, विभिन्न सरकारी योजनाओं की प्रगति, पंचायत स्तर की समस्याओं तथा अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होनी थी।

रौनियार वैश्य महासभा की प्रतिमा गुप्ता उर्फ कोमल गुप्ता महिला जिलाध्यक्ष मनोनीत

संवाददाता

सहरसा: अखिल भारतीय रौनियार वैश्य महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक बुधवार को पटना में आयोजित हुई। इसके बाद बिहार प्रदेश की नवमनोनीत कमिटी का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर बजरंग गुप्ता को प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रतिमा गुप्ता उर्फ कोमल गुप्ता को पुनः सहरसा महिला जिला अध्यक्ष तथा रवि गुप्ता को बिहार प्रदेश युवा कमिटी में प्रदेश संगठन मंत्री की जिम्मेदारी दी गई।इस दौरान किरण गुप्ता, अरविंद गुप्ता, राजनीति गुप्ता, राजकुमार गुप्ता, जिला अध्यक्ष मनोज गुप्ता एवं जिला महासचिव हेमनारायण सोनू सहित सहरसा के अन्य पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं को भी सम्मानित किया गया।किरण गुप्ता, बिहार सरकार की उद्यमी एवं व्यवसायी आयोग की सदस्य, सलाहकार समिति की सदस्य तथा अखिल भारतीय रौनियार वैश्य महासभा की राष्ट्रीय उपसभापति, ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए समाज की एकता और संगठन की मजबूती पर जोर दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रवण गुप्ता, राष्ट्रीय महामंत्री विशाल आनंद, राष्ट्रीय संगठन मंत्री मुन्ना गुप्ता, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रविकांत गुप्ता, बिहार प्रदेश अध्यक्ष मथुरा प्रसाद गुप्ता, बिहार प्रदेश महामंत्री कुमार संजय, प्रदेश उपाध्यक्ष संजय गुप्ता एवं राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष आलोक आजाद ने भी सभी को शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रवण गुप्ता ने समाज की एकता और संगठन को मजबूत करने, राष्ट्रीय महामंत्री विशाल आनंद ने युवाओं को संगठन से जोड़ने तथा राष्ट्रीय संगठन मंत्री मुन्ना गुप्ता ने संगठित समाज के महत्व पर जोर दिया। बिहार प्रदेश अध्यक्ष मथुरा प्रसाद गुप्ता ने बिहार में प्रदेश से जिला स्तर तक संगठन को और मजबूत करने की बात कही।राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व ने 09 अगस्त को सहरसा के पूजा रिसॉर्ट में आयोजित महासम्मेलन की सफलता की सराहना करते हुए सहरसा की पूरी टीम, युवा एवं महिला कार्यकताओं को बधाई दी। समारोह में राष्ट्रीय पदाधिकारियों को अंगवस्त्र एवं पुष्पमाला से सम्मानित किया गया। सभी ने समाज की एकता, संगठन की मजबूती और युवा शक्ति को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

पंचायत समिति की बैठक में जनसमस्याओं पर गरमाया माहौल

सीओ की कार्यशैली पर जताई नाराजगी, स्कूलों में कमरों की कमी और बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था का उठा मुद्दा

संवाददाता

सिमरीबख्तियारपुर (सहरसा): प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में गुरुवार को प्रखंड पंचायत समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख शबनम कुमारी ने की, जबकि संचालन बीडीओ मोहन कुमार सिंह ने किया। बैठक में विभिन्न पंचायतों से जुड़ी जनसमस्याओं, स्वास्थ्य, शिक्षा, नल-जल योजना, मनरेगा सहित प्रशासनिक स्तर पर बरती जा रही कथित उदासीनता को लेकर सदस्यों ने जोरदार तरीके से अपनी बातें रखीं। कई मुद्दों पर सदस्यों ने नाराजगी जताते हुए अविलंब कार्रवाई की मांग की। बैठक के दौरान रायपुरा पंचायत के पंचायत समिति सदस्य अरविन्द सिंह कुशवाहा ने अंचलाधिकारी की कार्यशैली पर नाराजगी जताई। उन्होंने जनप्रतिनिधियों की समस्याओं को गंभीरता से लेने और अधिकारियों को पंचायत प्रतिनिधियों के साथ समन्वय स्थापित करने की मांग की।

"मनरेगा से बनी सड़क उखाड़ने का आरोप" कांठो पंचायत के पंचायत समिति सदस्य परितोष कुमार सिंह ने पंचायत में मनरेगा योजना से निर्मित सड़क को दबंगों द्वारा उखाड़कर नष्ट किए जाने का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि सरकारी राशि से निर्मित सड़क को क्षतिग्रस्त किया जाना गंभीर मामला है। उन्होंने दोषियों को चिह्नित कर तत्काल कानूनी कार्रवाई करने के साथ सड़क की मरम्मत कराने की मांग की। "पीएचसी में प्रसव व इमरजेंसी सेवा शुरू करने की मांग" सोनपुरा पंचायत के पंचायत समिति सदस्य राजेश कुमार सादा ने स्वास्थ्य व्यवस्था का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपये की लागत से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण कराया गया है, लेकिन अब तक वहां प्रसव एवं इमरजेंसी सेवा शुरू नहीं की गई है। इससे क्षेत्र के लोगों को इलाज के लिए दूसरे स्थानों पर जाना पड़ रहा है। उन्होंने जल्द से जल्द दोनों सेवाएं शुरू कराने की मांग की। "?450 बच्चों के लिए महज दो कमरे" सिटानाबाद दक्षिणी के वार्ड संख्या 10 स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय की बदहाल व्यवस्था का मामला भी बैठक में उठा। पंचायत समिति सदस्य ने बताया कि विद्यालय में करीब 450 छात्र नामांकित हैं और 16 शिक्षक कार्यरत हैं, लेकिन पठन-पाठन के लिए महज दो कमरे उपलब्ध हैं। ऐसे में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

पंचायत समिति सदस्य राहुल कुमार सिंह ने सकरौली मध्य विद्यालय की समस्या भी सामने रखी। उन्होंने बताया कि विद्यालय में भी महज दो कमरे हैं। इनमें से एक कमरे में आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हो रहा है, जबकि दूसरे कमरे में कक्षा एक से आठ तक के बच्चों की पढ़ाई कराई जा रही है। सदस्यों ने ऐसे विद्यालयों में अतिरिक्त भवन निर्माण कराने की मांग की। "एक वार्ड में दो आंगनबाड़ी केंद्र, दूसरे में एक भी नहीं" सिटानाबाद दक्षिणी के वार्ड संख्या तीन में दो-दो आंगनबाड़ी केंद्र संचालित होने, जबकि वार्ड संख्या चार में एक भी केंद्र नहीं होने का मामला भी बैठक में उठाया गया। सदस्यों ने आंगनबाड़ी केंद्रों का सही तरीके से समायोजन करने और जरूरत के अनुसार केंद्रों का संचालन सुनिश्चित कराने की मांग की। "13 में से सिर्फ पांच वार्डों में नल-जल की पाइप" सोनपुरा पंचायत में नल-जल योजना की स्थिति पर भी सदस्यों ने नाराजगी जताई। बताया गया कि पंचायत के कुल 13 वार्डों में से महज पांच वार्डों में ही नल-जल योजना के तहत पाइप बिछाई गई है, जबकि शेष आठ वार्डों में योजना का काम धरातल पर दिखाई नहीं दे रहा है। सदस्यों ने सभी वार्डों में योजना का कार्य पूरा कराने और लोगों को नियमित पेयजल उपलब्ध कराने की मांग की। बैठक में कार्यक्रम पदाधिकारी भोला दास, अंचलाधिकारी नवीन कुमार, बीपीआरओ, डा. आशीष कुमार, उप प्रमुख धर्मेंद्र राय, पंसस परितोष कुमार सिंह, राहुल कुमार सिंह, सुरेश तांती, वेदानन्द यादव, शिवशंकर दास, इन्दल सादा, मु. शकील अहमद, बबीता कुमारी, कंचन देवी, छबीनाथ, उषा देवी, सकीना देवी, लीलावती देवी, ललिता देवी, नीतू कुमारी सहित अन्य पंचायत प्रतिनिधि एवं पदाधिकारी मौजूद थे।

बाबा राजराजेश्वर स्थान में 17-18 अगस्त को होगा भव्य दो दिवसीय श्रावणी महोत्सव

तीसरी सोमवारी एवं नाग पंचमी के शुभ अवसर पर होगा आयोजन, किलकारी व आम्रपाली केंद्र के बच्चों की भी होगी प्रस्तुति

संवाददाता

सहरसा: बाबा राजराजेश्वर स्थान, शाहीडीह पट्टी बड़गांव में इस वर्ष श्रावण मास के पावन अवसर पर 17 एवं 18 अगस्त को दो दिवसीय भव्य श्रावणी महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कला, संस्कृति एवं युवा विभाग तथा जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस महोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। महोत्सव का भव्य उद्घाटन 17 अगस्त की संध्या 5 बजे प्रस्तावित है। यह आयोजन तीसरी सोमवारी एवं नाग पंचमी के शुभ अवसर पर होने के कारण धार्मिक एवं सांस्कृतिक दृष्टिकोण से विशेष महत्व रखता है। महोत्सव के शुभारंभ से पूर्व बाबा राजराजेश्वर का विधिवत पूजन-अर्चन एवं संध्या आरती की जाएगी। इसके पश्चात दीप प्रज्वलन एवं अन्य कार्यक्रमों के साथ दो दिवसीय महोत्सव का औपचारिक शुभारंभ होगा।महोत्सव में स्थानीय एवं क्षेत्रीय प्रतिभाओं को विशेष मंच प्रदान किया जाएगा। बाल भवन किलकारी एवं आम्रपाली केंद्र के बच्चे भी विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियां महोत्सव की भव्यता को और बढ़ाएंगी तथा स्थानीय कला एवं संस्कृति को प्रोत्साहन मिलेगा।वहीं, दोनों संध्याओं में एक से बढ़कर एक चर्चित कलाकारों एवं सांस्कृतिक दलों द्वारा भक्ति, लोकगीत, संगीत एवं मनोरंजन से भरपूर प्रस्तुतियां दी जाएंगी। कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं एवं दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। भक्ति गीतों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से पूरा महोत्सव परिसर भक्तिमय एवं उत्सवी माहौल में सराबोर रहेगा। महोत्सव को लेकर आयोजकों द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा एवं कार्यक्रम को व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने की तैयारी की जा रही है। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए आवश्यक व्यवस्थाओं पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कला संस्कृति पदाधिकारी स्नेहा झा ने जानकारी देते हुए बताया कि बाबा राजराजेश्वर स्थान में 17 एवं 18 अगस्त को दो दिवसीय श्रावणी महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि धार्मिक आस्था के साथ-साथ स्थानीय कला एवं संस्कृति को बढ़ावा देना इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य है। किलकारी एवं आम्रपाली केंद्र के बच्चों की सहभागिता से कार्यक्रम को विशेष आकर्षण मिलेगा तथा दोनों दिनों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से श्रद्धालुओं का मनोरंजन भी होगा।

आयोजकों ने बाबा राजराजेश्वर के सभी श्रद्धालुओं, भक्तों एवं क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में महोत्सव में शामिल होकर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करें और इस ऐतिहासिक एवं भव्य आयोजन के साक्षी बनें। बरसात के मौसम को देखते हुए श्रद्धालुओं से मौसम को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सावधानी बरतते हुए महोत्सव में भाग लेने की अपील की गई है। बाबा राजराजेश्वर स्थान में होने वाला यह दो दिवसीय महोत्सव निश्चित रूप से धर्म, आस्था, लोक संस्कृति और कला का अनूठा संगम साबित होगा।

आठ वर्षीय बच्ची से यौन शोषण का आरोप, मामला दर्ज, आरोपित एक विधि विरुद्ध बालक को किया गया निरुद्ध

बहला-फुसलाकर सुनसान घर में ले जाने और विरोध करने पर मारपीट का आरोप

संवाददाता

सिमरी बख्तियारपुर (सहरसा): बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में आठ वर्षीय बच्ची के साथ यौन शोषण और मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित विधि विरुद्ध बालक को निरुद्ध किया है। वहीं, पीड़ित बच्ची को चिकित्सीय जांच के लिए सहरसा भेजा गया है। मामले की जांच महिला पुलिस सब-इंस्पेक्टर स्वीटी कुमारी कर रही हैं। "

चारा काटने गई थी बच्ची" पीड़िता की मां ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया है कि घटना नौ अगस्त की दोपहर की है। बच्ची मवेशियों के लिए चारा काटने खेत की ओर गई थी। इसी दौरान पड़ोस का 15 वर्षीय किशोर उसे बहला-फुसलाकर एक सुनसान घर में ले गया। आरोप है कि वहां उसने बच्ची के साथ जबरन यौन शोषण किया। बच्ची द्वारा विरोध करने और शोर मचाने पर आरोपित ने उसके साथ मारपीट की। आवेदन में बच्ची का गला और शरीर मरोड़कर उसे बेहोश करने का भी आरोप लगाया गया है। "स्वजनों पर दबाव बनाने का आरोप" पीड़िता की मां का आरोप है कि घटना की जानकारी मिलने पर वह मौके पर पहुंचीं और बच्ची को बेहोशी की हालत में पाया। बच्ची को अस्पताल ले जाने के दौरान आरोपित के कुछ जनप्रतिनिधि व स्थानीय लोगों ने उन्हें रोक दिया। आरोप है कि मामले को दबाने के उद्देश्य से निजी चिकित्सक से बच्ची का इलाज कराया गया। पीड़िता के पिता के 12 अगस्त को राजस्थान से लौटने के बाद भी परिवार पर दबाव बनाए जाने का आरोप लगाया गया है। आवेदन के अनुसार, सादे कागज पर जबरन हस्ताक्षर कराने और पुलिस के पास जाने से रोकने के लिए मोटरसाइकिल छीनने की बात भी कही गई है।" पुलिस ने दर्ज किया मामला" इसके बाद पीड़िता के माता-पिता बख्तियारपुर थाना पहुंचे और पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए भारतीय न्याय संहिता और पाक्सो एक्ट की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की। बख्तियारपुर थानाध्यक्ष जयशंकर कुमार ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर आरोपित किशोर को विधि विरुद्ध बालक के रूप में निरुद्ध किया गया है। पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए सहरसा भेजा गया है। मामले की जांच महिला पुलिस सब-इंस्पेक्टर स्वीटी कुमारी कर रही हैं। पुलिस ने बताया कि पीड़िता और आरोपित दोनों नाबालिग हैं।

दिव्यांगजनों के नियोजन सहायातार्थ व व्यावसायिक मार्गदर्शन हेतु एक दिवसीय मार्गदर्शन कार्यशाला का आयोजन

तिरंगा रैली निकाल दिव्यांग जनों ने हर घर तिरंगा फहराने का संकल्प

संवाददाता

सहरसा: कोशी क्षेत्रीय दिव्यांग, विधवा, वृद्ध कल्याण समिति, प्रधान कार्यालय डीबी रोड में बिहार सरकार, युवा रोजगार एवं कौशल विकास विभाग, अवर प्रादेशिक नियोजनालय के तत्वाधान में दिव्यांगजनों के नियोजन सहायातार्थ एवं व्यावसायिक मार्गदर्शन हेतु एक दिवसीय मार्गदर्शन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन निशांत कुमार, उप निदेशक (नियोजन), अमित कुमार, सहायक निदेशक (नियोजन), कोशी प्रमंडल सहरसा, संस्थान के अध्यक्ष सह बोर्ड सदस्य राष्ट्रीय न्यास, भारत सरकार (मोहन कुमार) एवं समिति सदस्य सह कार्यक्रम प्रभारी सुनील कुमार ठाकुर के द्वारा दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के मंच संचालन सुनील कुमार ठाकुर के द्वारा दिया गया तथा कार्यशाला में आए हुए अतिथियों सहित दिव्यांग युवा युवतियों का स्वागत किया गया। अध्यक्ष के द्वारा संस्थान के विगत 39 वर्षों के क्रिया कलापों की जानकारी दी गई। तथा बताया गया कि संस्थान दिव्यांगजनों, के साथ-साथ विधवा, वृद्ध जनों के सर्वांगिंण विकास हेतु सक्रिय रूप से सहयोग प्रदान करती आ रही है। संस्थान के द्वारा दो मुक बधिर दिव्यांगजनों को पेट्रोल पम्प पर नौकरी लगाकर आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया गया। साथ ही साथ कटिहार जिला में रेलवे के सहयोग से रेलवे टिकट कॉटने हेतु दो दिव्यांगजनों को नोकरी लगाया गया । अवर प्रादेशिक नियोजन के द्वारा भी दिव्यांगजनों के दशा बदलने के लिए दिशा में बराबर मार्गदर्शन कार्यशाला का आयोजन कर दिव्यांगजनों के निबंधन एवं स्टडी कीट्स भी उपलब्ध कराया जाता है। कार्यक्रम में सहायक निदेशक नियोजन कोशी प्रमंडल सहरसा के द्वारा सम्बोधित करते हुए कहा गया कि माह नवम्बर 2025 से ही एक नये कार्यक्रम युवा रोजगार एवं कौशल विकास विभाग का गठन किया गया है, जिसके माध्यम से दिव्यांगजनों को प्रशिक्षण के साथ-साथ रोजगार मुहैया करवाया जायेगा। सहरसा, सुपौल जिला में प्राईवेट एजेंसी, मॉल, आदि में भी शीघ्र ही शिक्षित दिव्यांगजनों को स्वनियोजन का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पवर उप निदेशक (नियोजन), कोशी प्रमंडल, सहरसा के द्वारा कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए कहा कि अवर प्रादेशिक नियोजनालय में अब तक जो दिव्यांगजन निबंधन नहीं कराए हैं, वह आज निबंधन करवालें, तदुपरांत उन्हें सहयोग प्रदान की जाएगी। शिक्षित बेरोजगार युवकों एवं युवतियों को स्वरोजगार एवं स्वनियोजन हेतु नियोलनालय के माध्यम से बराबर मार्गदर्शन कैम्प का आयोजन किया जाता है आगे और किया जाएगा तथा दिव्यांगजनों को लाभान्वित करवाने की कार्य की जाएगी।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय वायोश्री योजना के अन्तर्गत वृद्धजनों को उनके सहयोगी उपकरण एवं एडीप योजना के अन्तर्गत दिव्यांगजनों को उनके सहयोगी उपकरण निःशुल्क निशांत कुमार उप निदेशक नियोजन, कोशी प्रमंडल, सहरसा के कर कमलों द्वारा वितरण करवाया गया। संयुक्त कार्यक्रम में संस्थान के कोषाध्यक्ष दिलिप कुमार साह, महासचिव मुकेश कुमार यादव, असारा केन्द्र के प्रभारी उमेश कुमार शर्मा, पुनम देवी, शत्रुध्न साह, विद्यालय के विशेष शिक्षक उपेन्द्र कुमार साह, दयानंद कुमार, शिवराम शर्मा, केयर गिभर अवधेश राम, निर्मला देवी, सुमित्रा देवी, पुनम देवी, टुन्नी कुमारी वार्डेन के अलावे क्षेत्रीय प्रखंड स्तरीय कार्यकर्ता कहरा से रौशन कुमार चौधरी, सत्तरकटैया से शिवशंकर झा, महिषी से रामरतन साह, नवहट्टा से नवरत्न कुमार, सिमरी बतिखरपुर से अनिल कुमार राय, बनमाईटहरी से हीरा कान्त भगत, सलखुआ से मो० समशेर, सोनवषार्राज से शिवनन्दन केशरी, सौरबाजार से तेजनारायण मेहता, पतरघट से छंगुरी महतो ने उपस्थित होकर सहयोग प्रदान किया।

संक्षिप्त खबरें

कृष्णगढ़ शिवपुर से 36 लीटर विदेशी शराब व बाइक बरामद, धंधेबाज फरार

संवाददाता

बड़हरा (भोजपुर) प्रखंड के कृष्णगढ़ थाना पुलिस ने गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए ग्राम शिवपुर से बड़ी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद की है। हालांकि पुलिस को देखकर शराब तस्कर मौके से भागने में सफल रहा।इस मामले में थाना प्रभारी रौशन कुमार ने बताया कि पुलिस टीम ने शिवपुर गांव में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने केन बियर ब्रांड की अंग्रेजी शराब कुल 36 लीटर और एक होंडा साइन मोटरसाइकिल बरामद किया है। हालांकि पुलिस को दूर से देखते ही शराब धंधेबाज अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला। उसकी पहचान के लिए आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

बरामद शराब और मोटरसाइकिल को जब्त कर थाना लाया गया है। इस संबंध में थाना में प्राथमिकी दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। थाना प्रभारी रौशन कुमार बताया कि इस क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार पर लगाम लगाने के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। फरार अभियुक्त को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। छापेमारी में थाना प्रभारी रौशन कुमार सहित अन्य कई पुलिस बल मौके पर मौजूद रहे।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत आज निकलेगी तिरंगा यात्रा

संवाददाता

औरंगाबाद : हर घर तिरंगा अभियान के तहत आज जिला मुख्यालय में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। तिरंगा यात्रा अपराह्न 4 बजे गेट स्कूल से प्रारंभ होकर टाउन हॉल तक जाएगी। इस तिरंगा यात्रा में पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग-सह-प्रभारी मंत्री रमा निषाद मुख्य रूप से शामिल होंगे। साथ ही विधायकगण भी तिरंगा यात्रा में सहभागिता करेंगे। छात्र-छात्रायें, स्काउट गाइड, एनसीसी कैडेट एवं जिला के सभी पदाधिकारी तिरंगा यात्रा में सम्मिलित होंगे। जिला प्रशासन द्वारा आमजनों से भी इस देशभक्ति से ओत-प्रोत कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर तिरंगा यात्रा को सफल बनाने की अपील की गई है। जिला प्रशासन द्वारा जिलेवासियों से सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने तथा हर घर तिरंगा अभियान को जन-जन तक पहुंचाने में सहयोग करने की अपील की गई है।

एडीजी रेलवे ने समस्तीपुर में की लंबित कांडों और विधि व्यवस्था की समीक्षा

संवाददाता

समस्तीपुर। समाहरणालय परिसर, समस्तीपुर में गुरुवार को डॉ. कमल किशोर सिंह, अपर पुलिस महानिदेशक, रेलवे, बिहार, पटना द्वारा जिले में लंबित कांडों, विधि व्यवस्था, साइबर अपराध एवं यातायात व्यवस्था को लेकर समीक्षा बैठक की गई। समीक्षा के दौरान पुलिस विभाग से जुड़े विभिन्न मामलों की स्थिति की जानकारी ली गई और संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में लंबित कांडों के त्वरित निष्पादन, विधि व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने, साइबर अपराध पर प्रभावी नियंत्रण तथा यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने को लेकर अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए गए।

अपर पुलिस महानिदेशक ने पुलिस पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में पूरी तत्परता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने तथा अपराध नियंत्रण को लेकर सतर्कता बनाए रखने पर जोर दिया। समीक्षा बैठक में पुलिस उप महानिरीक्षक, मिथिला क्षेत्र दरभंगा, पुलिस अधीक्षक समस्तीपुर सहित जिले के सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एवं सभी पुलिस उपाधीक्षक उपस्थित रहे। बैठक के दौरान अधिकारियों ने जिले की पुलिसिंग एवं विभिन्न मामलों की वर्तमान स्थिति से संबंधित जानकारी साझा की तथा बेहतर पुलिस व्यवस्था के लिए आवश्यक दिशा-निर्देशों के अनुपालन का भरोसा दिलाया।

सासाराम में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में, स्टेडियम में परेड और मार्च-पास्ट का फुल ड्रेस रिहर्सल

संवाददाता

सासाराम। आगामी स्वतंत्रता दिवस समारोह को सफल, सुव्यवस्थित एवं गरिमापूर्ण ढंग से संपन्न कराने को लेकर आज मुख्य समारोह स्थल फजलगंज स्टेडियम, सासाराम में फुल ड्रेस रिहर्सल आयोजित किया गया। फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान जिलाधिकारी रोहतास दीपक कुमार मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक रोहतास रौशन कुमार की उपस्थिति एवं देखरेख में परेड, ध्वजारोहण, मंच व्यवस्था सहित स्वतंत्रता दिवस समारोह के विभिन्न कार्यक्रमों का पूर्वाभ्यास किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने समारोह स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया।

उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को सभी आवश्यक तैयारियां निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने तथा समारोह के दौरान व्यवस्था, सुरक्षा एवं अनुशासन का विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमारे राष्ट्रीय गौरव, सम्मान एवं देशभक्ति का पर्व है। समारोह को गरिमापूर्ण, सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह तत्पर है। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को अपने दायित्वों का पूरी जिम्मेदारी एवं समन्वय के साथ निर्वहन करने का निर्देश दिया। फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान संबंधित प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारी, परेड दल, सुरक्षाकर्मी तथा अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित रहे।

वरिष्ठ जदयू नेता ने पृथ्वीराज चौहान की प्रतिमा पर किया पुष्पांजलि

संवाददाता

औरंगाबाद : जिला मुख्यालय ब्लॉक मोड़ के समीप अवस्थित पृथ्वीराज चौहान स्मृति भवन के प्रांगण में पृथ्वीराज चौहान चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में जदयू के वरिष्ठ नेता, एमएलसी संजय कुमार का आगमन हुआ। ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया।

संजय कुमार प्रतिमा स्थल पहुंचे और पृथ्वीराज चौहान एवं उनके अभिन्न मित्र चंद्रवरदाई की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित किया । उसके बाद ट्रस्ट के अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप नारायण सिंह एवं कार्यकारी अध्यक्ष रामप्रवेश सिंह द्वारा अंग वस्त्र मोमेंट देकर सम्मानित किया गया। ट्रस्ट के वरीय सदस्य चंद्रप्रकाश विकास, अधिवक्ता रविंद्र कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष विकास कुमार सिंह, प्रवक्ता सुरेश विद्यार्थी, शिक्षक चंद्रकांत सिंह अन्य लोगों के द्वारा स्वागत किया गया। संजय कुमार ने बताया कि औरंगाबाद जिले में जिस प्रकार से सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासतों को संजोकर पृथ्वीराज चौहान एवं चंद्रदाई की प्रतिमा स्थापित की गई है वह एक अत्यंत ही ऐतिहासिक कार्य है .इससे हम सबकी गौरवशाली इतिहास को जानने समझने के लिए वर्तमान पीढ़ी को मौका मिलता है।

अरवल के 60 मत्स्य कृषकों ने किया मोहनपुर मत्स्य हैचरी का भ्रमण

संवाददाता

बिहारशरीफ. अरवल के जिला मत्स्य पदाधिकारी-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, अरवल के निर्देश पर मत्स्य प्रसार राज्य योजना के तहत गुरुवार को अरवल जिले के 60 मत्स्य कृषकों ने नालंदा स्थित मोहनपुर मत्स्य हैचरी का एक दिवसीय भ्रमण किया.

मत्स्य विकास पदाधिकारी श्रीराम कुमार एवं मत्स्य प्रसार पदाधिकारी श्वेता कुमारी के नेतृत्व में पहुंचे कृषकों को मत्स्य पालन की आधुनिक तकनीक, हैचरी संचालन तथा उत्पादन बढ़ाने के विभिन्न उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई.

डबल इंजन सरकार में अपराध, भ्रष्टाचार और अराजकता का बोलबाला, केवल तिरंगा यात्रा से नहीं छिप सकतीं जनता की समस्याएं : भाई दिनेश

संवाददाता

जगदीशपुर/भोजपुर: पूर्व विधायक जगदीशपुर भाई दिनेश ने कहा कि बिहार में डबल इंजन की सरकार के कार्यकाल में अपराध, भ्रष्टाचार, सरकारी योजनाओं में अनियमितता, प्रशासनिक लापरवाही और अराजकता को लेकर आम जनता में गंभीर चिंता और आक्रोश है। सरकार और प्रशासन को उत्सव एवं प्रचार के साथ-साथ जनता के वास्तविक सवालों का भी जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि आजादी के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तिरंगा यात्रा निकालना देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव का विषय है। तिरंगा हमारे देश की शान, स्वाभिमान और आजादी का प्रतीक है। लेकिन क्या केवल तिरंगा यात्रा निकाल देने से खेतों में सूखा, किसानों की परेशानी, बेरोजगार युवाओं की चिंता, भ्रष्टाचार, अपराध और सरकारी व्यवस्था की कमियां समाप्त हो जाएंगी? यह सवाल आज हर नागरिक को स्वयं से और सरकार से पूछना चाहिए। भाई दिनेश ने कहा कि देश की आजादी हजारों-लाखों स्वतंत्रता सेनानियों और वीर जवानों के संघर्ष एवं बलिदान का परिणाम है। इसलिए स्वतंत्रता दिवस केवल झंडा फहराने और समारोह मनाने का अवसर नहीं, बल्कि देश और समाज की वर्तमान स्थिति पर आत्ममंथन करने तथा व्यवस्था से सवाल पूछने का भी दिन है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में सरकारी खरीद और निर्माण कार्यों में अनियमितता की शिकायतें लगातार सामने आती रही हैं। यदि 1, 500 की वस्तु 15, 000 में खरीदे जाने जैसी शिकायतें सही हैं तो इसकी स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए तथा दोषी पाए जाने वालों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। करोड़ों रुपये के किसी भी कथित घोटाले को राजनीतिक संरक्षण अथवा प्रशासनिक चुप्पी के कारण दबाया नहीं जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि तिरंगा हमारे लिए केवल एक झंडा नहीं, बल्कि त्याग, संघर्ष, एकता और स्वतंत्रता का प्रतीक है। इसलिए इस तिरंगे के सामने हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि शहीदों के सपनों का भारत और बिहार बनाने के लिए भ्रष्टाचार, अपराध, शोषण और अन्याय के खिलाफ लोकतांत्रिक संघर्ष जारी रहेगा।

भाई दिनेश ने कहा कि सरकार से सवाल करना देश विरोध नहीं, बल्कि लोकतंत्र को मजबूत करना है। जनता के पैसे, अधिकार और सम्मान की रक्षा करना प्रत्येक जनप्रतिनिधि और नागरिक का दायित्व है। अब समय आ गया है कि उत्सव के साथ आत्ममंथन और नारों के साथ जमीन पर काम भी दिखाई दे।

महावीर कैंसर संस्थान में नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान

मरीजों और कर्मियों ने लिया संकल्प

संवाददाता

पटना: महावीर कैंसर संस्थान में गुरुवार को प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की ओर से राष्ट्रव्यापी नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन ब्रह्माकुमारी एवं महावीर कैंसर संस्थान के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया. कार्यक्रम में महावीर कैंसर संस्थान के निदेशक प्रशासन डॉ. विश्वजीत सन्याल, चिकित्सा निदेशक डॉ. मनीषा सिंह, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एल.बी. सिंह और एसोसिएट निदेशक डॉ. विनीता त्रिवेदी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे. ब्रह्माकुमारी मेडिकल विंग की ओर से ब्रह्माकुमारी स्नेहा, ब्रह्माकुमारी शालिनी, ब्रह्माकुमारी गीतांजलि, ब्रह्माकुमार शशिरंजन एवं ब्रह्माकुमार सुशील ने संस्थान को अभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी के लिए प्रमाण-पत्र प्रदान किया.

परैया थानाध्यक्ष की बेटी श्रेया शर्मा ने NIT में हासिल की शानदार सफलता

संवाददाता

परैया गया: परैया थाना अध्यक्ष सुनीता कुमारी की बेटी श्रेया शर्मा ने एनआईटी परीक्षा में शानदार सफलता हासिल कर परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

श्रेया मूल रूप से अरवल जिले के पारसी थाना क्षेत्र के कामता गांव की रहने वाली हैं।

श्रेया ने हाजीपुर स्थित सेंट पॉल स्कूल से प्लस टू की पढ़ाई पूरी करने के बाद कोटा में रहकर इंजीनियरिंग की तैयारी कर रही थी। एनआईटी परीक्षा में उन्होंने 95 प्रतिशत अंक हासिल किए। सफलता के बाद उनका चयन सिविल विभाग में हुआ है और उन्हें सिलचर कॉलेज में प्रवेश मिला है।

अपनी सफलता को लेकर श्रेया ने बताया कि इस उपलब्धि में उनके माता-पिता के साथ-साथ कोटा में तैयारी के दौरान मार्गदर्शन देने वाले शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने कहा कि माता-पिता के निरंतर प्रोत्साहन और शिक्षकों के मार्गदर्शन से उन्हें अपने लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिली। श्रेया की सफलता की खबर से कामता गांव सहित परिवार और शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है। लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

15 अगस्त पर क्विज एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन, विजेता छात्र-छात्राएं पुरस्कृत

संवाददाता

परैया गया: स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गुरुवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी मीरा कुमारी के निर्देश पर प्रखंड संसाधन केंद्र भवन में प्रखंड स्तरीय क्विज एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों से कक्षा नौवीं से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। क्विज प्रतियोगिता में धीरज कुमार ने प्रथम, सत्यम राज ने द्वितीय तथा योगेश कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं निबंध प्रतियोगिता में खुशी कुमारी प्रथम, सलोनी कुमारी द्वितीय तथा प्रिंस राज तृतीय स्थान पर रहे। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में दिवाकर मिश्रा, जितेंद्र कुमार एवं मनीष कुमार शामिल रहे। प्रतियोगिता के उपरांत प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी नवीन कुमार झा द्वारा चयनित छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। अधिकारियों ने छात्रों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं से बच्चों में देशभक्ति, सामान्य ज्ञान एवं रचनात्मक क्षमता का विकास होता है।

तिरंगे के साथ सड़कों पर उतरे स्कूली बच्चे, 'हर घर तिरंगा' का दिया संदेश

संवाददाता

शेरघाटी गया: 'हर घर तिरंगा' अभियान को लेकर शेरघाटी प्रखंड के विद्यालयों में गुरुवार को देशभक्ति का माहौल देखने को मिला। उच्च माध्यमिक विद्यालय श्रीरामपुर एवं मध्य विद्यालय बीटी विगहा के छात्र-छात्राओं ने हाथों में तिरंगा लेकर जागरूकता रैली निकाली। बच्चों ने देशभक्ति के नारों के साथ लोगों को अपने घरों पर तिरंगा फहराने और राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के प्रति जागरूक किया।

रैली के दौरान विद्यार्थियों में खासा उत्साह दिखा। विद्यालय परिसर से शुरू हुई रैली विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी। इस दौरान बच्चों ने लोगों को राष्ट्र की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय ध्वज के महत्व का संदेश दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संजय सिंह मुखिया ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि तिरंगा देश की एकता और गौरव का प्रतीक है। युवा पीढ़ी में राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करने के लिए ऐसे आयोजन जरूरी हैं। विद्यालय में बच्चों को 'वंदे मातरम्' के महत्व तथा राष्ट्रीय ध्वज के गौरव और सम्मान की जानकारी दी गयी। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य विजय गुप्ता एवं कमलेश प्रसाद सिंह के निर्देशन में हुआ। इको क्लब प्रभारी सह नोडल शिक्षक बृजेश कुमार पांडेय ने नेतृत्व किया, जबकि स्वाति कुमारी संयोजक रहीं। शिक्षक निलेश कुमार, आशीष यादव समेत अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सहयोग किया।

इको क्लब प्रभारी बृजेश कुमार पांडेय ने कहा कि तिरंगा अभियान विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम के साथ अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का माध्यम है। प्रखंड के दर्जनों अन्य विद्यालयों में भी तिरंगा यात्राएं निकाली गयीं, जिनमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से किया परेड की सलामी का पूर्वाभ्यास एवं निरीक्षण

संवाददाता

औरंगाबाद : स्वतंत्रता दिवस 2026 के सफल आयोजन हेतु जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक उपेंद्रनाथ वर्मा द्वारा संयुक्त रूप से ऐतिहासिक गांधी मैदान, औरंगाबाद में परेड की सलामी का पूर्वाभ्यास एवं निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान परेड में भाग ले रहे सशस्त्र बल, बिहार सैन्य पुलिस, जिला पुलिस बल, होमगार्ड, एनसीसी कैडेट्स, स्काउट एवं गाइड दल के प्रतिभागियों ने अनुशासित एवं जोशपूर्ण प्रदर्शन प्रस्तुत किया। जवानों ने निर्धारित मार्च-पास्ट क्रम के अनुसार जिसे जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इस अवसर पर वाद्य यंत्र दल द्वारा देशभक्ति धुनों की प्रस्तुति भी दी गई, जिसने पूरे वातावरण को देशभक्ति के रंग में रंग दिया।

जिला पदाधिकारी ने परेड में शामिल सभी दलों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए प्रतिभागियों को अंतिम अभ्यास के दौरान शत-प्रतिशत समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह जिले की गरिमा का प्रतीक है, अतः इसकी तैयारी में किसी प्रकार की त्रुटि या कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी तकनीकी व्यवस्थाएँ — जैसे साउंड सिस्टम, मंच व्यवस्था, दर्शक दीर्घा, बैरिकेडिंग, सजावट एवं रंग-रोगन — निर्धारित समय सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण कर ली जाएं।

पुलिस अधीक्षक उपेंद्रनाथ वर्मा ने परेड में सुरक्षा एवं अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बलों को परेड के दौरान कदमताल, मोड़, और सलामी की प्रक्रिया को और सटीक बनाने का सुझाव दिया। साथ ही, समारोह के दिन भीड़ नियंत्रण, वीआईपी सुरक्षा, आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता एवं यातायात प्रबंधन की विस्तृत योजना पर बल दिया। निरीक्षण के क्रम में जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने गांधी मैदान के संपूर्ण परिसर का भौतिक अवलोकन किया और साफ-सफाई की स्थिति, प्रवेश एवं निकास द्वारों की व्यवस्था, झंडोत्तोलन मंच की सुरक्षा, विद्युत आपूर्ति, पेयजल की उपलब्धता, अस्थायी शौचालयों की स्थापना, एवं आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की तैयारी की भी समीक्षा की।

संबंधित विभागों को आवश्यकतानुसार सुधार एवं कार्य पूर्ण करने के निर्देश तत्काल प्रभाव से दिए गए। गौरतलब है कि 15 अगस्त 2026 को स्वतंत्रता दिवस समारोह के अंतर्गत झंडोत्तोलन, परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रम, पुरस्कार वितरण एवं विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं से संबंधित प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। जिला प्रशासन ने आमजन एवं विशिष्ट अतिथियों की सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु सभी व्यवस्थाओं को जन-सुलभ एवं सुव्यवस्थित बनाने का संकल्प लिया है।

जीएनएसयू में निकली भव्य तिरंगा यात्रा

दिखा देशभक्ति का जोश, भारत माता की जय से गूंजा इलाका

संवाददाता

डेहरी ऑन सोन। गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय जम्हार में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर के संयुक्त तत्वावधान में देशभक्ति, राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लेकर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, एनसीसी कैडेट्स एवं एनएसएस स्वयंसेवकों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ यात्रा में सहभागिता की तथा राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। तिरंगा यात्रा को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. जगदीश सिंह, कुलाधिपति के सलाहकार प्रो. डॉ. महेंद्र सिंह, औरंगाबाद के माननीय विधायक एवं प्रबंध निदेशक त्रिविक्रम नारायण सिंह एवं विश्वविद्यालय जनसंपर्क अधिकारी भूपेंद्र नारायण सिंह ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं शिक्षकों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

यात्रा के दौरान नारायण स्कूल ऑफ लॉ की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. संगीता सिंह ने विद्यार्थियों के साथ कदम से कदम मिलाकर यात्रा में सहभागिता की। आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय एवं नारायण वर्ल्ड स्कूल के विद्यार्थियों, एनसीसी कैडेट्स एवं स्वयंसेवकों ने देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रप्रेम से जुड़े नारों से पूरे वातावरण को देशभक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. धनंजय तिवारी तथा सह-समन्वयक लेफ्टिनेंट डॉ. मयंक राय रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी वेदांत प्रजापति, फिजिकल इंस्ट्रक्टर रौशन सिंह, एवं सोशल मीडिया कोऑर्डिनेटर सूरज ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

तिरंगा यात्रा में विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारीगण रणधीर करण, बैजनाथ सरकार, अमितेश पांडेय, रितेश पांडेय, साइकत मंडल, मोहित गुप्ता, संजीव यादव सहित अन्य शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों के साथ यात्रा में सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। तिरंगा यात्रा ने विश्वविद्यालय परिसर में देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना को और अधिक सशक्त किया।

'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत टेंगरा पंचायत में निकाली गई भव्य तिरंगा यात्रा

संवाददाता

औरंगाबाद : स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत बारुण प्रखंड अंतर्गत टेंगरा पंचायत में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। तिरंगा यात्रा में जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा सहित जिला स्तरीय पदाधिकारियों, विद्यालयों के छात्र-छात्राओं, स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में आमजनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। तिरंगा यात्रा टेंगरा पंचायत सरकार भवन से शहीद सिपाही संतोष साव के स्मारक स्थल तक निकाली गई। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर शामिल लोगों ने देशभक्ति के नारों एवं 'वंदे मातरम्' के जयघोष के साथ पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ तिरंगा यात्रा निकाली। इस दौरान 'शहीद सिपाही संतोष साव अमर रहें' के नारों से पूरे कार्यक्रम स्थल पर देशभक्ति का माहौल बना रहा। स्मारक स्थल पर जिला पदाधिकारी श्रीमती अभिलाषा शर्मा सहित जिला स्तरीय पदाधिकारियों द्वारा शहीद सिपाही संतोष साव की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इसके पश्चात जिला पदाधिकारी ने शहीद के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें शॉल भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके प्रति संवेदना एवं सम्मान व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी द्वारा शहीद सिपाही संतोष साव जी को नमन करते कहा कि वे 161वीं बटालियन में कांस्टेबल के रूप में देश की सेवा कर रहे थे। दिनांक 25 जून 2016 को अपने साथियों के साथ ड्यूटी से लौटने के दौरान आतंकवादियों द्वारा घात लगाकर हमला किया गया। अचानक हुई गोलीबारी एवं बस के अंदर फेंके गए ग्रेनेड के बीच सिपाही संतोष साव ने राष्ट्रसेवा में अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए वीरगति प्राप्त की। उन्होंने कहा कि ऐसे वीर सपूतों का बलिदान हम सभी को यह स्मरण कराता है कि आज हम जिस तिरंगे को गर्व और सम्मान के साथ लेकर चलते हैं, उसकी आन-बान-शान की रक्षा के लिए हमारे वीर जवान अपना सर्वस्व न्योछावर करते हैं।

शहीदों का त्याग और बलिदान सदैव देशवासियों को राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करने के लिए प्रेरित करता रहेगा। जिला पदाधिकारी ने कहा कि आज टेंगरा पंचायत की इस पावन धरती से हम सभी शहीद संतोष साव जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए यह संकल्प लें कि अपने देश, समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा और ईमानदारी से पालन करेंगे। उन्होंने आमजनों से 'हर घर तिरंगा' अभियान में सक्रिय सहभागिता करते हुए अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने तथा राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान की भावना को और मजबूत करने की अपील की। हर घर तिरंगा' अभियान के तहत आयोजित इस तिरंगा यात्रा का उद्देश्य आमजनों में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान, राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता तथा देशभक्ति की भावना को सुदृढ़ करना है। साथ ही, नागरिकों को अपने घरों पर तिरंगा फहराने एवं स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्र के प्रति अपनी सहभागिता प्रदर्शित करने के लिए प्रेरित किया गया। तिरंगा यात्रा में अपर समाहर्ता अनुग्रह नारायण सिंह, अपर समाहर्ता आपदा श्री उपेंद्र पंडित, अपर समाहर्ता विशेष शाखा मोहम्मद सादुल हसन खां, उप विकास आयुक्त कुमारी अनुपम सिंह, जिला पंचायती राज पदाधिकारी इफ्तेखार अहमद, सदर अनुमंडल पदाधिकारी गौरव सिंह, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्वेता प्रियदर्शी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, बारुण, विद्यालयों के छात्र-छात्राएं, स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

सच्चिदानंद सिन्हा कॉलेज ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

भारत माता की जय गगन भेदी नारों से गूंज उठा जिला मुख्यालय

संवाददाता

औरंगाबाद : देशभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से सच्चिदानंद सिन्हा कॉलेज की ओर से गुरुवार को 'मेरा तिरंगा मेरा अभिमान', 'मेरा भारत' एवं 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में कॉलेज के शिक्षक-शिक्षिकाओं, छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। तिरंगा यात्रा कॉलेज के मुख्य द्वार से शुरू होकर धर्मशाला मोड़ तक गई। वहां से वापस लौटकर यात्रा महाविद्यालय परिसर में आकर संपन्न हुई। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर शामिल प्रतिभागियों ने देशभक्ति के नारों के साथ लोगों को अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया।

यात्रा के दौरान प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान, राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता और देशभक्ति की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में एनसीसी एवं एनएसएस कैडेटों के साथ पुलिसकर्मियों ने भी सहभागिता की। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुधीर कुमार मिश्रा ने शिक्षकों, शिक्षकेत्तर कर्मियों, छात्र-छात्राओं एवं आम लोगों से 'हर घर तिरंगा' अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रत्येक घर पर तिरंगा फहराकर राष्ट्र के प्रति अपनी श्रद्धा एवं सम्मान व्यक्त करें। तिरंगा यात्रा के सफल आयोजन में महाविद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं, छात्र-छात्राओं, एनसीसी एवं एनएसएस कैडेटों तथा अन्य सहयोगियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जिला पदाधिकारी ने शहीद सिपाही संतोष साव के स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित कर परिजनों को किया सम्मानित

संपादकीय

क्या राजनीति बेमतलब हो रही है

यह असामान्य प्रदर्शन थे। देश के कई हिस्सों में स्कूल के बच्चे अपनी यूनिफॉर्म में बेहतर सुविधा के लिए प्रदर्शन कर रहे थे। जैन-जी के बाद जिसे जैन-एल्फा (2010 के बाद जन्मे) कहा जाता है, वह भी कुछ जगह सड़कों पर उतर कर अपने-अपने स्कूल की बेहतरी के लिए प्रदर्शन कर रहे थे। उनकी शिकायत थी कि उनके स्कूलों में साफ टॉयलेट नहीं है, डेस्क नहीं हैं,पंखें नहीं हैं। पीने के पानी का प्रबंध नहीं है। पर्याप्त टीचर नहीं हैं। एक बच्ची बता रही थी कि इतनी गंदी हालत है कि वह बीमार हो सकते हैं। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार और महाराष्ट्र से ऐसे समाचार मिल रहे हैं। उल्लेखनीय है कि सब कथित डबल इंजन सरकारें हैं। भीषण गर्मी में बंद पंखों को लेकर गुस्से में उत्तर प्रदेश के एक स्कूल के छात्र-छात्राएं बैनर लेकर सड़क पर निकल चुके हैं। तब ही उन्हें आश्वासन दिया गया कि 24 घंटे में सुधार होगा।

सवाल है कि प्रशासन ने खुद यह क्यों नहीं देखा कि स्कूल के पंखे बंद पड़े हैं? बिहार में गया जी में गंदगी, बैंचों और पंखों की कमी को लेकर बच्चों ने स्कूल पर ताला लगा दिया और धरना दिया। आखिर में कलैक्टर को वहां जाकर आश्वासन देना पड़ा। राजस्थान में तीन जगह बुनियादी सुविधाओं और टीचर की कमी को लेकर स्कूल की लड़कियां सड़क पर धरने पर बैठ गई। तब शिक्षा विभाग को 80 से अधिक टीचर वहां भेजने का आदेश देना पड़ा। टीचर के इतने पद खाली क्यों थे? ऐसी नौबत ही क्यों आए कि आजादी के लगभग आठ दशक के बाद भी यहां ऐसे स्कूल हैं जहां टीचर नहीं, पंखे नहीं, टॉयलेट नहीं और प्रशासन की दिलचस्पी नहीं है। छोटे-छोटे बच्चों को धरना क्यों देना पड़े?

प्रशासन की लापरवाही और असफलता तो समस्या का एक पक्ष है, दूसरा सवाल है कि हमारे जनप्रतिनिधि किस मर्ज की दवा है? उन्हें क्यों नहीं पता था कि बच्चे तकलीफ में हैं ? पार्षद, विधायक और सांसद क्या करते रहे? वह अपनी दुनिया में इतने मस्त क्यों हैं कि उन्हें मालूम नहीं कि जमीन पर स्थिति क्या है? हम वोट देते हैं, बार बार टैक्स देते हैं,पर हमें मिलता क्या है? हमारे गांव पिछड़े हैं और हमारे शहर गंदे हैं। सड़कें टूटी हैं और गार्बेज के ढेर हैं। पर्यावरण दूषित है। अपराध बढ़ रहा है और ड्रग्स हर जगह मिल रहे हैं। उत्तराखंड में देहरादून के पास टोंस नदी पर 16 करोड़ रुपए की लागत से बना पुल 16 दिन में मानसून की पहली बारिश में बह गया। अंग्रेजों के समय के पुल अब तक कायम हैं। 4200 करोड़ रुपए की लागत से बने लखनऊ-कानपुर एक्सप्रैसवे में 13 दिन में जगह-जगह सड़क बैठ गई है। मरम्मत को सुखाने के लिए पैडस्टल पंखे लगाए गए! बिहार में तो हर साल पुल बहते रहते हैं, सामान्य है। जिस दिल्ली-देहरादून एक्सप्रैसवे का उद्घाटन प्रधानमंत्री ने खुद किया उस में कुछ ही समय के बाद गड्ढे पड़ गए। अगर प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन की गई सड़क का यह हाल है तो बाकी हाईवे की स्थिति क्या होगी? हैरानी है कि इन सड़क ठेकेदारों को यह भी डर नहीं कि प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटित सड़क पर हल्का मैटीरियल लगाया तो कार्यवाही होगी। इस सरकार में जवाबदेही क्यों नहीं है, न मंत्रियों की, न अधिकारियों की, न ठेकेदारों की। व्यवस्था का शोचनीय हाल, सब चलता है की सरकारी संस्कृति, आज से नहीं है। दशकों की लापरवाही और उपेक्षा इस सरकार को विरासत में मिली है, पर जंतर-मंतर ने सब कुछ उलट दिया। बिहार और झारखंड में यह दोहराया जा रहा है। पहली पीढ़ियों ने स्थिति से समझौता कर लिया पर नई पीढ़ी बेताब है, इंतजार करने को तैयार नहीं। असली समस्या और भी बड़ी है पर असली तकलीफ चुनावों से नहीं है। असली तकलीफ चुनाव के बाद जो हुआ उससे है। लोगों ने जो जनादेश दिया और आज संसद का जो स्वरूप है, में भारी अंतर है। पिछले चार महीने में जिस तरह पार्टियां तोड़ी गईं हैं। उसने चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता को कमजोर कर दिया है। लोग एक पार्टी को वोट देते हैं पर कुछ सासंद दबाव में या लालच में, दल बदल कर उस पार्टी में शामिल हो रहे हैं जिसके खिलाफ जनता ने वोट दिया था। वोट की शुद्धता ही खतरे में है। सब सिद्धांत रद्दी की टोकरी में डाल दिए गए हैं। सत्ता ही एकमात्र सिद्धांत रह गई लगती है।

भाजपा-अकाली गठबंधन का किसे फायदा, किसे नुकसान

पंजाब की राजनीति एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां छह साल पहले टूट चुका रिश्ता फिर चर्चा के केंद्र में आ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सुखबीर सिंह बादल की हालिया मुलाकात ने राजनीतिक गलियारों में गठबंधन की अटकलों को हवा दी है, मगर सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी और बादल परिवार की मुलाकात को गठबंधन मान लेना जल्दबाजी होगी। मौजूदा संकेतों से इतना जरूर स्पष्ट है कि दोनों पक्ष एक-दूसरे के राजनीतिक महत्व को समझते हैं और संवाद के दरवाजे बंद नहीं रखना चाहते, लेकिन भाजपा की ओर से लगातार दिए जा रहे संकेत यह भी बताते हैं कि वह रिश्ते में पुराने अनुपात के साथ लौटने को तैयार नहीं है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने तो स्पष्ट किया है कि भाजपा का गठबंधन पंजाब की जनता से है किसी राजनीतिक पार्टी से नहीं। सवाल केवल यह नहीं है कि भाजपा और अकाली दल दोबारा साथ आएंगे या नहीं। असली सवाल यह है कि अगर दोनों दल साथ आते हैं तो इसका राजनीतिक फायदा किसे मिलेगा और नुक्सान किसे उठाना पड़ेगा? भाजपा और अकाली दल लंबे समय तक एक-दूसरे के स्वाभाविक सहयोगी रहे, लेकिन उस दौर की सबसे बड़ी कड़ी प्रकाश सिंह बादल अब इस दुनिया में नहीं हैं जिनके द्वारा भाजपा और अकाली दल के बीच राजनीतिक संतुलन बनाए रखने की माहिरता थी। दोनों दलों के बीच मतभेद होने पर भी बादल संवाद का रास्ता निकाल लेते थे।

आज भाजपा और अकाली दल के बीच वैसा कोई सर्वमान्य सेतु दिखाई नहीं देता। 2020 में कृषि कानूनों को लेकर दोनों दलों के रास्ते अलग हुए थे। आज यदि अकाली दल फिर भाजपा के साथ खड़ा होता है तो उसके सामने सबसे कठिन सवाल यही होगा कि वह पंजाब के किसानों को क्या जवाब देगा। दूसरी तरफ भाजपा के सामने भी यह चुनौती होगी कि जिस राजनीतिक मुद्दे ने दोनों दलों को अलग किया था, क्या उस पर पंजाब में विश्वास का संकट वास्तव में समाप्त हो चुका है? अकाली दल की अपनी साख को पिछले वर्षों में कई गंभीर घटनाओं ने नुक्सान पहुंचाया है। बेअदबी और उससे जुड़े घटनाक्रम अकाली दल के लिए सबसे संवेदनशील मुद्दों में रहे हैं। सुखबीर सिंह बादल का श्री अकाल तख्त साहिब के समक्ष पेश होना, अपनी जिम्मेदारियों को स्वीकार करते हुए माफी मांगना और बाद में उनके बयानों को लेकर उठे विवादों ने पार्टी की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े किए। इसी तरह बेअदबी के मुद्दे पर पंजाब सरकार द्वारा बनाए गए कानून के बाद अकाल तख्त साहिब और सरकार के बीच पैदा हुआ टकराव भी राजनीति का हिस्सा बन गया। भाजपा के साथ आने से उसे राष्ट्रीय स्तर की राजनीतिक ताकत, संसाधन और एक बड़ा चुनावी साझेदार मिल सकता है, लेकिन खतरा यह है कि अगर पंजाब की जनता भाजपा से नाराज है और अकाली दल से भी अलग-अलग कारणों से नाराज है तो दोनों की नाराजगी को जोड़कर गठबंधन कोई सकारात्मक परिणाम देने के बजाय दोनों दलों की कमजोरियों का जोड़ बन सकता है। दूसरी ओर भाजपा के लिए भी यह फैसला आसान नहीं है। भाजपा ने पिछले कुछ वर्षों में पंजाब में अपने दम पर संगठन खड़ा करने की कोशिश की है। पार्टी का लक्ष्य केवल कुछ शहरी सीटों तक सीमित रहना नहीं, बल्कि पंजाब में एक स्वतंत्र राजनीतिक ताकत बनना है, यदि भाजपा फिर पुराने फामूर्ले पर लौटती है और अकाली दल के साथ सीटों का बंटवारा करती है तो उसे तत्काल कुछ सीटों पर लाभ मिल सकता है, लेकिन इसके साथ यह संदेश भी जा सकता है कि भाजपा अभी भी पंजाब में अपने दम पर चुनाव लड़ने की स्थिति में नहीं है। समाजसेवी दविन्दरपाल सिंह पप्पू का मानना है कि न सिर्फ अकाली दल बादल और भाजपा को एक मंच पर आना चाहिए बल्कि पंजाब की बेहतरी के लिए जितने भी अकाली दल बने हुए हैं उन्हें अपनी राजनीतिक सोच को दरकिनार करते हुए एक झण्डे तले खड़े होना चाहिए तभी पंजाब की बेहतरी संभव है।

पाकिस्तान में सिख स्मारकों का भविष्य-संरक्षण या विस्मृति?: लाहौर के ऐतिहासिक मियानी साहिब कब्रिस्तान में स्थित शेर-ए-पंजाब महाराजा रणजीत सिंह की रानी महारानी मौरां की जर्जर हो चुकी कब्र एक स्मारक की उपेक्षा भर नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक संकट का प्रतीक है जिसका सामना पाकिस्तान में मौजूद सिख विरासत दशकों से कर रही है। टूटती हुई दीवारें, उगी हुई झाड़ियां और संरक्षण के अभाव में बिखरती यह ऐतिहासिक धरोहर एक गंभीर प्रश्न खड़ा करती है, क्या पाकिस्तान वास्तव में सिख इतिहास और विरासत के संरक्षण को लेकर उतना ही संवेदनशील है, जितना वह अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर स्वयं को प्रदर्शित करता है? महारानी मौरां का जन्म लगभग 10 जून, 1823 को हुआ था और उनका निधन 11 अगस्त, 1867 को हुआ। उनकी कब्र लाहौर के मियानी साहिब कब्रिस्तान में स्थित है, लेकिन आज उसकी स्थिति यह दशार्ती है कि ऐतिहासिक महत्व रखने वाले अनेक सिख स्मारकों की तरह यह भी उपेक्षा की शिकार है।

बोफोर्स कांड: एक झूठ के शापित होने का सच

एक झूठ के बल पर खड़ा हुआ बोफोर्स कांड सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद अब फाइलों में बंद हो गया। केस चालीस साल चला। इस पर 250 करोड़ रुपए व्यय हुए। इतना सब होने और चालीस साल की जीतोड़ कवायद के बाद भी बोफार्स खरीद में रिश्वत लेने की सच्चाई सामने नही आई। केस तो खत्म हो गया किंतु यह ये नहीं हो पाया कि इस प्रकरण में रिश्वत ली गई या नहीं। कोर्ट के केस खारिज करने के बाद भी रिश्वत लेने का आरोप आज भी अपनी जगह खड़ा है। इस कांड का पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी एवं अन्य आरोपियों के माथे पर लगा बेइमानी का दाग कभी खत्म नहीं हो पाएगा? क्या उनके परिवार माथे पर लगे इस कलंक से मुक्त हो पाएंगे? क्या उनके परिवार के सम्मान की हुई क्षति की कभी पूर्ति हो सकेगी? पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह के बार-बार बोले जाने वाले बोफोर्स खारीद में रिश्वत ने जनता के मन में तक जमाये झूठ के कारण राजीव गांधी से जनता दूर हो गई और उन्हें अपनी सरकार तक गंवानी पड़ी।

सुप्रीम कोर्ट ने हिंदुजा ब्रदर्स को बरी करने वाले दिल्ली हाईकोर्ट के 2005 के फैसले के खिलाफ दायर अंतिम अपील को भी खारिज कर दिया है। इसके साथ ही भारत के सबसे चर्चित और लंबे समय तक चलने वाले भ्रष्टाचार के मामलों में से एक बोफोर्स कांड का कानूनी अध्याय हमेशा के लिए बंद हो गया है। मामले में जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस विनोद के. चंद्रन की बेंच ने याचिकाकर्ता अधिवक्ता की स्थगन की मांग को ठुकराते हुए मामले की आखिरी याचिका को खारिज कर दिया। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने भी इस मामले में अपील की थी। इस अपील को भी सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में ही देरी के आधार पर खारिज कर दिया था। 1986 में हुए इस रक्षा सौदे का विवाद लगभग 40 साल तक अदालतों और भारतीय राजनीति के केंद्र में रहा और अंत में समाप्त हो गया।

पूरा मामला 24 मार्च 1986 को भारत सरकार और स्वीडिश कंपनी एबी बोफोर्स के बीच हुए 1,437 करोड़ रुपये के उस समझौते से जुड़ा है। इसके तहत भारतीय सेना के लिए 400 हॉवित्जर तोपें खरीदी जानी थीं। साल 1987 में स्वीडिश रेडियो ने यह सनसनीखेज खुलासा किया कि इस सौदे को हासिल करने के लिए भारतीय राजनेताओं और रक्षा अधिकारियों को अवैध कमीशन दिए गए थे। इस खुलासे ने भारतीय राजनीति में तहलका मचा दिया था। कांग्रेस छोड़ने के बाद, विश्वनाथ प्रताप (वीपी) सिंह ने खुद को एक 'ईमानदार नेता' (मिस्टर क्लीन) के रूप में स्थापित किया। उन्होंने राष्ट्रीय मोर्चा (जनता दल) का गठन किया। 1989 के लोकसभा चुनाव अभियान के दौरान वीपी सिंह अपनी रैलियों में बेहद आक्रामक रहे। वह अक्सर मंचों से अपनी जेब से एक सफेद पर्ची निकालकर लहराते थे। उनका दावा था कि उस पर्ची पर बोफोर्स घोटाले के पुख्ता सबूत, दलाली की रकम पाने वालों के नाम और राजीव गांधी के कथित स्विस बैंक खातों के नंबर लिखे हैं। कथित स्विस बैंक खातों के नंबर लिखे हैं। इस आक्रामक अभियान ने जनता के बीच राजीव गांधी सरकार के खिलाफ भारी आक्रोश पैदा किया। बोफोर्स घोटाले को मुख्य चुनावी मुद्दा बनाकर वीपी सिंह ने विपक्ष को एकजुट किया। इस आक्रामक अभियान ने जनता के बीच राजीव गांधी सरकार के खिलाफ भारी आक्रोश पैदा किया। उनकी बेइंतहा छवि खराब

सुप्रीम कोर्ट ने हिंदुजा ब्रदर्स को बरी करने वाले दिल्ली हाईकोर्ट के 2005 के फैसले के खिलाफ दायर अंतिम अपील को भी खारिज कर दिया है। इसके साथ ही भारत के सबसे चर्चित और लंबे समय तक चलने वाले भ्रष्टाचार के मामलों में से एक बोफोर्स कांड का कानूनी अध्याय हमेशा के लिए बंद हो गया है। मामले में जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस विनोद के. चंद्रन की बेंच ने याचिकाकर्ता अधिवक्ता की स्थगन की मांग को ठुकराते हुए मामले की आखिरी याचिका को खारिज कर दिया

की। राजीव गांधी सरकार पर गंभीर सवाल उठे और 1989 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी की हार का इसे एक बड़ा कारण माना गया। प्रधानमंत्री बनते ही वीपी सिंह ने बोफोर्स कंपनी पर भारत के साथ भविष्य के किसी भी रक्षा सौदे के लिए प्रतिबंध लगा दिया। उन्होंने मामले की जांच के लिए अधिकारियों की एक विशेष टीम भी गठित की।

भारी वादों और दावों के बावजूद, झूठ के बल पर बनी वीपी सिंह की सरकार केवल 11 महीने चली। सकार बनने के बाद वीपी सिंह 11 महीने की आपनी सरकार के कार्यकाल में कोई भी सबेत नही दे सके। स्विस बैंक का खाता भी नही बता पाए। ये सरकार राजीव गांधी के खिलाफ सीधे तौर पर कोई ठोस कानूनी सबूत पेश नहीं कर सकी। आलोचकों का कहना है कि चुनावी रैलियों में जिस पर्ची का दावा किया गया था, उसका सच कभी पूरी तरह सामने नहीं आ सका। स्विस रेडियो की एक घोषणा और वीवी सिंह द्वारा बार-बार रिश्वत खाने के लगाए आरोप ने इस महत्वपूर्ण शस्त्र सौदे को नुकसान पंहुचाया। इस पर प्रतिबंध लगाया। यही बोफोर्स तोप कारगिल युद्ध में सबसे मारक शस्त्र बनी। अगर ये सौदा रद्द न होता तो देश की सेना और ज्यादा मजबूत होतीं। एक बात और इस तरह के आरोप लगाने के बाद अधिकारी और ज्यादा सचेत हो जाते हैं। वे देश और सेना के लिए महत्वपूर्ण और अतिआवश्यक उपकरण भी लेते बचते हैं।

इन कांड की सीबीआई ने जांच की। सीबीआई ने जनवरी 1990 में एफआईआर दर्ज की। अक्तूबर 2000 में दायर की गई सप्लीमेंट्री चार्जशीट में हिंदुजा बंधुओं (श्रीचंद, गोपीचंद और प्रकाश हिंदुजा) का नाम भी शामिल किया गया था। दिल्ली हाईकोर्ट ने 31 मई 2005 को अपने फैसले में हिंदुजा ब्रदर्स और स्वीडिश फर्म एबी बोफोर्स के खिलाफ चल रही सभी आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया था। साथ ही, हाईकोर्ट ने सीबीआई की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए यह भी टिप्पणी की थी कि इस जांच पर सरकारी खजाने के करीब 250 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने इस मामले के लंबे खिंचने पर हैरानी जताई। जब याचिकाकर्ता के वकील ने कुछ मृत प्रतिवादियों के नाम हटाने के लिए चार हफ्ते का समय मांगा, तो जस्टिस पारदीवाला ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा, 'हिंदुजा ब्रदर्स और सीबीआई को लेकर यह सब क्या चल रहा है? सभी कार्यवाही रद्द हो चुकी हैं, यह क्या है? कितने साल बीत चुके हैं?' वहीं, वकील द्वारा यह याद दिलाने पर कि यह सौदा 1986 में हुआ था, बेंच ने स्पष्ट कर दिया कि अब इस मामले में और देरी या सुनवाई की कोई गुंजाइश नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के इस अंतिम निर्णय के साथ ही बोफोर्स पे-ऑफ केस से जुड़ी सभी कानूनी लड़ाइयां अब आधिकारिक रूप से समाप्त हो गई हैं। इस विवाद के कारण तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की सरकार को भारी राजनीतिक नुकसान हुआ। वर्ष 1989 के आम चुनावों में कांग्रेस पार्टी की हार का इसे एक प्रमुख कारण माना गया। इस मामले में ओत्तावियो क्वात्रोची और हिंदुजा बंधुओं जैसे नाम लंबे समय तक कानूनी और राजनीतिक बहसों का केंद्र रहे। लगभग चार दशकों तक चली कानूनी प्रक्रिया के बाद, न्यायालय ने इस मामले से जुड़ी आखिरी याचिकाओं को खारिज कर दिया। स्विस सरकार द्वारा कराई जांच भी आरोप सिद्ध नही कर सकी।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अब ये केस सदा-सदा के लिए बंद हो गया। एक आरोप की जांच पर सीबीआई ने 250 करोड़ के आसपास व्यय किए। न्यायालय का लंबा समय बरबाद किया। न्यायालय भी केस का सच नही बता पाया। 40 साल चले केस में भी यह ये नहीं हुआ कि बोफार्स खरीद में रिश्वत ली गई या नहीं। इस सबके बाबजूद आरोप तो आज भी वैसा ही खड़ा है, जैसा पहले था। 40 साल में यह आरोप अखबार और फाइलों के लाखों पन्नों पर छप गया। जनता में मन में यह धारणा इतनी पक्की हो गई, कि ये कभी खत्म नहीं होगी। आने वाली पीढ़ियों तक इसे नहीं भूल पाएंगी। क्या आरोपी परिवारों के भंग हुए सम्मान की भरपाई हो पाएगी। यदि आरोप न आता तो हो सकता था कि राजीव गांधी की सरकार और चलती। बोफार्स कांड बंद हो गया किंतु राजीव गांधी और उनके तथा अन्यों के परिवार के माथे पर एक बार-बार बोले जाने वाले झूठ के बल पर लगा रिश्वतखोरी का कलंक कभी खत्म हो पाएगा? कभी नहीं। हिटलर ने कहा था कि एक झूठ का बार-बार बोलिए, वह सच बन जाएगा। ऐसा ही इस बोफोर्स कांड में हुआ। बोफार्स की खरीद में रिश्वतखोरी का आरोप इतनी बार लगा कि यह हिटलर का सच बन गया।

लोकसभा में मात्र 19% और राज्यसभा में 39.17% हो सका कामकाज, संसद के कामकाज का रिपोर्ट कार्ड देखकर खुद तय कीजिये सांसद पास हुए या फेल!

संसद का मॉनसून सत्र पूरी तरह बर्बाद हो गया जिसके चलते कई सवाल उठे हैं। सबसे पहला सवाल यह है कि क्या यही संसदीय लोकतंत्र है, जहां संसद का पूरा सत्र ही हंगामे की भेंट चढ़ जाए? सवाल उठता है कि विपक्ष का काम सरकार को घेरना है या सदन को ही ठप कर देना? 20 जुलाई से शुरू हुआ मानसून सत्र 13 अगस्त को खत्म हो गया, लेकिन सवाल यह है कि इस पूरे सत्र में बहस कितनी हुई और हंगामा कितना? सवाल उठता है कि संसद में नारे लगना ज्यादा जरूरी है या जनता के मुद्दों पर सवाल-जवाब होना जरूरी है? सवाल उठता है कि जब सरकार जवाब देने को तैयार थी, तो विपक्ष ने संसद चलने क्यों नहीं दी? आंकड़ों को देखें तो राज्यसभा की उत्पादकता महज 39.17 प्रतिशत रही और सभापति के अनुसार सदन में कुल 37 घंटे 49 मिनट ही काम हो सका। वहीं लोकसभा की उत्पादकता करीब 19 प्रतिशत रही। क्या यह प्रतिशत किसी परीक्षा के लिहाज से सामान्य पास प्रतिशत भी माना जाएगा? जो ऋल्ल` युवा सड़कों पर उतरकर अपने सवाल और अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे थे, क्या वे यह नहीं देख रहे होंगे कि देश की संसद में कामकाज का स्तर आखिर कैसा है? सवाल उठ रहा है कि सांसदों को जनता ने संसद में बहस, सवाल और जवाब के लिए भेजा था या वेल में नारे लगाने के लिए?

सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या विपक्ष यह भूल गया कि संसद सरकार को जवाबदेह बनाने का सबसे बड़ा मंच है? अगर सरकार छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के जवाब के लिए तैयार थी, तो विपक्ष ने सदन को चलने क्यों नहीं दिया? क्या राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी, छात्रों पर कार्रवाई और प्रधानमंत्री से माफी की मांग को एक साथ जोड़कर सदन को अनिश्चितकाल तक बाधित करना ही लोकतांत्रिक संघर्ष का तरीका है? क्या विपक्ष सरकार को जवाब देने के लिए मजबूर करना चाहता था या सरकार को जवाब देने का मौका ही नहीं देना चाहता था? क्या जनता यह नहीं जानना चाहती थी कि छात्रों पर कार्रवाई क्यों हुई? क्या राम मंदिर से जुड़े आरोपों पर सरकार से जवाब नहीं मांगा जाना चाहिए था? क्या प्रधानमंत्री और गृह मंत्री से सवाल पूछने का अधिकार विपक्ष का नहीं है? लेकिन क्या विपक्ष ने हंगामा करके खुद ही वह मंच नहीं गंवा दिया, जहां उसके सवाल देश के सामने दर्ज हो सकते थे? अगर सरकार जवाब देने

को तैयार थी, तो फिर विपक्ष ने सरकार को वॉकओवर क्यों दिया?

क्या संसद में बैठे हर सांसद के क्षेत्र की अपनी समस्याएं नहीं हैं? क्या बेरोजगारी, सड़क, रेल, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसानों और स्थानीय विकास से जुड़े सवाल पूछने का अधिकार सांसदों को नहीं है? जब प्रश्नकाल ही नहीं हुआ, शून्यकाल भी नहीं हो सका, तो क्या हजारों-लाखों मतदाताओं की आवाज सदन के भीतर दब नहीं गई? अपने क्षेत्र की समस्याओं को उठाने की तैयारी के साथ रोज सदन में आने वाले सांसदों से पूछा जाना चाहिए कि उनके संसदीय अधिकारों के इस्तेमाल का अवसर उनसे आखिर किसने छीना? राज्यसभा में 285 तारांकित प्रश्न पूछे जाने थे, शून्यकाल में 380 विषय और विशेष उल्लेख के जरिए 380 मुद्दे उठाए जाने थे, लेकिन क्या यह लोकतंत्र की विडंबना नहीं कि इनमें से केवल 16 प्रश्न, 52 शून्यकाल के विषय और 93 विशेष उल्लेख ही सदन में लिए जा सके? क्या बाकी सवाल पूछने वाले सांसदों और उन सवालों के जवाब की प्रतीक्षा कर रही जनता को इसका हिसाब नहीं मिलना चाहिए? और सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या सांसदों के लिए भी 'नो वर्क, नो पे' का सिद्धांत नहीं होना चाहिए? अगर कोई कर्मचारी काम नहीं करता तो वेतन और जवाबदेही का सवाल उठता है, ऐसे में जनता के पैसे से चलने वाली संसद में लगातार व्यवधान डालने वालों पर ऐसी व्यवस्था क्यों नहीं होनी चाहिए? क्या सांसदों को यह अधिकार मिलना चाहिए कि वे सदन को चलने न दें और फिर भी अपने कार्यकाल का पूरा लाभ लेते रहें? हंगामे के बीच विधेयक पारित हुए, लेकिन क्या विपक्ष खुद से पूछेगा कि अगर वह संसद चलने देता तो इन विधेयकों पर और विस्तृत चर्चा नहीं हो सकती थी? लोक परीक्षा कानून में संशोधन, न्यायाधिकरण सुधार, केरल के नाम परिवर्तन, सहकारी विकास निगम, बैंककार बही साक्ष्य और खान एवं खनिज से जुड़े विधेयकों पर व्यापक बहस होती तो क्या जनता को इनके प्रभाव और प्रावधानों की अधिक स्पष्ट जानकारी नहीं मिलती? क्या लोकतंत्र में विधेयक पास होना ही पर्याप्त है या यह भी जरूरी नहीं कि विपक्ष अपनी आपत्तियां सदन के रिकॉर्ड पर दर्ज कराए?

सरकार कह रही है कि 12 विधेयक पारित हुए, लेकिन बहस और चर्चा के लिहाज से सत्र सफल नहीं रहा, तो क्या यह सत्ता पक्ष के लिए भी आत्ममंथन का विषय नहीं होना चाहिए? क्या सरकार को यह सुनिश्चित नहीं करना चाहिए कि महत्वपूर्ण विधेयक पर्याप्त चर्चा के बाद ही पारित हों? और क्या विपक्ष को यह नहीं समझना चाहिए कि चर्चा रोककर वह सरकार को ही नहीं, खुद को भी कमजोर करता है? एफसीआरए संशोधन विधेयक को विस्तृत समीक्षा और सुझावों के लिए संयुक्त समिति के पास भेजा गया, तो क्या यह प्रमाण नहीं कि संसदीय प्रक्रिया में असहमति के लिए रास्ते मौजूद हैं? फिर हर मुद्दे का रास्ता हंगामा क्यों? क्या विरोध का अर्थ सदन बंद करना है या बहस को और धारदार बनाना?

और क्या संसद सत्र से पहले राहुल गांधी के विदेश दौरों को लेकर उठने वाले सवालों का जवाब भी सार्वजनिक विमर्श में नहीं आना चाहिए? क्या विपक्ष के सबसे बड़े नेता की संसद के प्रति उपस्थिति और सक्रियता पर सवाल पूछना गलत है? क्या विपक्ष यह बताएगा कि संसद के महत्वपूर्ण सत्रों से पहले उसकी राजनीतिक रणनीति क्या होती है और क्या जनता को इसका स्पष्ट जवाब नहीं मिलना चाहिए? क्या विपक्ष अराजकता की ऐसी स्थिति की ओर बढ़ रहा है, जहां सरकार को काम ही न करने दिया जाए? क्या सत्ता पक्ष भी इस गतिरोध को तोड़ने के लिए पर्याप्त राजनीतिक पहल नहीं कर सकता था? क्या दोनों पक्षों की जिम्मेदारी नहीं थी कि टकराव के बीच भी संसद को चलाया जाता? और अगर दोनों पक्ष विफल रहे, तो इसकी कीमत कौन चुकाएगा? सांसद या वही जनता, जिसके टैक्स के पैसे से संसद चलती है? क्या लोकतंत्र का अर्थ सिर्फ बहुमत से कानून बनाना है? क्या लोकतंत्र का अर्थ सिर्फ विरोध करना है? क्या लोकतंत्र का असली अर्थ सवाल पूछना, जवाब सुनना, तर्क देना, असहमति दर्ज करना और फिर निर्णय तक पहुंचना नहीं है? अगर प्रश्नकाल नहीं होगा, शून्यकाल नहीं होगा, बहस नहीं होगी और विधेयक हंगामे के बीच पारित होंगे, तो फिर संसद और राजनीतिक अखाड़े में फर्क क्या रह जाएगा? अंत में एक बार फिर सवाल उठता है कि क्या यही संसदीय लोकतंत्र है? और अगर नहीं, तो सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों कब अपनी-अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करेंगे? सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों को मिलकर यह सोचना होगा कि संसदीय लोकतंत्र में जनता का विश्वास कैसे कायम रखा जाए। आखिर संसद की हर बैठक पर देश के लाखों-करोड़ों रुपये खर्च होते हैं और जब जनता अपनी आंखों के सामने सदनों को बार-बार हंगामे और व्यवधान के कारण ठप होते देखती है, तो उसके मन में सवाल उठना स्वाभाविक है कि उसके पैसे और उसके जनादेश का कितना सम्मान हो रहा है। अगर यही तस्वीर लगातार बनी रही, तो कहीं आम जनता का भरोसा संसदीय लोकतंत्र की पूरी व्यवस्था से ही न डिग जाए?

शिखा है, जनेऊ पहनते हैं? पीएम ने राम के मर्म को अयोध्या में समझाया, वो क्या इंटरव्यूअर्स को समझ नहीं आया, मंदिर का नया सीईओ ब्राह्मण ही बनेगा?

25 नवंबर 2025 के दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या में थे। राम मंदिर का ध्वजारोहण कार्यक्रम था। यही प्रधानमंत्री ने कहा हम सब जानते हैं कि हमारे राम भेद से नहीं भाव से जुड़ते हैं। उनके लिए व्यक्ति का कुल नहीं उसकी भक्ति महत्वपूर्ण है। उन्हें वंश नहीं मूल्य प्रिय है। आज हम भी उसी भावना उसी आदर्श और उसी समर्थता के मार्ग पर आगे बढ़ रहे हैं। जहां श्रेष्ठता जन्म से नहीं चरित्र से तय होती है। प्रधानमंत्री ने राम का मर्म समझाया। उन्हीं राम के मंदिर के प्रबंधन के लिए बने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सीईओ पद की प्रक्रिया जारी है। जिसके लिए बीते दिनों इंटरव्यूज लिए गए। जिन अभ्यर्थियों ने भर्ती प्रक्रिया के तहत आवेदन किया था, उनमें से निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कुछ उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया गया और बाद में उनका इंटरव्यू लिया गया। मीडिया में सामने आई खबरों के मुताबिक, इंटरव्यू के दौरान कुछ उम्मीदवारों से उनकी धार्मिक आस्था और व्यक्तिगत जीवनशैली से जुड़े सवाल पूछे जाने की बात कही जा रही है—जैसे कि वे जनेऊ पहनते हैं या नहीं, मांसाहारी भोजन करते हैं या नहीं और चोटी रखते हैं या नहीं। यह मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में सीईओ के चयन की प्रक्रिया ऐसे समय में चल रही है, जब मंदिर के चढ़ावे और दान में कथित चोरी व हेराफेरी के आरोपों की जांच एक विशेष जांच दल (रक्ळ) द्वारा की जा रही है।

जांच 90 दिनों में पूरी होनी है और अगले महीने के आखिर तक कोर्ट में चार्जशीट दाखिल करनी है। एसआईटी की शुरूआती रिपोर्ट 23 जून को जमा होने के बाद एफआईआर दर्ज की गई और आठ लोगों को गिरफ्तार भी किया गया। बाद में पुलिस ने बताया कि आरोपियों के पास से कैश, सोना, चांदी और विदेशी करेंसी बरामद हुई है। जिसमें एक आरोपी के पास से 20.3 लाख रुपए भी शामिल है। खैर, अब आइए नए सीईओ के इंटरव्यू और उससे पूछे जाने वाले सवालों पर जो सिर्फ एक बजट प्रशासन या मंदिर के मैनेजमेंट तक सीमित नहीं रहे। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार इंटरव्यू में कैंडिडेट से एक सवाल पूछा गया कि क्या आप कट्टर हिंदू हैं? इस सवाल से एक सवाल उठता है कि आखिर कट्टर हिंदू क्या होता है? इंटरव्यूअर्स को ही स्पष्ट करना चाहिए कि उनके हिसाब से कट्टर हिंदू की परिभाषा क्या होती है? क्या शर्तें हैं जो किसी को सिर्फ हिंदू से आगे बढ़कर कट्टर हिंदू बनाती है। रिपोर्ट के मुताबिक इंटरव्यू में दूसरा सवाल पूछा गया कि आप नॉनवेज खाते हैं या नहीं?

सूत्रों के मुताबिक, इंटरव्यू में भगवान राम के प्रति आस्था, समर्पण, रामानंदी परंपरा, मंदिर प्रबंधन और लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच क्राउड मैनेजमेंट से जुड़े सवाल पूछे गए। उम्मीदवारों से यह भी पूछा गया कि वे शिखा रखते हैं या नहीं और जनेऊ पहनते हैं या नहीं। शराब के सेवन और नॉनवेज खाने को लेकर भी सवाल किए गए। दूसरे दिन 3 रिटायर्ड प्रशासनिक अधिकारियों के अलावा पुलिस और सेना के रिटायर्ड अधिकारी भी इंटरव्यू के लिए पहुंचे। इनमें एक रिटायर्ड ब्रिगेडियर भी शामिल थे। सूत्रों के मुताबिक, इंटरव्यू में चढ़ावा राशि की चोरी के मामले को लेकर कोई सवा सवाल नहीं पूछा गया। शिखर रखने और जनेऊ पहनने की परंपरा आमतौर पर ब्राह्मण जाति में ही है। सवाल है कि क्या अगर कोई कैंडिडेट जन्म से मिली जाति में ब्राह्मण नहीं हुआ तो उसे सीईओ नहीं बनाया जा सकता है? क्या फिर उसकी प्रशासनिक क्षमता को भी इग्नोर करके इस ओर ही ध्यान दिया जाएगा कि वह कट्टर हिंदू है या नहीं। नॉनवेज खाता है या नहीं खाता? शाक्य परंपरा के ब्राह्मणों का क्या होगा जो जनेऊ भी पहनते हैं, मांस भी खाते हैं।

बता दें कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट क्षेत्र के लिए स्थाई सीईओ का सिलेक्शन प्रोसेस 11 अगस्त 2026 को शुरू हुआ। जिसमें पहले दिन 10 उम्मीदवार इंटरव्यू के लिए आए। इन सभी को 10 अगस्त की देर रात अयोध्या बुलाया गया था। इस इंटरव्यू से पहले सभी उम्मीदवारों से एक [illegible] फॉर्म भरवाया गया था। जिसमें उनके प्रशासनिक अनुभव के साथ-साथ धार्मिक मान्यताओं और निजी जीवन के बारे में जानकारी मांगी गई थी। इंटरव्यू के दौरान पैनल के सदस्यों ने उनके सीवी को दी गई जानकारी को भी देखा और उनसे उनकी नापसंद लोगों के साथ घुलने मिलने की क्षमता और व्यवहार के बारे में सवाल पूछे। यह सब हो रहा है राम मंदिर के कथित चंदा चोरी का मामला सामने आने के बाद।

पूर्व आईपीएस अधिकारी राजेश पांडेय का दूसरी बार साक्षात्कार लिया गया। साथ ही बिहार के पूर्व पुलिस महानिदेशक परेश सक्सेना भी साक्षात्कार दे रहे है। सूत्रों ने कहा कि चयन समिति की ओर से 3 नामों को छांटे जाने की संभावना है जिसमें से अंतिम नियुक्ति ट्रस्ट की ओर से की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

प्रोजेक्ट शिवबालक बालिका इंटर विद्यालय की ओर से निकाला गया तिरंगा यात्रा

संवाददाता

आमस गया: आमस में स्थित प्रोजेक्ट शिवबालक बालिका इंटर विद्यालय की ओर से गुरुवार को छात्राओं ने शानदार तिरंगा यात्रा निकाली' इस तिरंगा यात्रा में आमस बीडीओ नीरज कुमार रॉय, थानाध्यक्ष धनंजय कुमार, एसआई अखिलेश कुमार, मुखिया मनोज यादव भी शामिल हुए ' स्कूल के प्रधानाध्यापक मो बब्लू अंसारी ने बताया कि हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा यात्रा में शामिल सैकड़ों छात्राएं अपने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति नारे और गीत गा रहे थे' जीटी रोड से गुजर रही तिरंगा यात्रा को देख कर लोगों ने स्वागत किया ' इस तिरंगा यात्रा में जद यू नेता रामबृक्ष प्रसाद, पूर्व मुखिया दारोगा रॉय, कुलेन्द्र कुमार, उप मुखिया बाबर अली खान, शिक्षक संतोष कुमार सिंह, दिनेश पांडे, मनोज कुमार गुप्ता, सुमनलता, विकास कुमार, ज्योति कुमारी, कमल प्रकाश पासवान, सचिन साव, अंशु कुमारी, वेद प्रकाश, शैली तिवारी सूरज, प्रभा कुमारी, पूनम कुमारी और ज्ञानती कुमारी गौंड आदि शामिल रहीं '

फसल चराने को लेकर मारपीट, दो घायल

संवाददाता

चांदन (बांका): थाना क्षेत्र अंतर्गत बिसनपुर गांव में फसल चराने को लेकर उत्पन्न विवाद के मारपीट की घटना में दो आदमी गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार बिसनपुर गांव के कामदेव यादव व फनी यादव के बीच फसल चराने को लेकर बात-बात में मारपीट हो गई।

जिसमें संजय यादव व फनी यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सुचना पर पहुंचे स्वजनों ने दोनों घायलों को आनन-फानन में इलाज हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चांदन पहुंचाया। जहां चिकित्सकों द्वारा इलाज इलाज कर घर भेज दिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष श्रीकांत भारती ने बताया घटना को लेकर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

मैगरा में स्कूली बच्चों ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा, मुखिया व प्रमुख प्रतिनिधि समेत कई जनप्रतिनिधि ने लिया हिस्सा

संवाददाता

डुमरिया गया: प्रखंड क्षेत्र के सेवरा पंचायत कार्यालय द्वारा भव्य हर घर तिरंगा यात्रा गुरुवार को निकाली गई। पंचायत कार्यालय सेवरा द्वारा निकली गई तिरंगा यात्रा में आवासीय कस्तूरबा बालिका विद्यालय के बच्चों ने भाग्य लिया। इस राष्ट्रभक्ति यात्रा में सेवरा पंचायत के मुखिया, प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि, सहित कई स्थानीय जनप्रतिनिधियों तथा भारी संख्या में स्कूली बच्चों ने सहभागिता निभाई तिरंगा यात्रा का संचालन सेवरा पंचायत मुखिया सियावर कुमार रजक ने किया। जिसमें प्रमुख प्रतिनिधि जितेंद सिंह, राजद नेता उपेंद्र यादव, रूपेश कुमार, यूनिक साइंस कोचिक के संचालक बीरेंद्र कुमार, सहित कई स्थानीय लोग विशेष रूप से शामिल हुए. मुखिया सियावर कुमार रजक ने बताया कि 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत आयोजित इस यात्रा में सैकड़ों बच्चों ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज थामकर गांव व मुख्य मार्गों का भ्रमण किया. यात्रा के दौरान बच्चों के देशभक्ति गीतों और गगनभेदी नारों से पूरा इलाका राष्ट्रप्रेम के माहौल में सराबोर हो गया.इस मौके पर आवासीय कस्तूरबा बालिका विद्यालय के वार्डेन व शिक्षिकाएं मौजूद थी।

अतरी में लिट्रा पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने निकाली तिरंगा यात्रा

संवाददाता

मोहड़ा गया: मोहड़ा अतरी थाना परिसर के पास से गुरुवार को लिट्रा पब्लिक स्कूल टेटुआ के छात्र-छात्राओं ने तिरंगा यात्रा निकला। तिरंगा यात्रा अतरी थाना परिसर के पास से शुरू होकर टेटुआ बाजार होते हुए मौलानगर बाजार तक गई। इस दौरान पूरा क्षेत्र देशभक्ति के नारों से गूंज उठा। लिट्रा पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर नेहा कुमारी ने बताया कि तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में तिरंगा लेकर विद्यार्थियों ने वीर सपूतों के सम्मान में देशभक्ति के नारे लगाए। यात्रा के दौरान लोगों में भी देशभक्ति का जज्बा देखने को मिला। विद्यालय सेवक अमरेश कुमार ने छात्र-छात्राओं की सुविधा के लिए यात्रा मार्ग में प्रत्येक प्रमुख चौराहे पर विद्यालय के शिक्षक पानी और बिस्कुट लेकर मौजूद रहे।

मैनाटांड-सिकटा में भाकपा की पदयात्रा: 'बदलाव जरूरी है' के संदेश के साथ किसानों-मजदूरों के हक की बुलंद हुई आवाज

संवाददाता

बेतिया: राष्ट्रव्यापी आह्वान पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की पदयात्रा के आठवें दिन पश्चिम चम्पारण जिले के मैनाटांड और सिकटा प्रखंड में पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने पदयात्रा निकालकर आम जनता के बीच बदलाव जरूरी है का संदेश दिया। मैनाटांड प्रखंड के झझरी, पीडारी, इनरवा एवं मैनाटांड में पदयात्रा निकाली गई, जबकि सिकटा प्रखंड के बलथर और बैशखवा में कार्यकर्ताओं ने पदयात्रा कर जनता को अपने अधिकारों के लिए आवाज बुलंद करने का आह्वान किया। पदयात्रा के दौरान किसानों की कर्जमाफी, फसलों का लाभकारी मूल्य, चार लेबर कोड वापस लेने, पेपर लीक पर रोक लगाने, गरीबों को उजाड़ने की कार्रवाई पर रोक, खाद की कालाबाजारी बंद करने तथा भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, अपराध और महंगाई पर प्रभावी रोक लगाने की मांग जोरदार तरीके से उठाई गई।

कार्यक्रम का नेतृत्व जिला नेता राधामोहन यादव, राज्य परिषद सदस्य केदार चौधरी, खेत मजदूरों के जिला सचिव सुबोध मुखिया, किसान नेता चन्द्रिका प्रसाद, लछुमन राम, श्रीकिसुन पासवान, गोदावरी देवी और जोड़ पासवान ने किया। राज्य परिषद सदस्य केदार चौधरी ने कहा कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी हमेशा किसानों और मजदूरों के सवालों को लेकर संघर्ष करती रही है। उन्होंने कहा कि देश गंभीर आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक संकट से गुजर रहा है। ऐसे समय में भाकपा पदयात्रा के माध्यम से जनता को जागरूक कर रही है और देश को बबार्दी की ओर जाने से बचाने के लिए लोगों को एकजुट होने का संदेश दे रही है। खेत मजदूर नेता सुबोध मुखिया ने कहा कि चार लेबर कोड लागू कर मजदूरों के जनतांत्रिक अधिकारों को कमजोर किया जा रहा है। स्थायी रोजगार देने के बजाय मजदूरों को ठेका और आउटसोर्सिंग व्यवस्था में धकेला जा रहा है, जिससे शोषण की नई व्यवस्था कायम हो रही है।

उन्होंने कहा कि भाकपा चारों लेबर कोड को वापस लेने की मांग को लेकर आंदोलन जारी रखेगी। किसान नेता चन्द्रिका प्रसाद ने कहा कि वर्षों से बसे गरीबों को उजाड़कर उन्हें बेघर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाकपा कथित बुलडोजर राज के खिलाफ सड़कों पर उतरकर संघर्ष कर रही है और पदयात्रा के माध्यम से गरीबों को अपने अधिकारों की रक्षा के लिए संगठित और जागरूक कर रही है। भाकपा नेताओं ने कहा कि पदयात्रा का उद्देश्य केवल मांगों को उठाना नहीं, बल्कि किसानों, मजदूरों, गरीबों, युवाओं और आम जनता को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक कर संघर्ष के लिए एकजुट करना है। पदयात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं ने बदलाव जरूरी है के संदेश के साथ जनसमर्थन जुटाया।

स्वतंत्रता संग्राम में उर्दू की भूमिका पर मगध विश्वविद्यालय के पी.जी. उर्दू विभाग में विशेष कार्यक्रम आयोजित

▸ उर्दू ने राष्ट्रीय चेतना, एकता और स्वतंत्रता की भावना को जन-जन तक पहुँचाने में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका : सैयद मासूम अजीज काजमी ▸ स्वतंत्रता संग्राम भारत की साझा संस्कृति और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक : प्रो. कृष्णदेव वर्मा ▸ उर्दू भाषा और पत्रकारिता के योगदान के उल्लेख के बिना स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास अधूरा : डॉ. अभय कुमार

संवाददाता

बोधगया: मगध विश्वविद्यालय के पी.जी. उर्दू विभाग के तत्वावधान में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 'स्वतंत्रता संग्राम में उर्दू की भूमिका' विषय पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान उर्दू भाषा, साहित्य और पत्रकारिता द्वारा राष्ट्रीय चेतना जागृत करने, जनता को स्वतंत्रता आंदोलन से जोड़ने तथा राष्ट्रीय एकता एवं आपसी भाईचारे को मजबूत करने में निभाई गई भूमिका को रेखांकित किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिहार सरकार के पूर्व पुलिस महानिरीक्षक, प्रसिद्ध उर्दू साहित्यकार एवं चिंतक सैयद मासूम अजीज काजमी ने कहा कि उर्दू केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारत की साझा सांस्कृतिक विरासत की महत्वपूर्ण पहचान है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उर्दू ने जनता में राजनीतिक चेतना जागृत करने और आजादी की भावना को जन-जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि उर्दू के समाचार-पत्रों, पत्रिकाओं, शायरों और साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं एवं लेखों के माध्यम से अंग्रेजी साम्राज्यवाद के विरुद्ध प्रतिरोध की भावना पैदा की तथा आम जनता को स्वतंत्रता आंदोलन से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य किया। उर्दू साहित्य ने लोगों के दिलों में देशभक्ति और स्वतंत्रता की भावना को प्रबल बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मगध विश्वविद्यालय के प्रॉक्टर प्रो. कृष्णदेव वर्मा ने कहा कि भारत का स्वतंत्रता संग्राम एक साझा राष्ट्रीय संघर्ष था, जिसमें विभिन्न भाषाओं, धर्मों और वर्गों के लोगों ने एकजुट होकर भाग लिया। उर्दू ने इस संघर्ष में संपर्क भाषा के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और स्वतंत्रता का संदेश व्यापक स्तर पर जनता तक पहुँचाने का प्रभावी माध्यम बनी। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के इस साझा इतिहास और उसमें उर्दू के योगदान से अवगत कराना आज की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। मुख्य वक्ता के रूप में एस.एन. सिन्हा कॉलेज, टिकारी के राजनीति विज्ञान विभाग के शिक्षक, प्रसिद्ध उर्दू साहित्यकार एवं स्तंभकार डॉ. अभय कुमार ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के संदेश को जनता तक पहुँचाने में उर्दू पत्रकारिता ने असाधारण भूमिका निभाई। अनेक उर्दू समाचार-पत्रों और पत्रकारिता संस्थानों ने अंग्रेजी सरकार की पाबंदियों, दबाव और कठोर कार्रवाइयों के बावजूद स्वतंत्रता, स्वाधीनता और राष्ट्रीय एकता का संदेश जन-जन तक पहुँचाया। उर्दू के शायरों और साहित्यकारों ने भी अपनी रचनाओं के माध्यम से गुलामी के विरुद्ध भावनाओं को मजबूत किया तथा राष्ट्रीय चेतना जागृत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कहा कि उर्दू भाषा और पत्रकारिता के योगदान के उल्लेख के बिना स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास अधूरा है। इस अवसर पर दर्शनशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. जावेद अंजुम, संस्कृत विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. मुनेश्वर प्रसाद, मिथिला विश्वविद्यालय के पूर्व शिक्षक प्रो. असदुल्लाह सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में उर्दू भाषा, साहित्य और पत्रकारिता की सेवाओं का विशेष स्थान है। उर्दू के शायरों, साहित्यकारों, पत्रकारों और बुद्धिजीवियों ने अपनी लेखनी के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना पैदा करने और स्वतंत्रता की भावना को मजबूत करने का महत्वपूर्ण कार्य किया। वक्ताओं ने उर्दू की उस ऐतिहासिक भूमिका पर भी प्रकाश डाला, जिसके माध्यम से भारत की गंगा-जमुनी तहजीब, राष्ट्रीय एकता और आपसी भाईचारे को मजबूती मिली। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उर्दू पत्रकारिता ने ब्रिटिश साम्राज्यवाद की नीतियों की आलोचना करने के साथ-साथ जनता को अपने अधिकारों और स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करने के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के आरंभ में पी.जी. उर्दू विभाग के अध्यक्ष डॉ. अब्दुल हई ने अतिथियों को शॉल एवं पौधे भेंट कर सम्मानित किया। स्वागत भाषण में उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्य और विषय की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत का इतिहास इस बात का गवाह है कि उर्दू भाषा ने कविता और गद्य दोनों माध्यमों से स्वतंत्रता की मशाल जलाने में अग्रणी भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में नई पीढ़ी को स्वतंत्रता आंदोलन में उर्दू के योगदान से परिचित कराना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान उर्दू विभाग की छात्राओं नेहा नाज, नूर अफशाँ और लईका फातिमा ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति से ओत-प्रोत कविताएँ प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम का संचालन उर्दू विभाग की शिक्षिका डॉ. समी इकबाल ने किया, जबकि डॉ. तरन्नुम जहाँ ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर हिंदी विभाग की डॉ. अम्बे कुमारी, डॉ. परम प्रकाश, डॉ. राकेश कुमार रंजन एवं डॉ. अनुज कुमार तरुण, अंग्रेजी विभाग की डॉ. इफ़्त शाहीन, फारसी विभाग के डॉ. मुमताज अहमद, संस्कृत विभाग के प्रो. मुनेश्वर प्रसाद एवं डॉ. एकता वर्मा, दर्शनशास्त्र विभाग के प्रो. जावेद अंजुम एवं डॉ. प्रियंका तिवारी, मिर्जा गालिब कॉलेज के उर्दू शिक्षक डॉ. एहसानुल्लाह दानिश तथा लीगल सेक्शन के श्री ओबैद जहीर सहित उर्दू विभाग के सभी शिक्षक, शोधार्थी एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान 'जन गण मन' की प्रस्तुति के साथ हुआ।

सड़क किनारे पैदल जा रहे किसान को कार ने मारी टक्कर, सीसीटीवी फुटेज वायरल, मौत के बाद ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

संवाददाता

शेरघाटी गया: शेरघाटी-चेरकी मार्ग पर राजा बीघा गांव के समीप गुरुवार को हुए सड़क हादसे में एक किसान की मौत हो गई। हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। फुटेज में तेज रफ्तार कार की चपेट में आने के बाद किसान के दूर जाकर गिरने का दृश्य दिखाई दे रहा है। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

मृतक की पहचान चिताप कला पंचायत के टोला निमहारा निवासी पवन उर्फ रामप्रवेश यादव के रूप में हुई है। बताया जाता है कि रामप्रवेश यादव खेत में पटवन के लिए पैदल जा रहे थे। वह सड़क के किनारे चल रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रही अनियंत्रित कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि वह करीब 15 से 20 फीट दूर जाकर सड़क पर गिर पड़े। गंभीर रूप से घायल किसान को स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए मगध मेडिकल अस्पताल, गया ले जाया गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी बबीता देवी सहित अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे से आक्रोशित ग्रामीणों ने चेरकी-गया मार्ग को जाम कर हंगामा किया। ग्रामीणों ने मृतक के आश्रितों को उचित मुआवजा देने और प्रशासन से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। ग्रामीणों के अनुसार मृतक गरीब किसान परिवार से थे और उनके दो पुत्र व दो पुत्रियां हैं। सूचना मिलने पर बीडीओ विनोद कुमार, सीओ उषा कुमारी, सर्किल इंस्पेक्टर नेयाज अहमद और थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाकर सड़क जाम हटवाया तथा नियमानुसार हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया।

उधर, हादसे का सीसीटीवी फुटेज वायरल होने के बाद दुर्घटना को लेकर लोगों के बीच तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं।

डेहरी में निर्माणाधीन पाली पुल पर रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण कार्य में तेजी लाने की मांग को लेकर रेल मंत्री से मिले काराकाट सांसद राजाराम सिंह

संवाददाता

डेहरी ऑन सोन। काराकाट सांसद कॉमरेड राजाराम सिंह ने माननीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव जी से मुलाकात कर डेहरी क्षेत्र की रेल एवं यातायात व्यवस्था से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को मजबूती से उठाया। इस दौरान उन्होंने जनहित से जुड़े विभिन्न मांगों को लेकर रेल मंत्री को पत्र सौंपा। सांसद ने डेहरी में निमार्णाधीन पाली पुल पर रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण कार्य में तेजी लाने की मांग की। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण परियोजना के पूरा होने से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी तथा रेलवे क्रॉसिंग के कारण होने वाली जाम एवं यातायात संबंधी परेशानियों से राहत मिलेगी। इसलिए निर्माण कार्य को गति देकर इसे जल्द से जल्द पूरा कराया जाना आवश्यक है। सांसद कॉमरेड राजाराम सिंह ने डेहरी ऑन सोन रेलवे स्टेशन पर वंदे भारत एक्सप्रेस एवं गरबा एक्सप्रेस के ठहराव की मांग भी रेल मंत्री के समक्ष रखी। डेहरी ऑन सोन रेलवे स्टेशन क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्री आवागमन करते हैं। इन ट्रेनों के ठहराव से डेहरी सहित आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को बेहतर रेल कनेक्टिविटी मिलेगी। सांसद ने रेल मंत्री से आग्रह किया कि पाली पुल रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण कार्य में आवश्यक प्रशासनिक एवं तकनीकी स्तर पर तेजी लाने के साथ-साथ डेहरी ऑन सोन रेलवे स्टेशन पर इन महत्वपूर्ण ट्रेनों के ठहराव की मांग पर सकारात्मक पहल की जाए। उन्होंने ने कहा कि काराकाट लोकसभा क्षेत्र की जनता की समस्याओं और आवश्यकताओं को संसद से लेकर संबंधित मंत्रालयों तक लगातार उठाना उनकी प्राथमिकता है।

क्षेत्र में बेहतर सड़क, रेल एवं यातायात सुविधाओं के विस्तार के लिए वे लगातार प्रयासरत हैं। जनता की सुविधा, बेहतर कनेक्टिविटी और क्षेत्र का विकास—काराकाट की आवाज लगातार बुलंद।

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर सत्र न्यायाधीश ने दिए आवश्यक निर्देश

संवाददाता

औरंगाबाद : आगामी 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों एवं अधिक से अधिक सुलहनीय मामलों के निष्पादन को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, औरंगाबाद में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार राजीव रंजन कुमार के प्रकोष्ठ में आयोजित हुई। बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव तान्या पटेल, जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी रुचि सिंह, श्रम अधीक्षक अंजू सिंह तथा निरीक्षक, माप-तौल प्रिय रंजन सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी, श्रम अधीक्षक तथा निरीक्षक, माप-तौल विभाग, औरंगाबाद से संबंधित मामलों की समीक्षा की गई। संबंधित विभागों से लंबित एवं सुलह योग्य मामलों की स्थिति की जानकारी ली गई तथा आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों के निष्पादन को लेकर आवश्यक रणनीति पर चर्चा की गई।

बैठक के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री राजीव रंजन कुमार ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि अपने-अपने विभाग में लंबित सुलहनीय एवं समझौता योग्य मामलों को प्राथमिकता के आधार पर चिन्हित किया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों की सूची तैयार कर आवश्यक अभिलेखों के साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकार को उपलब्ध कराया जाए, ताकि उन्हें आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में रखा जा सके और पक्षकारों की आपसी सहमति से मामलों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित हो।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि संबंधित पक्षकारों से समन्वय स्थापित कर उन्हें आपसी समझौते के माध्यम से विवाद का समाधान करने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों के निष्पादन के लिए विभागों एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार के बीच प्रभावी समन्वय पर विशेष जोर दिया।

वहीं बैठक में वन विभाग, श्रम विभाग एवं माप-तौल विभाग से संबंधित मामलों की समीक्षा करते हुए यह सुनिश्चित करने पर बल दिया गया कि पात्र मामलों को समय रहते चिन्हित कर राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए तैयार किया जाए। जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव तान्या पटेल, ने संबंधित अधिकारियों से आवश्यक सहयोग एवं समन्वय की अपेक्षा करते हुए कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत के उद्देश्य को सफल बनाने के लिए सभी विभागों को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि सुलहनीय मामलों में पक्षकारों को समझौते के लाभों की जानकारी देकर उन्हें विवाद के शांतिपूर्ण समाधान के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्देश्य आपसी सहमति एवं समझौते के माध्यम से मामलों का त्वरित, सरल एवं सौहार्दपूर्ण समाधान उपलब्ध कराना है। इसके माध्यम से पक्षकारों को लंबी न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिलती है तथा समय एवं संसाधनों की भी बचत होती है। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, औरंगाबाद द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई है कि यदि उनका कोई सुलहनीय अथवा समझौता योग्य मामला लंबित है, तो वे जिला विधिक सेवा प्राधिकार से संपर्क कर आगामी 12 सितंबर 2026 की राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने मामले के समाधान का लाभ उठा सकते हैं।

केंद्रीय मंत्री किरण रिजूजू से मिले सांसद, दरभंगा जिले की विकास योजनाओं पर की चर्चा

दरभंगा जिले में हर प्रखंड में डा एपीजे अब्दुल कलाम आवासीय विद्यालय खोलने की हो रही पहल : डा गोपाल जी ठाकुर

संवाददाता

दरभंगा। आजादी के बाद देश के प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी पहले ऐसे राजनेता हैं जिनके नेतृत्व में समाज के सभी वर्गों का सर्वांगीण विकास किया जा रहा है। दरभंगा सहित मिथिला क्षेत्र के हर प्रखंड में डा अब्दुल कलाम आवासीय विद्यालय खोलने, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक वित्त निगम के माध्यम से जिले में चल रही अल्पसंख्यक हितैषी योजनाओं में तेजी लाने के लिए केंद्रीय मंत्री को पत्र सौंपकर आग्रह किया गया। स्थानीय सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डा गोपाल जी ठाकुर ने गुरुवार को केंद्रीय संसदीय सह अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री किरण रीजीजू से उनके मंत्रालय कक्ष में भेंट करने के बाद उपरोक्त बातें कही। इस अवसर पर सांसद डा ठाकुर ने केंद्रीय मंत्री का मिथिला की संस्कृति और परंपरा के अनुसार पाग एवं अंगवस्त्र से सम्मानित करते हुए मानसून सत्र में संसदीय परम्पराओं के बेहतर समन्वय के लिए आभार भी प्रकट किया। सांसद डा ठाकुर ने केंद्रीय मंत्री से चर्चा करते हुए दरभंगा जिले में अल्पसंख्यक कल्याण के लिए प्रधानमंत्री जनविकास कार्यक्रम के लिए आवंटित 76 करोड़ रुपए के साथ साथ दो सौ पचास बेड के अल्पसंख्यक छात्रावास के बेहतर रखरखाव, जिले में प्रस्तावित दो सौ बेड के आवासीय छात्रावास के मुद्दे पर ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी जी के सरकार में समाज के सभी वर्गों के साथ अल्पसंख्यक समाज का भी सर्वांगीण विकास किया जा रहा है। सांसद डा ठाकुर ने केंद्रीय मंत्री से जिले के अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में स्कूलों, होस्टल, स्वास्थ्य केद्र, कम्युनिटी केंद्रो, अन्य विकासपरक कार्यों के लिए आग्रह करते हुए कहा अल्पसंख्यक रोजगार ऋण मोचन योजना को पारदर्शिता के साथ इस समाज के कमजोर वर्गों तक पहुंचाने की आवश्यकता है। श्री ठाकुर ने केंद्रीय मंत्री द्वारा मॉनसून सत्र में सदन के बेहतर संचालन, समन्वय के लिए उन्हें बधाई देते हुए आभार प्रकट किया। सांसद डा ठाकुर ने केंद्रीय मंत्री श्री रिजीजू से मदरसों के साथ साथ अल्पसंख्यक विद्यालयों में विज्ञान, तकनीकी शिक्षा के लिए पहल करने का आग्रह करते हुए कहा ऐसे विद्यालयों के बच्चों को नई शिक्षा नीति 2020 के आलोक में देश की संस्कृति और तकनीकी ज्ञान देने की आवश्यकता है ताकि देश की मुख्यधारा में उनका सदुपयोग हो सके।

भाजपा सांसदों के साथ संसद भवन परिसर में प्रदर्शन में शामिल हुए सांसद, राहुल गांधी की चुप्पी पर मांगा जवाब

रोजगार, अधिकार, न्याय के मुद्दे पर झारखंड के छात्रों के आंदोलन को मिला भाजपा का समर्थन : डा गोपाल जी ठाकुर

संवाददाता

दरभंगा। नई दिल्ली में संसद भवन के मकर द्वार पर संसद के मानसून सत्र के अंतिम दिन गुरुवार को भाजपा के सभी सांसदों के साथ सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डा गोपाल जी ठाकुर रांची में छात्रों के साथ हुए अन्याय के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन में भाग लिया। कांग्रेस सहित विपक्षी दलों की छात्र विरोधी रबैये की जमकर आलोचना की। सांसद ने कहा भाजपा छात्रों के अधिकार रोजगार और न्याय की लड़ाई में मजबूती से उनके साथ खड़ी है। सांसद डा ठाकुर ने राहुल गांधी सहित कांग्रेस एवं विपक्षी दलों के झारखंड में छात्र आंदोलन के मुद्दे पर दोहरी नीति की जमकर आलोचना करते हुए कहा झारखंड के छात्रों पर निर्दयता से लाठियां बरसाई गई। फिर भी हेमंत सोरेन के सरकार में कांग्रेस का शामिल रहना तथा समर्थन करना इस बात को साबित करता है सत्ता के मोह में राहुल गांधी की संवेदनाएं समाप्त हो चुकी है। सांसद डा ठाकुर ने कहा जिन युवाओं के भविष्य की चिंता होनी चाहिए, उनकी आवाज लाठी से दबाना कहीं से भी उचित नहीं है। सांसद डा ठाकुर ने राहुल गांधी को नसीहत देते हुए कहा राहुल गांधी गृहमंत्री अमित शाह से जवाब मांगते हैं। लेकिन जब सदन में जवाब सुनने का अवसर आता है, तो स्वयं सदन में उपस्थित नहीं रहते उन्हें समझना चाहिए राजनीति आरोपों से नहीं, सदन में संवाद और जवाबदेही से चलती है।

आठ दिनों से बिजली की आंख-मिचौली से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त

संवाददाता

कतरीसराय: कतरीसराय प्रखंड क्षेत्र कुछ गांव तथा बाजार में पिछले आठ दिनों से बिजली की आंख-मिचौली से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त है। कतरीसराय बाजार समेत प्रखंड के तीन गांवों में अनियमित बिजली आपूर्ति से जहां बिजली पर निर्भर दुकानदारों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है, वहीं भीषण गर्मी में ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है। बिजली की समस्या का असर किसानों पर भी पड़ रहा है। सावन माह में पर्याप्त बारिश नहीं होने के कारण धान की रोपाई प्रभावित हो रही है और बिजली नहीं रहने से सिंचाई के लिए किसानों को महंगे डीजल का सहारा लेना पड़ रहा है। बाजार के सुधा दूध विक्रेता पंकज कुमार ने बताया कि बिजली की आंख-मिचौली के कारण दुकान में रखा करीब सौ पैकेट दूध खराब हो गया। इससे उन्हें काफी आर्थिक नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि उनकी तरह अन्य दुकानदार भी बिजली की अनियमित आपूर्ति से प्रभावित हैं। वहीं मिठाई दुकानदार विकास कुमार ने बताया कि फ्रिज में रखी जाने वाली मिठाइयां बिजली नहीं रहने के कारण खराब हो गईं। नुकसान को देखते हुए फिलहाल उन्होंने फ्रिज वाली मिठाइयां बनाना बंद कर दिया है। उनका कहना है कि लगातार हो रहे आर्थिक नुकसान का असर परिवार की रोजमर्रा की जरूरतों पर भी पड़ रहा है।

रियल ईस्टेट से सम्बंधित महत्वपूर्ण विंदुओं की समीक्षा

संवाददाता

बेगुसराय: समाहरणालय स्थित कारगिल विजय सभा भवन में रेरा के सचिव श्री अनिमेश पांडेय एवं आयुक्त श्री संजय कुमार की उपस्थिति में जिले में रियल इस्टेट से संबंधित एवं क्रियान्वित परियोजनाओं की प्रगति तथा अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं की समीक्षा की गई। बैठक में जिला पदाधिकारी, बेगूसराय श्री श्रीकांत शास्त्री, उप विकास आयुक्त श्री आकाश चौधरी, नगर आयुक्त श्री सोमेश बहादुर माथुर, अनुमंडल पदाधिकारी श्री अश्विनी कुमार, बेगूसराय सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान जिले में रेरा के तहत संचालित एवं प्रस्तावित नए रियल एस्टेट प्रोजेक्टों की स्थिति एवं प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। साथ ही, दिनांक 06 अगस्त 2025 को जिले में किए गए क्षेत्र सर्वेक्षण के दौरान गठित तीन टीमों द्वारा किए गए स्थलीय निरीक्षण एवं उनके प्रतिवेदनों में सामने आए बिंदुओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। उक्त तीनों टीमों का नेतृत्व विभिन्न भूमि सुधार उप समाहर्ता द्वारा किया गया था। जिला पदाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को रेरा के प्रावधानों एवं निर्धारित नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

संक्षिप्त खबरें

दो पक्षों में झगड़ा में गोली चली

संवाददाता

बेगुसराय: नयागांव थाना अन्तर्गत ग्राम-गोरगामा के नितिश कुमार और कन्हैया कुमार के बीच झगड़ा और वाद विवाद तथा गोली चलने की घटना में दोनों पक्षों की ओर से कांड दर्ज कराया गया। नयागाँव पुलिस टीम के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुये 01. नयागॉव थाना कांड सं-75/26, दिनांक-12.08.26, धारा-126(2)/191(2)/ 115(2)/303(2)/109/352/351(2) BNS एवं 27 आर्म्स एक्ट के प्राथमिकी अभियुक्त पांडव कुमार, पे०-अरविन्द सिंह, सा०-गोरगामा, थाना-नयागांव, जिला-बेगूसराय एवं 02. नयागांव थाना कांड सं-76/26, दिनांक-12.08.26, धारा-126(2)/191(2)/115(2)/303(2)/109/ 352/351(2) BNS एवं 27 आर्म्स एक्ट के प्राथमिकी अभियुक्त नितेश कुमार, पे०-अशोक सिंह, सा०-गोरगामा, थाना-नयागांव, जिला-बेगूसराय को गिरफ्तार किया गया। तथा घटनास्थल से 02 गोली का खोखा बरामद किया गया। विधिसम्मत आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

वाहन से अवैध विदेशी शराब बरामद

संवाददाता

बेगुसराय: बेगूसराय जिला में अवैध नशीले पदार्थ के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के दौरान गुप्त सूचना के आधार पर लाखो थाना की पुलिस टीम के द्वारा लाखो थाना अंतर्गत NH-31 शाहपुर टोल प्लाजा के पास से एक पिकअप गाड़ी जिसका रजि० नंबर-JH10-CN 8437 से कुल-1069.56 लीटर विदेशी शराब बरामद किया गया है। विधि-सम्मत कार्रवाई की जा रही है।

हर घर तिरंगा के संदेश के साथ मझौलिया में निकली तिरंगा यात्रा, तिरंगे से सजा पूरा बाजार

संवाददाता

मझौलिया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान को लेकर गुरुवार को मझौलिया प्रखंड कार्यालय परिसर से भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ. राजीव रंजन कुमार के नेतृत्व में निकली यात्रा में प्रखंड कर्मियों, जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों और राजकीय कन्या मध्य विद्यालय की छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में तिरंगा लिए भारत माता की जय के नारों से पूरा वातावरण देशभक्ति से ओतप्रोत हो गया।तिरंगा यात्रा का शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ. राजीव रंजन कुमार, अंचलाधिकारी डॉली कुमारी, थानाध्यक्ष अमर कुमार, प्रमुख पति मंटु कुशवाहा, बीईओ हफीजुर्रहमान, कमल मुखिया सहित अन्य ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद अधिकारियों, कर्मियों, जनप्रतिनिधियों और विद्यार्थियों ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर यात्रा शुरू की।

यात्रा प्रखंड कार्यालय परिसर से निकलकर विभिन्न मार्गों से होते हुए थाना परिसर तक पहुंची, जहां इसका समापन हुआ। इस दौरान तिरंगे से सजा काफिला आकर्षण का केंद्र बना रहा। भारत माता की जय और देशभक्ति के नारों से मझौलिया बाजार गूंजता रहा। बड़ी संख्या में लोगों ने यात्रा का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ. राजीव रंजन कुमार ने लोगों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने की अपील की। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा का उद्देश्य लोगों में राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करना और हर घर तिरंगा अभियान के प्रति जागरूकता पैदा करना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। स्वतंत्रता दिवस पर हर घर तिरंगा फहराकर राष्ट्र के प्रति सम्मान प्रकट करें।

सरकारी डिग्री कॉलेज सिंहवाड़ा में नए शिक्षकों के आगमन से रौनक

संवाददाता

दरभंगा। बिहार सरकार की ओर से नए डिग्री कॉलेजों की स्थापना से ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने का सुनहरा अवसर मिल सकेगा। इसी क्रम में दरभंगा जिले के सिंहवाड़ा प्रखंड में भी गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, सिंहवाड़ा सनहपुर की स्थापना की गई है। खुशी की बात है कि उच्च शिक्षा विभाग, बिहार सरकार, पटना ने इस नए डिग्री कॉलेज में स्वीकृत छह विषयों—हिंदी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र में कुल बारह शिक्षकों की पदस्थापना की है। इनमें से आठ शिक्षकों ने अपना योगदान दे दिया है और अब विद्यार्थियों की पढ़ाई सुचारु रूप से शुरू हो गई है। एक अच्छी बात यह भी है कि अधिकांश शिक्षक देश की प्रतिष्ठित केंद्रीय विश्वविद्यालयों के शिक्षित एवं प्रशिक्षित हैं। आज कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर मुश्ताक अहमद ने सभी नवनियुक्त शिक्षकों का स्वागत किया। उन्हें क्षेत्र की सामाजिक एवं शैक्षणिक स्थिति और यहां के शैक्षिक वातावरण से अवगत कराया। प्रो. अहमद ने कहा सबसे पहले आप सभी शिक्षक ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम का गहन अध्ययन करें और उसी के अनुरूप विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करें।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में उच्च शिक्षा को मजबूत बनाने में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी नए शिक्षकों ने भी अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा उन्हें बिहार में कार्य करने का अवसर मिला है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वे सभी मिलकर कॉलेज में एक बेहतर और अनुकूल शैक्षणिक वातावरण तैयार करने का हर संभव प्रयास करेंगे।

वरीय पुलिस अधीक्षक, कार्यालय दरभंगा में जनसुनवाई का आयोजन

संवाददाता

दरभंगा। वरीय पुलिस अधीक्षक, दरभंगा जगुनाथ रेड्डी द्वारा अपने कार्यालय कक्ष में शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना गया एवं संबंधित पदाधिकारियों को त्वरित समाधान करने हेतु निर्देश दिए। जनसुनवाई के क्रम में अंचल पुलिस निरीक्षक कमतौल-2, अंचल पुलिस निरीक्षक बहेड़ा-01, सकतपुर थाना-03, अपराध शाखा -01, उड+ बेंता थाना-01, अलीनगर थाना-01, मब्बी थाना-01, सिंहवाड़ा थाना-01 लहेरियासराय थाना-01 एवं बहादुरपुर थाना-01 कुल-13 फरियादियों की समस्या सुनी गई।

वरीय पुलिस अधीक्षक ने संबंधित पदाधिकारियों को प्रत्येक शिकायत का समाधान वैधानिक प्रक्रिया के तहत सात दिनों के अंदर करने का निर्देश दिया गया। पिछली जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों की प्रगति की समीक्षा कर पदाधिकारी को समयबद्ध कार्रवाई का पालन करने का हिदायत दी गई। जन सुनवाई का मुख्य उद्देश्य आमजनों की समस्याओं का शीघ्र समाधान करना है। यह प्रक्रिया नागरिकों की समस्याओं को सुलझाने के लिए नियमित रूप से जारी रहेगी।

12 सितंबर को आयोजित होगा राष्ट्रीय लोक अदालत

संवाददाता

दरभंगा। आगामी 12 सितंबर को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार दरभंगा अजय कुमार शर्मा ने न्यायिक मजिस्ट्रेटों के साथ बैठक की। उन्होंने लोक अदालत में अधिक से अधिक शमनीय मुकदमों के निष्पादन हेतु जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा न्यायालयों में लंबित सुलह समझौता योग्य मामलों का चयन कर पक्षकारों को नोटिस जारी करें। विद्युत विभाग के मामलों को विशेष रूप से चिन्हित कर सूची तैयार करें ताकि संबंधित विभागीय अधिकारियों की मदद से अधिक से अधिक मुकदमों में पक्षकारों के साथ प्रि काउंसलिंग कर मामले का निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

संवाददाता

बेगुसराय: जिला पदाधिकारी, बेगूसराय श्री श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में आज समाहरणालय स्थित कारगिल विजय सभा भवन में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में सड़क सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, ब्लैक स्पॉट्स के सुधार तथा सड़क दुर्घटना पीड़ितों को उपलब्ध कराई जा रही सहायता योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में जुलाई 2026 में परिवहन विभाग एवं पुलिस प्रशासन द्वारा की गई शमन कार्रवाई एवं वसूली की समीक्षा की गई। जुलाई माह में कुल 1, 64, 72, 783/- की शमन राशि वसूल की गई, जिसमें परिवहन विभाग (DTO/MVI/ESI) द्वारा 98, 06, 783/- तथा पुलिस प्रशासन (SHO/MÑ`dRYIY Dy.SP) द्वारा 66, 66, 000/- की राशि शामिल है। इस दौरान बिना हेलमेट, प्रदूषण प्रमाण पत्र, ओवरलोडिंग तथा फिटनेस एवं परमिट से संबंधित नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई की गई।

बैठक में सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों का तुलनात्मक विश्लेषण भी किया गया। वर्ष 2025 में जिले में कुल 374 सड़क दुर्घटनाओं में 307 लोगों की मृत्यु हुई थी। वहीं जुलाई 2026 में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या घटकर 12 तथा मृतकों की संख्या 11 रही। जुलाई 2025 में 30 दुर्घटनाएं एवं 24 मौतें दर्ज की गई थीं।

जिला पदाधिकारी ने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए प्रवर्तन कार्रवाई के साथ-साथ व्यापक जन-जागरूकता अभियान को और प्रभावी बनाने का निर्देश दिया। जिले के 36 चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स की समीक्षा के क्रम में बताया गया कि NHAI द्वारा 20 तथा RCD द्वारा 16 ब्लैक स्पॉट्स पर अल्पकालीन सुरक्षा उपाय पूर्ण किए जा चुके हैं। जिला पदाधिकारी ने NH-31 सहित अन्य प्रमुख मार्गों पर आवश्यकतानुसार जेब्रा क्रॉसिंग, थर्मापलास्टिक बार मार्किंग (TBM), 'Go Slow' एवं 30 किलोमीटर प्रति घंटा की गति सीमा से संबंधित संकेतक लगाने का निर्देश दिया। बैठक में पन्हांस से रजौड़ा सर्विस लेन में अतिक्रमण, कपसिया से सुभाष चौक के बीच जल-जमाव तथा बीहट-सिमरिया आरओबी निर्माण के कारण उत्पन्न यातायात जाम की समस्या पर भी चर्चा की गई। जिला पदाधिकारी ने संबंधित विभागों को इन समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सड़क दुर्घटना पीड़ितों की सहायता करने वाले उत्कृष्ट गुड समेरिटन (राह वीरों) को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 25, 000/- की प्रोत्साहन राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। बैठक में PM RAHAT योजना की भी समीक्षा की गई। योजना के तहत सड़क दुर्घटना पीड़ितों को 1, 50, 000/- तक का कैशलेस उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है तथा जिले के 44 सरकारी एवं निजी अस्पतालों को इसके लिए संबद्ध किया गया है। वहीं 'हिट एंड रन' मामलों के तहत प्राप्त आवेदनों की समीक्षा में बताया गया कि अब तक 429 मामलों में मुआवजा राशि का सफलतापूर्वक भुगतान किया जा चुका है। जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को सड़क सुरक्षा नियमों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने, दुर्घटना संभावित स्थलों पर आवश्यक सुरक्षा उपाय करने तथा आम लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए समन्वित एवं सतत कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बैठक में पुलिस अधीक्षक बेगूसराय श्री मनीष, सिविल सर्जन बेगूसराय, जिला परिवहन पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस पर तेघड़ा अनुमंडल में ध्वजारोहण की समय-सारणी जारी

संवाददाता

तेघड़ा बेगुसराय: देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त 2026 को तेघड़ा अनुमंडल क्षेत्र में स्वतंत्रता दिवस समारोह को गरिमापूर्ण एवं सुव्यवस्थित तरीके से मनाने की तैयारी की जा रही है। इस अवसर पर विभिन्न सरकारी कार्यालयों एवं प्रमुख संस्थानों में आयोजित होने वाले ध्वजारोहण कार्यक्रम की समय-सारणी अनुमंडल पदाधिकारी, तेघड़ा श्री नीरज कुमार सिन्हा द्वारा जारी कर दी गई है।15 अगस्त की सुबह 07:30 बजे अनुमंडल पदाधिकारी, तेघड़ा के आवास-सह-गोपनीय कार्यालय से ध्वजारोहण कार्यक्रम की शुरूआत होगी। इसके बाद 08:00 बजे अनुमंडल कार्यालय, तेघड़ा तथा 08:25 बजे अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, तेघड़ा के आवास पर राष्ट्रध्वज फहराया जाएगा। इसके पश्चात 08:40 बजे प्रखंड मनरेगा कार्यालय, 08:45 बजे सहायक वाणिज्यकर आयुक्त कार्यालय, 08:50 बजे प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय, 08:55 बजे प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी कार्यालय तथा 09:00 बजे बाल विकास परियोजना पदाधिकारी कार्यालय में ध्वजारोहण निर्धारित है।

अनुमंडल पदाधिकारी नीरज कुमार सिन्हा ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस देश के लिए गौरव का पर्व है। यह अवसर स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान को स्मरण करने के साथ-साथ राष्ट्र की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराने का भी अवसर है। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों से निर्धारित समय-सारणी के अनुरूप ध्वजारोहण कार्यक्रम को गरिमापूर्ण, सुव्यवस्थित एवं समयबद्ध तरीके से संपन्न कराने की अपेक्षा की है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पर्व की गरिमा को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूरी की जाएं तथा कार्यक्रम में अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ सहभागिता सुनिश्चित की जाए।

रसायन शास्त्र के शिक्षक जुनैद खान का निधन, गांव और इलाके में पसरा मातमी सन्नाटा

संवाददाता

केवटी। सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल मुस्लिम +2 उच्च विद्यालय के रसायन शास्त्र के शिक्षक एवं डीपीएस के पूर्व निदेशक तथा लहवार गांव निवासी जुनैद खान (60) का निधन बुधवार की देर रात पटना के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान हो गया। वे गत 10 अगस्त को पिकअप वैन की ठोकर से गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इसी माह 30 अगस्त को वे सेवानिवृत्त होने वाले थे। गुरुवार को उनका पार्थिव शरीर लहवार गांव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पत्नी नुरूशवा सहित परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल था। उनके निधन की खबर से गांव सहित आसपास के इलाके में शोक की लहर दौड़ गई।जुनैद खान मृदुभाषी, कुशल वक्ता और मिलनसार स्वभाव के व्यक्ति थे। अपने व्यवहार और कार्यकुशलता के कारण उनकी पहचान प्रखंड क्षेत्र के अलावा दूर-दराज के इलाकों में भी थी। उनके निधन पर पूर्व केंद्रीय मंत्री मो. अली अशरफ फातमी, पूर्व विधायक फराज फातमी, मिश्री लाल यादव, मुमताज अंसारी, डीपीएस हाजीपुर के वर्तमान निदेशक मो. हक्की, मुलायम सिंह यादव, पूर्व राजद प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल मन्नान अंसारी, पूर्व मुखिया संघ अध्यक्ष एवं दिघियार पंचायत के मुखिया फतेह अहमद सहित कई लोगों ने शोक संवेदना व्यक्त की। लहवार गांव स्थित कब्रिस्तान में जनाजे की नमाज के बाद उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया गया। अंतिम विदाई में बड़ी संख्या में ग्रामीण, गणमान्य लोग एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता शामिल हुए।

वे अपने पीछे पत्नी, तीन पुत्र और तीन पुत्रियों सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। इधर, डीपीएस हाजीपुर विद्यालय में प्राचार्य श्याम सुंदर भगत की अध्यक्षता में शोकसभा आयोजित कर दिवंगत जुनैद खान को श्रद्धांजलि दी गई और उनके निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की गई।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, पटना के सौजन्य से लनामिवि, दरभंगा के एनएसएस द्वारा आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण छठे दिन जारी

प्रशिक्षण से युवा छात्र-छात्राएं मित्र भाव से आपदा प्रबंधन में भाग लेकर समाज में बेहतरीन कार्य करने में होंगे सक्षम : प्रो जितेन्द्र नारायण

संवाददाता

दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के एनएसएस कोषांग के द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, पटना के सौजन्य से मधुबनी जिला के 200 छात्र-छात्राओं का सात दिवसीय आवासीय युवा आपदा मित्र प्रशिक्षण कार्यक्रम के छठे दिन शिविर का उद्घाटन करते हुए पीजी एथलीट्स के अध्यक्ष डॉ प्रियंका राय ने कहा आपदा के समय प्रथम रिस्पांडर के रूप में स्वयंसेवक समाज हित में व्यावहारिक ज्ञान का सदुपयोग करने में सक्षम होंगे प्रशिक्षित युवा। उन्होंने आह्वान किया प्रशिक्षित छात्र-छात्राएं पूरे समाज को आपदाओं से बचने के उपायों को सिखा कर जागरूक बनाएं। बौद्धिक सत्र में मुख्य संसाधन पुरुष के रूप में प्रो जीतेन्द्र नारायण ने 'युवाओं की राष्ट्र निर्माण में भूमिका' विषय पर बोलते हुए कहा कि प्रशिक्षण से युवा छात्र-छात्राएं मित्र भाव से आपदा प्रबंधन में भाग लेकर समाज में बेहतरीन कार्य करने में सक्षम होंगे। मानवीय गुणों से युक्त, राष्ट्रभक्ति युवा का राष्ट्र निर्माण में सर्वाधिक भूमिका होती है।

इस अवसर पर डॉ आर एन चौरसिया, डॉ शबनम कुमारी, डॉ अनुपम प्रिया, डॉ सोनू राम शंकर, डॉ रीता कुमारी, डॉ सुनीता कुमारी, डॉ रश्मि दत्ता, हवलदार कृष्णनंदन सिंह, रूपेश कुमार पासवान, देव कुमार, खोखो कुमार, राजू कुमार, मालिक कुमार, संतोषी कुमारी, तनुजा कुमारी, अयोध्या प्रसाद सिंह, मुकेश कुमार झा, मणिकांत ठाकुर, अमित कुमार झा, रवीन्द्र कुमार सिंह आदि ने सक्रिय सहयोग किया। छठे दिन के प्रशिक्षण में प्रशिक्षकों ने अलग-अलग ग्रूपों में बांट कर सीपीआर देने की स्थिति, तरीके एवं महत्व को विस्तार से बताते हुए बीपी जांच के तरीके एवं महत्व से अवगत कराया।

हृदय गति, ऑक्सीजन स्तर तथा पल्स रेट आदि की जांच तथा भूकंप, आगलगी, वज्रपात, सड़क दुर्घटना आदि के कारणों एवं बचाव संबंधी मॉक ड्रिल का अभ्यास विश्वविद्यालय के फील्ड में कराया। एम्बुलेंस, अग्निशमन यंत्र फर्स्ट एड बॉक्स आदि का भी मॉक दिल के माध्यम से व्यावहारिक परिचय कराया। प्रशिक्षक एवं प्रशिक्षकों का स्वागत डॉ शबनम कुमारी, धन्यवाद ज्ञापन डॉ आर एन चौरसिया ने किया।

देवघर प्रजापति भवन में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक एवं समाज की एकजुटता का आह्वान : रमेश कुमार पंडित

अब समाज को मूकदर्शक बने रहने की जगह संगठित, जागरूक, संवैधानिक तरह से आवाज बुलंद करने की है जरूरत : रमेश पंडित

संवाददाता

दरभंगा। बिहार कुम्हार प्रजापति समन्वय समिति, दरभंगा जिलाध्यक्ष, रमेश कुमार पंडित ने बताया देवघर स्थित प्रजापति भवन में बिहार सहित तीन राज्यों के सम्मानित अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्षगण की गरिमामयी उपस्थिति में समाज की वर्तमान परिस्थितियों, दिन प्रतिदिन बढ़ रही सामाजिक घटनाओं, अत्याचारों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में बिहार कुम्हार प्रजापति समन्वय समिति, दरभंगा जिलाध्यक्ष, रमेश कुमार पंडित ने समाज के समक्ष उत्पन्न हो रही गंभीर चुनौतियों पर अपना प्रस्ताव रखते हुए कहा आज हमारे समाज के लोगों के साथ आए दिन विभिन्न प्रकार की घटनाएँ घटित हो रही हैं। श्री रमेश ने कहा आजकी की परिस्थिति में समाज को मूकदर्शक बने रहने के बजाय संगठित, जागरूक, संवैधानिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद करने की आवश्यकता है। उन्होंने सरकार से मांग करते हुए कहा जिस प्रकार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के

लोगों की सुरक्षा के लिए SC/ST Act जैसे विशेष कानूनी प्रावधान मौजूद हैं, उसी प्रकार कुम्हार प्रजापति समाज सहित वंचित, उत्पीड़ित समुदायों की सुरक्षा के लिए भी EBC Act जैसे प्रभावी विशेष कानून की दिशा में सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए। समाज के किसी व्यक्ति के साथ अपराध करने वाले अपराधियों को कानून के दायरे में लाकर निष्पक्ष जांच, कठोरतम कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि अपराधियों में कानून का भय हो और समाज के लोगों में सुरक्षा की भावना मजबूत हो। जिलाध्यक्ष रमेश पंडित ने यह भी कहा के समाज की शक्ति उसकी एकता में है। आज आवश्यकता इस बात की है के हम आपसी मतभेदों और व्यक्तिगत स्वार्थों से ऊपर उठकर समाजहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। हमें हाथ से हाथ मिलाकर, कदम से कदम मिलाकर और कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ना होगा। जब समाज एकजुट होकर अपनी बात लोकतांत्रिक, संवैधानिक तरीके से रखेगा। तभी हमारी आवाज प्रभावी रूप से शासन-प्रशासन तक पहुँचेगी। इसी क्रम में पटना में 23 तारीख को आयोजित होने वाले सम्मान समारोह में दरभंगा जिला के सभी सम्मानित सचिव, कोषाध्यक्ष, उप सचिव, कार्यकारिणी समिति के सदस्यगण, सभी प्रखंडों के अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष एवं सम्मानित सदस्यगण से सादर अनुरोध है आप सभी अपनी गरिमामयी उपस्थिति अवश्य दर्ज कराए और कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दें। सम्मान समारोह का स्थान अन्य आवश्यक जानकारी स्थान निर्धारित होने के पश्चात सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को सूचित कर दी जाएगी। यह समय केवल व्यक्तिगत स्तर पर सोचने का नहीं, बल्कि समाज के भविष्य के लिए सामूहिक रूप से आगे बढ़ने का समय है। हमारी एकजुटता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है और हमारा संगठन ही समाज के अधिकारों एवं सम्मान की रक्षा का सबसे मजबूत माध्यम है। उन्होंने कहा आइए, संकल्प लें न अन्याय सहेंगे, न अन्याय होने देंगे। संविधान के दायरे में रहकर समाज के अधिकारों के लिए मजबूती से संघर्ष करेंगे। हाथ से हाथ मिलाएँगे, कदम से कदम मिलाएँगे और प्रजापति समाज को मजबूत एवं संगठित बनाएँगे।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत हायाघाट व बहेड़ी में निकली भव्य तिरंगा यात्रा

संवाददाता

दरभंगा (हायाघाट): 'हर घर तिरंगा अभियान-2026' के तहत गुरुवार को हायाघाट विधानसभा क्षेत्र में दो स्थानों से भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। हायाघाट प्रखंड मुख्यालय से नगर पंचायत कार्यालय हायाघाट तक तथा बहेड़ी प्रखंड के सुसारी से बिठौली स्थित राम-जानकी मंदिर तक आयोजित तिरंगा यात्रा में बिहार सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री सह हायाघाट विधायक डॉ. रामचन्द्र प्रसाद ने कार्यकताओं एवं स्थानीय ग्रामीणों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर मंत्री डॉ. रामचन्द्र प्रसाद ने कहा कि तिरंगा केवल हमारा राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता, गौरव और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। 'हर घर तिरंगा अभियान' प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र के प्रति अपने सम्मान और गौरव को अभिव्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने देशवासियों से अपील करते हुए कहा कि 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराएं और स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय उत्सव को पूरे उत्साह एवं गौरव के साथ मनाएं।

उन्होंने कहा कि जन-जन की सहभागिता से यह अभियान राष्ट्रभक्ति के व्यापक जनआंदोलन का रूप ले रहा है। तिरंगा यात्रा के दौरान 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम्' सहित देशभक्ति के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। यात्रा में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, युवाओं एवं भाजपा कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मौके पर हायाघाट के प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार, अंचल अधिकारी आनंद मंडल, हायाघाट दक्षिणी भाजपा मंडल अध्यक्ष गुलजारी लाल साह, बहेड़ी उत्तरी मंडल अध्यक्ष अनिल कुमार मंडल, गौतम राय, मुन्ना झा, मिथिलेश कुमार, प्रशांत झा, आनंद सिंह, विकास सिंह, अरुण सहनी, आलोक शर्मा, राणा चंदन सिंह सहित सैकड़ों ग्रामीण एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

ताजपुर में निकली भव्य तिरंगा यात्रा, देशभक्ति के नारों से गूंजा शहर

हाई स्कूल ताजपुर से डॉ. एल.के.वी.डी. कॉलेज तक निकली यात्रा, अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों और छात्र-छात्राओं ने लिया हिस्सा

संवाददाता

ताजपुर, समस्तीपुर। हर घर तिरंगा अभियान 2026 के तहत गुरुवार को नगर परिषद ताजपुर के द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा का शुभारंभ हाई स्कूल, ताजपुर से हुआ और यह डॉ. एल.के.वी.डी. कॉलेज, ताजपुर तक पहुंची। हाथों में तिरंगा लेकर बड़ी संख्या में पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, छात्र-छात्राओं और स्थानीय नागरिकों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। तिरंगा यात्रा के दौरान 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम्' और 'जय हिंद' के नारों से पूरा वातावरण देशभक्ति से गूंज उठा। विद्यार्थियों ने अनुशासन और जोश के साथ यात्रा में भाग लिया, जबकि जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय लोगों ने भी बढ़-चढ़कर सहभागिता की। यात्रा में जिला पदाधिकारी समस्तीपुर, उप विकास आयुक्त, नगर आयुक्त नगर निगम समस्तीपुर, अपर समाहर्ता, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिकारी समस्तीपुर सहित जिला प्रशासन के कई वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा प्रखंड

विकास पदाधिकारी ताजपुर, अंचलाधिकारी ताजपुर, सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी, सहायक लोक स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन पदाधिकारी, नगर प्रबंधक नगर परिषद ताजपुर समेत अन्य पदाधिकारी एवं कर्मियों ने भी यात्रा में हिस्सा लिया। नगर परिषद ताजपुर की मुख्य पार्षद, सभी वार्ड पार्षद एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि भी तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। हाई स्कूल ताजपुर के प्रधानाचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाओं और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की सहभागिता ने कार्यक्रम को और भव्य बना दिया। तिरंगा यात्रा का उद्देश्य आमजन में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान, देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और राष्ट्र के प्रति गौरव की भावना को मजबूत करना रहा। इस दौरान लोगों को अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने तथा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देश के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करने के लिए प्रेरित किया गया। जिला प्रशासन एवं नगर परिषद ने आम नागरिकों से हर घर तिरंगा अभियान को जन-जन का अभियान बनाने और अधिक से अधिक संख्या में सहभागी बनने की अपील की।

संक्षिप्त खबरें

डूरंड कप: नेरोका एफसी ने रेंगदाई को 3-1 से हराया, इंडियन आर्मी भी जीती

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नेरोका एफसी ने बुधवार को यहां नौ खिलाड़ियों के साथ खेल रहे एफसी रेंगदाई को ग्रुप डी मैच में 3-1 से हराकर 135वें डूरंड कप फुटबॉल टूनार्मेंट में अपने अभियान का अंत जीत के साथ किया। जोना कामेई ने 19वें मिनट में रेंगदाई को बढ़त दिलाई लेकिन आठ मिनट बाद थौडाम नैनी सिंह के आत्मघाती गोल से नेरोका ने बराबरी कर ली। रेंगदाई को 55वें मिनट में उस समय 10 खिलाड़ियों तक सीमित होना पड़ा जब पी एम राकेवेइचे को लाल कार्ड दिखाया गया। इसके तीन मिनट बाद सोरैशाम सूरजकांता सिंह को दूसरा पीला कार्ड दिखाया गया और उन्हें मैदान से बाहर भेज दिया गया जिससे रेंगदाई के नौ ही खिलाड़ी ही मैदान पर रह गए। नेरोका ने आखिरकार अपनी संख्यात्मक बढ़त का फायदा उठाया और स्थानापन्न चाबुंगबाम लिंकी मैतेई ने 89वें मिनट में इमर्सन मैतेई के क्रॉस पर हेडर से गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद युमनाम रेनेडी मैतेई ने इंजरी टाइम में गोल कर नेरोका की जीत पक्की कर दी।

इस जीत के साथ नेरोका ने तीन मैच में चार अंक रहे जबकि पहले ही क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुकी रेंगदाई ने ग्रुप चरण का अंत छह अंक के साथ किया। कोलकाता में भारतीय सेना फुटबॉल टीम ने ग्रुप बी के आखिरी मुकाबले में दूसरे हाफ में शानदार वापसी करते हुए मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब को 2-1 से हराया। ललथांकिमा ने 34वें मिनट में शानदार गोल कर मोहम्मडन स्पोर्टिंग को बढ़त दिलाई लेकिन पी क्रिस्टोफर कामेई ने 59वें मिनट में गोल करके भारतीय सेना की टीम को वापसी कराई।

लियोनेल मेस्सी ने फुटबॉल जारी रखने पर जताया संदेह, पिता जॉर्ज को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, (एजेंसी)। महान खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी ने बुधवार को सोशल मीडिया पर अपने दिवंगत पिता जॉर्ज को श्रद्धांजलि देते हुए खुलासा किया कि अर्जेंटीना को विश्व कप फाइनल तक पहुंचाने का सफर उनके लिए कितना मुश्किल था। उन्होंने साथ ही फुटबॉल खेलना जारी रखने को लेकर भी अनिश्चितता जताई। मेस्सी ने इंस्टाग्राम पर स्पेनिश में लिखे पोस्ट में कहा, ''मुझे नहीं पता कि आपके बिना मैं क्या करूंगा।

मुझे नहीं पता कि आगे कैसे बढ़ना है। मैंने हमेशा सिर्फ फुटबॉल खेला है और अब मुझे गंभीर संदेह है कि मैं इसे अधिक लंबे समय तक जारी रख पाऊंगा या नहीं।'' इस फुटबॉल स्टार के करियर में अहम भूमिका निभाने वाले जॉर्ज मेस्सी का शनिवार को 68 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वह मेस्सी के एजेंट थे और उनके कारोबारी मामलों का प्रबंधन भी करते थे। मेस्सी की अगुआई में अर्जेन्टीना ने इस साल विश्व कप फाइनल में जगह बनाई थी लेकिन उप विजेता बनकर संतोष करना पड़ा। टीम के पहले मैच में अल्जीरिया के खिलाफ अपना पहला गोल करने के बाद वह भावुक नजर आए थे। बाद में उन्होंने कहा था कि उनके आंसू 'खेल से इतर किसी कारण' से थे।

मेस्सी ने अपने पोस्ट में लिखा, ''आपने मेरे से इस आखिरी विश्व कप में खेलने के लिए कई बार कहा था और टूनार्मेंट शुरू होने से ठीक पहले आपकी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई। यह पहली बार था जब आप टूनार्मेंट में नहीं होने वाले थे। लेकिन मां लगातार कहती रहीं कि आप ठीक हो जाओगे और यात्रा करने के लिए पर्याप्त स्वस्थ हो जाओगे।

अर्जुन एरिगैसी ने ईडब्ल्यूसी में निहाल सरीन को दी मात, फिरोजा से हारकर निचले वर्ग में खिसके

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के स्टार शतरंज खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी ने बुधवार को ईस्पोर्ट्स विश्व कप (ईडब्ल्यूसी) में उतार-चढ़ाव भरे दिन में हमवतन निहाल सरीन को 2-0 से हराकर ऊपरी वर्ग में जगह बनाई, लेकिन बाद में अलीरेजा फिरोजा से हारकर निचले वर्ग में खिसक गए। 'जेन.जी टीम' से खेल रहे अर्जुन ने दिन की शुरूआत शानदार अंदाज में की और 'एस8यूएल ईस्पोर्ट्स' के निहाल सरीन को 2-0 से हराकर ऊपरी वर्ग में आगे बढ़े। फिरोजा ने हालांकि उन्हें आर्मगेडन टाईब्रेकर तक पहुंचे मुकाबले में शिकस्त दी, जिससे अर्जुन को निचले वर्ग में जाना पड़ा।अर्जुन अब बृहस्पतिवार को निचले वर्ग के क्वार्टर फाइनल में निहाल सरीन और चीन के वेई यी के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से भिड़ेंगे। इस मुकाबले का विजेता निचले वर्ग के सेमीफाइनल में अर्जुन का सामना करेगा और जीतने वाला खिलाड़ी प्लेऑफ में पहुंचेगा। 'एस8यूएल ईस्पोर्ट्स' के प्रज्ञानेश एम निचले वर्ग के क्वार्टर फाइनल में बेंजामिन बोक का सामना करेंगे। इस मुकाबले के विजेता की भिड़ंत सेमीफाइनल में जान-क्रिजस्तोफ डूडा से होगी और वहां जीतने वाला खिलाड़ी भी प्लेऑफ में जगह बनाएगा। प्रज्ञानेश को इससे पहले ऊपरी वर्ग के क्वार्टर फाइनल में नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव से हार मिली थी। ग्रुप ए में शामिल फिरोजा और अब्दुसत्तोरोव पहले ही प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं। इस ग्रुप में अर्जुन, निहाल और प्रज्ञानेश समेत तीन भारतीय खिलाड़ी शामिल हैं। ग्रुप बी में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन ने ऊपरी वर्ग के सेमीफाइनल में हंस मोके नीमन को हराकर प्लेऑफ में जगह बनाई। अमेरिका के हिकारू नाकामुरा ने भी ग्रुप बी से प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया।

एआईएफएफ को आसियान कप और ब्राजील मैच में टकराव सुलझाने के लिए फीफा के जवाब का इंतजार है

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) भारत की पहली फीफा आसियान कप में भागीदारी को लेकर असमंजस की स्थिति में है क्योंकि टूनार्मेंट का फाइनल तीन अक्टूबर को प्रस्तावित ब्राजील के खिलाफ हाई प्रोफाइल मैत्री मैच से टकरा रहा है। यह मैत्री मैच उसी दिन कोलकाता में प्रस्तावित है। एआईएफएफ के एक अधिकारी ने बुधवार को पीटीआई से कहा, ''हम फीफा के जवाब का इंतजार कर रहे हैं।'' भारत को डिवीजन-एक यानी प्रीमियर डिवीजन के ग्रुप ए में इंडोनेशिया, मलेशिया और सिंगापुर के साथ रखा गया है। यह टूनार्मेंट 24 सितंबर से तीन अक्टूबर तक इंडोनेशिया में खेला जाना है। भारत के अभियान में तीन ग्रुप मैच के बाद तीन अक्टूबर को फाइनल शामिल है। एआईएफएफ की छह अगस्त को हुई कार्यकारी समिति की बैठक में आसियान कप और ब्राजील के खिलाफ मैत्री मैच दोनों में भाग लेने का फैसला किया गया था।

इसके लिए दोनों प्रतियोगिताओं के लिए अलग-अलग टीम भेजने की योजना थी। हालांकि, भारतीय फुटबॉल के दिग्गज बाइचुंग भूटिया ने इस फैसले का विरोध करते हुए कहा था कि फीफा आसियान कप में भारत को अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम उतारनी चाहिए। फीफा के नियम किसी देश को फीफा से मान्यता प्राप्त प्रतियोगिता में अंडर-23 या दूसरी श्रेणी की टीम उतारने की अनुमति नहीं देते हैं। इसका मतलब है कि भारत ब्राजील के खिलाफ कोलकाता में सीनियर टीम के खेलने के दौरान आसियान कप में रिजर्व टीम नहीं उतार सकता। एआईएफएफ ने इस महीने की शुरूआत में अपनी बैठक के बाद कहा था, ''कार्यकारी समिति ने फीफा अंतरराष्ट्रीय मैच विंडो के दौरान खेले जाने वाले ब्राजील के खिलाफ मैच को भारतीय खिलाड़ियों को दुनिया के सबसे मजबूत फुटबॉल देशों में से एक के खिलाफ खेलने का अमूल्य अनुभव देने का अनूठा अवसर माना।''

महासंघ ने यह भी कहा था कि वह दोनों प्रतियोगिताओं के लिए अलग-अलग टीम उतारने की अपनी योजना के बारे में फीफा को औपचारिक रूप से सूचित करेगा।

महिला हॉकी विश्व कप के लिए यंग ब्रिगेड तैयार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पहली बार हॉकी स्टिक थामी थी तो देश के लिये विश्व कप खेलने का सपना देखा था और अब उसे पूरा होते देखने को बेताब भारतीय महिला हॉकी की युवा ब्रिगेड 'नर्वस' भी है तो रोमांचित भी। पहली बार विश्व कप खेलने जा रही इशिका, लालथांटलुआंगी, साक्षी राणा, शिल्पी डबास और सुनेलिटा टोप्पो जैसी भारतीय महिला हॉकी खिलाड़ियों के शानदार सफर के पीछे कई चुनौतियां और कुर्बानियां रही हैं। इशिका ने से कहा ,'' विश्व कप में खेलना हर खिलाड़ी का सपना होता है। सचमुच लग रहा है कि सपना सच होने जा रहा है।''

उन्होंने कहा ,'' बचपन से मेरे पिता ही मेरे कोच थे। मुझे परिवार से हमेशा सहयोग मिला लेकिन सबसे बड़ी चुनौती मानसिक रूप से मजबूत होने की थी। चोटों और कठिन दौर ने मेरा आत्मविश्वास पुख्ता किया और मुझे दृढता और आशावादिता का पाठ पढाया।'' 21 वर्ष की इस खिलाड़ी की ख्वाहिश अब उस भरोसे पर खरे उतरकर मैदान पर गोल करने के मौके बनाने की है। वहीं 21 वर्ष की ही डिफेंडर लालथांटलुआंगी के लिये भारतीय विश्व कप टीम में पदार्पण का पल काफी जज्बाती रहा है।

इशिका और साक्षी का संघर्ष और बड़े सपने

उन्होंने कहा ,'' मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकती कि कैसा महसूस कर रही हूं। यह मौका मेरा ही नहीं , मेरे पूरे परिवार का है। लेकिन असल काम अब शुरू होता है और मैं देश के लिये शत प्रतिशत देना चाहती हूं।'' स्कूल और हॉकी अभ्यास के बीच भाग दौड़ करने वाली इस खिलाड़ी ने जीवन में संतुलन बनाना काफी जल्दी सीख लिया था। अपने सीनियर्स की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा ,'' हमारे सीनियर शानदार है। उन्होंने मुझे दबाव का सामना करना सिखाया और रोज मैदान के भीतर और बाहर नयी सीख देते हैं।'' 19 वर्ष की मिडफील्डर साक्षी ने कहा ,'' मैं रोमांचित भी हूं और नर्वस भी क्योंकि यह मेरा पहला विश्व कप है। लेकिन मुझे लगता है कि नर्वस होना अच्छा है। मैं इस पल का पूरा मजा लेकर मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहती हूं।'' उनका लक्ष्य डिफेंस और फॉरवर्ड के बीच बेहतरीन सेतु का काम करने का है। डबास का सफर इसलिये भी खास रहा है क्योंकि उन्हें काफी इंतजार करना पड़ा। उन्होंने कहा,'' मुझे बहुत बड़ा प्लेटफार्म मिला है। खुश भी हूं और नर्वस भी हूं।'' अब तक के सफर के बारे में पूछने पर इस खिलाड़ी ने कहा ,'' सबसे बड़ा चैलेंज यही रहा था कि अभी तक शिविर में ही नहीं बुलाया गया था। हॉकी इंडिया लीग के दूसरे सत्र के बाद शिविर में चुना गया। आने वाले खिलाड़ियों को यही सलाह दूंगी कि हार मत मानो, मेहनत करते रहो , कभी तो मौका जरूर मिलेगा।'' विश्व कप की तैयारी के बारे में उन्होंने कहा ,'' मुझे सीनियर्स और कोचों ने सलाह दी कि अपना स्वाभाविक खेल खेलो , हम मदद के लिये हमेशा हैं। वे अपना अनुभव साझा करते हैं और अच्छे प्रदर्शन के लिये पुश करते हैं।''

गौतम गंभीर को भज्जी की सलाह

रोहित-विराट के अनुभव पर जताएं भरोसा, उम्र नहीं परफॉर्मेंस है पैमाना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के महान स्पिनर हरभजन सिंह ने हैरानी व्यक्त करते हुए कहा कि अगर लियोनेल मेस्सी खेल सकते हैं, तो विराट कोहली और रोहित शर्मा क्यों नहीं? उन्होंने इन दोनों दिग्गज खिलाड़ियों का समर्थन करते हुए कहा कि अगर उनमें खेलने की प्रतिबद्धता है तो वे अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप में खेल सकते हैं। पीटीआई के मुख्यालय में एक पॉडकास्ट साक्षात्कार में 46 वर्षीय पूर्व ऑफ स्पिनर ने रोहित और कोहली के भविष्य को लेकर चल रही अंतहीन बहस पर अपने विचार व्यक्त किए।

यह दोनों खिलाड़ी 35 वर्ष से अधिक उम्र के हैं और अब केवल एक ही प्रारूप में खेलते हैं। हरभजन ने साक्षात्कार के दौरान यह भी खुलासा किया कि उनकी आत्मकथा तैयार है और उसके इस वर्ष के आखिर में प्रकाशित होने की उम्मीद है। हरभजन ने कहा, ''खिलाड़ी कोई भी हो, मेरा मानना है कि मापदंड प्रदर्शन होना चाहिए, उम्र नहीं।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विश्व कप में वैभव सूर्यवंशी जैसे होनहार लेकिन अपेक्षाकृत अनुभवहीन युवा खिलाड़ी की तुलना में कोहली और रोहित पर उम्मीदों का कहीं अधिक बोझ होगा। रोहित और कोहली ने अब तक जो प्रतिबद्धता दिखाई है, उसे देखते हुए हरभजन ने कहा कि वे वही कर सकते हैं जो 39 वर्षीय मेस्सी ने हाल ही में हुए फुटबॉल विश्व कप में दिखाया था। मेस्सी ने अपने व्यक्तिगत कौशल के दम पर अर्जेंटीना को फाइनल तक पहुंचाया था। जब भी वह गेंद लेकर आगे बढ़ते तो विरोधी टीम की रक्षापंक्ति को भेद देते थे। जब अगले साल दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में वनडे विश्व कप होगा, तब रोहित 40 साल और कोहली 39 साल केहो जाएंगे। हरभजन ने कहा, ''विराट भले ही 39 साल के हों, लेकिन अगर वह अभी भी मैदान पर 20 साल के खिलाड़ियों को पीछे छोड़ रहे हैं, तो उनकी उम्र मायने नहीं रखती। लियोनेल मेस्सी को ही देख लीजिए। 40 (39) साल की उम्र में भी पांच खिलाड़ी उन्हें रोक नहीं पाते। अगर किसी खिलाड़ी के पास ऐसी फिटनेस और कौशल हो कि पांच विरोधी भी उसे रोक न सकें, तो हम जानते हैं कि कौशल ही सर्वोपरि है।'' हरभजन ने कोहली को श्रेय देते हुए कहा कि उन्होंने खिलाड़ियों को लगातार यह कहकर जीत का आत्मविश्वास जगाया कि कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि फिटनेस के मामले में कोहली ने ही उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और उन्हें यह अहसास दिलाया कि उनकी क्षमता उनकी सोच से कहीं अधिक है। उन्होंने कहा, ''यह बदलाव सबसे पहले विराट कोहली 2014-15 में कप्तान बनने के बाद लाए थे। उससे पहले हम यह नहीं सोचते थे कि हम आखिरी दिन 400 रन का लक्ष्य हासिल कर सकते हैं।

विराट ने अपने साथियों से कहा, 'चलो कम से कम कोशिश तो करते हैं। हम हार सकते हैं, लेकिन अगर हम कोशिश करते रहेंगे तो एक दिन हम आखिरी पारी में 400 से अधिक रन जरूर बना लेंगे।'' हरभजन ने कहा, ''अगर हमें आखिरी दिन 10 विकेट लेने हों, तो हम इसके लिए पूरी कोशिश करेंगे। जीतने की मानसिकता और ड्रॉ से संतुष्ट न होने का जज्बा विराट कोहली में है।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन उनका सबसे बड़ा योगदान फिटनेस संस्कृति को बढ़ावा देना था। फिटनेस क्रांति लाने का 90 प्रतिशत श्रेय कोहली को जाता है।

ईस्ट बंगाल ने अल अरबी को 4-1 से हराया, एएफसी चैंपियंस लीग टू के ग्रुप चरण में पहुंचे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ईस्ट बंगाल ने बुधवार को साल्ट लेक स्टेडियम में कुवैत के अल अरबी एससी को अतिरिक्त समय में 4-1 से हराकर एएफसी चैंपियंस लीग टू के ग्रुप चरण में जगह बना ली। एक समय हार की ओर बढ़ रही मेजबान टीम ने आखिरी क्षणों में शानदार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम किया। ईस्ट बंगाल नियमित समय में 0-1 से पिछड़ रहा था और मैच में सिर्फ 14 मिनट का खेल बाकी था। ऐसे में जय गुप्ता ने 90वें मिनट में बराबरी का गोल कर टीम की उम्मीदें जगा दीं। अतिरिक्त समय में ईस्ट बंगाल ने पूरी तरह नियंत्रण हासिल कर लिया। कप्तान मोहम्मद राशिद ने 108वें मिनट में गोल कर मेजबान टीम को 2-1 की बढ़त दिलाई। इसके बाद स्थानापन्न खिलाड़ी डेविड लालहलांसांगा ने 117वें मिनट में तीसरा गोल दागकर टीम की जीत लगभग सुनिश्चित कर दी।

अतिरिक्त समय के इंजरी टाइम के पहले मिनट में रोहित दानू ने चौथा गोल कर ईस्ट बंगाल की यादगार वापसी पर मुहर लगा दी।

टीटीएफआई सस्पेंशन: खेल मंत्रालय की बड़ी कार्रवाई

आंतरिक विवादों के कारण टेबल टेनिस फेडरेशन की मान्यता निलंबित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मंत्रालय ने भारतीय ओलंपिक संघ से कहा है कि वह अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ से सलाह लेकर अंतरिम प्रशासनिक व्यवस्था तैयार करे। इसके लिए एक अंतरिम समिति बनाई जाएगी, जो महासंघ की नियमित व्यवस्था बहाल होने तक खेल से जुड़े जरूरी काम देखेगी। गौरतलब है कि भारतीय टेबल टेनिस महासंघ की अध्यक्ष मेघना अहलावत हैं। वह महासंघ की पहली महिला अध्यक्ष हैं और दिसंबर 2022 में उन्होंने पद संभाला था। मेघना अहलावत हरियाणा के विधायक दुष्यंत चौटाला की पत्नी हैं। उनके ससुर अजय सिंह चौटाला भी पहले महासंघ के अध्यक्ष रह चुके हैं।

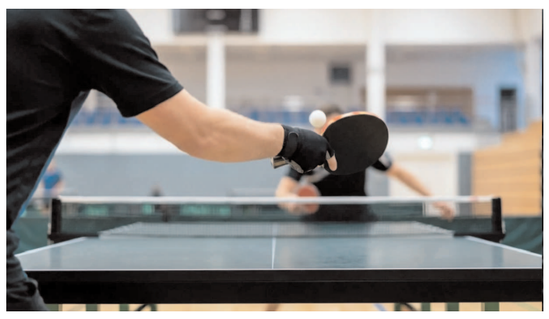

महासंघ पिछले कुछ महीनों से लगातार विवादों में रहा है। जनवरी में महासंघ ने अपने महासचिव और पूर्व खिलाड़ी कमलेश मेहता को कथित वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों के चलते निलंबित कर दिया था। कमलेश मेहता ने इस फैसले को दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती दी। अदालत ने बाद में उनका निलंबन रद्द कर दिया। इस पूरे मामले को महासंघ के भीतर चल रहे सत्ता संघर्ष से भी जोड़कर देखा गया, हालांकि महासंघ ने इससे इनकार किया था। खिलाड़ियों से जुड़े फैसलों को लेकर भी महासंघ की आलोचना हुई है। स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा को एशियाई खेलों की टीम में जगह नहीं मिली थी। इसके पीछे घरेलू मुकाबलों में जरूरी भागीदारी नहीं होने का कारण बताया गया था। मनिका बत्रा ने सार्वजनिक रूप से इस फैसले पर सवाल उठाए और खेल मंत्रालय से हस्तक्षेप की मांग की थी। उन्होंने चयन प्रक्रिया को अस्पष्ट और अनुचित बताया था। बता दें कि मंत्रालय ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप के आयोजन में हुई देरी को भी खिलाड़ियों के हितों से जुड़ी गंभीर समस्या माना है। मंत्रालय का कहना है कि राष्ट्रीय खेल महासंघों से जवाबदेही, पारदर्शिता और लोकतांत्रिक तरीके से काम करने की उम्मीद की जाती है, लेकिन टेबल टेनिस महासंघ इन मानकों पर खरा नहीं उतर पाया। यह पहली बार नहीं है जब महासंघ को प्रशासनिक विवाद का सामना करना पड़ा है। फरवरी 2022 में भी दिल्ली उच्च न्यायालय ने मनिका बत्रा की याचिका के बाद महासंघ को निलंबित कर दिया था। मामला उस चयन नीति से जुड़ा था, जिसके चलते मनिका को उस साल की एशियाई चैंपियनशिप के लिए टीम से बाहर कर दिया गया था। अदालत ने उस समय महासंघ की स्थिति पर कड़ी टिप्पणी करते हुए प्रशासक नियुक्त करने का आदेश दिया था। इसके बाद दिसंबर 2022 में नए चुनाव हुए और महासंघ की व्यवस्था बहाल हुई। लेकिन अब समय पर चुनाव नहीं होने और लगातार सामने आ रही प्रशासनिक समस्याओं के कारण एक बार फिर सरकारी हस्तक्षेप हुआ है। मंत्रालय ने साफ किया है कि खेल की नियमित और जवाबदेह व्यवस्था बहाल होने तक अंतरिम समिति के जरिए कामकाज चलाया जाएगा। ऐसे में अब नजर इस बात पर रहेगी कि महासंघ में नए चुनाव कब होते हैं और खिलाड़ियों के हितों को ध्यान में रखते हुए स्थायी प्रशासनिक व्यवस्था कितनी जल्दी बहाल होती है।

प्रेशर में खेली गई वो पारी! डेविड मिलर के करियर का टर्निंग पॉइंट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज डेविड मिलर ने 2013 इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) के खिलाफ खेली गई अपनी नाबाद 101 रनों की पारी को लीग में अपनी सबसे यादगार पारी बताया है। उन्होंने कहा कि दबाव भरे हालात में लक्ष्य का पीछा करने वाली उस पारी ने उनके करियर को आकार देने में अहम भूमिका निभाई। मिलर, जो 'द हंड्रेड 2026' में सदर्न ब्रेव की ओर से खेल रहे हैं, ने JioStar से बातचीत के दौरान अपने करियर और IPL में अपने सबसे यादगार प्रदर्शनों को याद किया।

एक दशक से ज्यादा लंबे करियर में, इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने T20 क्रिकेट में मिडिल-ऑर्डर के सबसे भरोसेमंद फिनिशर्स में से एक के तौर पर अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि RCB के खिलाफ मैंने जो 101 रन बनाए थे - क्योंकि वह एक चेज (लक्ष्य का पीछा) था, जिसमें मैंने लक्ष्य का पीछा करते हुए शतक लगाया था (जो IPL और T20 में मेरा पहला शतक था) - वह पारी मेरे लिए सबसे संतोषजनक रही। मुझे लगता है कि उस समय बहुत कुछ दांव पर लगा था, और अगर मैं अब पीछे मुड़कर देखूं तो उस पारी ने मेरे करियर को एक नई दिशा दी।

इसके अलावा, एक और पारी है जिसे मैं हमेशा याद रखूंगा - डरबन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई पारी। वहां भी हमने लक्ष्य का पीछा किया था और मैंने शतक लगाया था - शायद 118 रन (नाबाद) बनाए थे। तो, दबाव में खेली गई वे दो पारियां, जिनमें मैंने शतक लगाए, हमेशा खास रहेंगी।

मिशेल स्टार्क ने तोड़ा रंगना हेराथ का रिकॉर्ड, बने सबसे सफल बाएं हाथ के टेस्ट गेंदबाज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने डार्विन टेस्ट के पहले दिन श्रीलंकाई स्पिनर रंगना हेराथ को पीछे छोड़कर टेस्ट क्रिकेट में सबसे सफल बाएं हाथ के गेंदबाज बनने का इतिहास रच दिया। स्टार्क ने शादमान इस्लाम का विकेट लेकर यह उपलब्धि हासिल की; यह उनका 434वां टेस्ट विकेट था, जो बाएं हाथ के गेंदबाज के तौर पर हेराथ के 433 विकेट के रिकॉर्ड से एक ज्यादा है। मैच की पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया 198 रन पर ऑलआउट हो गई, जो बांग्लादेश के खिलाफ उनका सबसे कम टेस्ट स्कोर है। बैटिंग करने का फैसला करने के बाद, ट्रैविस हेड (22) और जेक वेदरल्ड (23) की ओपनिंग जोड़ी ने 45 रन जोड़े, लेकिन टीम लय नहीं बना पाई। स्टीव स्मिथ ने 109 गेंदों पर 71 रन बनाए, जिसमें सात चौके और एक छक्का शामिल था। बांग्लादेश के गेंदबाजों ने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। हसन महमूद ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बांग्लादेशी गेंदबाज के तौर पर अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन किया; उन्होंने 2006 में फतुल्लाह में मशरफे मुर्तजा के 5/62 के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

हसन ने अब तक 15 टेस्ट मैचों में तीन बार एक पारी में पांच विकेट लिए हैं। उनसे आगे सिर्फ.शहादत हुसैन हैं, जिन्होंने 38 टेस्ट मैचों में चार बार ऐसा किया है। हसन ने भारत, पाकिस्तान और अब ऑस्ट्रेलिया में भी एक पारी में पांच विकेट लिए हैं, जिससे वे विदेशी मैदानों पर शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी के तौर पर स्थापित हुए हैं। ओपनिंग पार्टनरशिप के बाद ऑस्ट्रेलियाई पारी लड़खड़ा गई और टीम का स्कोर 4 विकेट पर 74 रन हो गया। स्टीव स्मिथ ने पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन हसन की गेंदबाजी ने दबाव बनाए रखा। तस्कीन अहमद ने भी अपने करियर में एक अहम मुकाम हासिल किया; 2/55 के आंकड़े के साथ वे 300 इंटरनेशनल विकेट लेने वाले छठे बांग्लादेशी गेंदबाज बन गए। उन्होंने 204 मैच खेले हैं और 28 से ज्यादा के औसत से 300 विकेट लिए हैं, जिसमें 13 बार चार विकेट और तीन बार पांच विकेट लेने का कारनामा शामिल है। बांग्लादेश के अब तक के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में शाकिब अल हसन 712 विकेट के साथ सबसे आगे हैं।

वर्ल्ड कप फाइनल में हार और पिता का साया छिनने पर टूटे लियोनेल मेसी, कहा

"उनके मैसेज का इंतजार आज भी रहता है"

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लियोनेल मेसी ने अपने पिता जॉर्ज मेसी के निधन के बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से अपनी भावनाएं साझा की हैं। अर्जेंटीना के कप्तान ने पिता के साथ अपनी एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि वह उनसे बहुत प्यार करते हैं। इसके साथ ही मेसी ने एक लंबा भावुक संदेश लिखा, जिसमें उन्होंने पिता के साथ अपने रिश्ते, 2026 विश्व कप की यादों और उनके जाने के बाद खुद को संभालने की मुश्किल के बारे में बताया है।

मेसी ने कहा कि उन्हें अब भी यकीन नहीं हो रहा है कि उनके पिता इस दुनिया में नहीं हैं। उन्होंने माना कि यह बात अभी पूरी तरह उनके मन में बैठी नहीं है और शायद वह इसे स्वीकार भी नहीं करना चाहते। मेसी ने कहा कि वह यह सोचकर ही परेशान हो जाते हैं कि अब वह अपने पिता को देख नहीं पाएंगे और उनसे पहले की तरह बात नहीं कर पाएंगे।

मौजूद जानकारी के अनुसार, जॉर्ज मेसी की तबीयत काफी समय से खराब चल रही थी। मेसी ने माना कि उनके पिता तकलीफ में थे और उनके लिए राहत मिलना जरूरी था, लेकिन उनका जाना बहुत जल्दी हो गया। मेसी को लगता है कि दोनों के पास अभी साथ बिताने और कई चीजें करने का समय बाकी था। गौरतलब है कि 2026 विश्व कप से पहले जॉर्ज मेसी की तबीयत ज्यादा खराब हो गई थी। इसके बावजूद वह चाहते थे कि उनका बेटा इस विश्व कप में खेले। मेसी ने बताया कि उनके पिता बार-बार उनसे विश्व कप खेलने के लिए कहते थे। मेसी की मां उन्हें लगातार भरोसा दिलाती थीं कि जॉर्ज की तबीयत सुधर जाएगी और वह अर्जेंटीना के मुकाबले देखने के लिए यात्रा कर सकेंगे। मेसी ने अपने पिता से यह वादा भी किया था कि अर्जेंटीना फाइनल तक पहुंचेगा और वह वहां उनके साथ होंगे। अर्जेंटीना ने फाइनल में जगह तो बना ली, लेकिन जॉर्ज मेसी वहां नहीं पहुंच सके। मेसी ने बताया कि हर मुकाबला खत्म होने के बाद उन्हें अपने पिता के संदेश का इंतजार रहता था। जब वह संदेश नहीं आता था, तब उन्हें अपने पिता की हालत की गंभीरता और ज्यादा महसूस होती थी। अर्जेंटीना फाइनल में स्पेन से एक गोल से हार गया। मेसी ने बताया कि वह यह खिताब अपने पिता के लिए जीतना चाहते थे ताकि ट्रॉफी घर ले जाकर उन्हें दिखा सकें। उन्होंने पूरी कोशिश की, लेकिन शारीरिक परेशानी के कारण वह अपना सर्वश्रेष्ठ नहीं दे सके। इसके बावजूद उन्होंने कहा कि विश्व कप के हर मुकाबले का उन्होंने और उनके परिवार ने भरपूर आनंद लिया। पिता के जाने के बाद मेसी ने अपने भविष्य को लेकर भी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि अब उनके बिना कैसे आगे बढ़ना है। उन्होंने यह भी कहा कि वह सिर्फ फुटबॉल खेलते आए हैं और अब उन्हें गंभीरता से लगने लगा है कि शायद वह ज्यादा समय तक फुटबॉल जारी नहीं रख पाएंगे। हालांकि, उन्होंने संन्यास का कोई फैसला घोषित नहीं किया है। मेसी ने अंत में कहा कि वह अपने बच्चों की परवरिश उसी तरह करेंगे, जिस तरह उनके पिता ने उन्हें पाला था। उनका मानना है कि इस तरह जॉर्ज मेसी हमेशा उनके परिवार का हिस्सा बने रहेंगे। मेसी ने अपने पिता को याद करते हुए कहा कि वह उन्हें बहुत याद करेंगे और चाहते हैं कि उनके पिता ऊपर से भी उसी तरह उनके परिवार का ख्याल रखें, जैसे पूरी जिंदगी रखते रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

बांग्लादेश की राजनीति: मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर बने बीएनपी के राष्ट्रपति उम्मीदवार, शहाबुद्दीन की लेंगे जगह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बांग्लादेश की सत्ताधारी पार्टी, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने 20 अगस्त को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपने महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर को उम्मीदवार घोषित किया। इससे उनके देश का अगला राष्ट्राध्यक्ष बनने का रास्ता साफ हो गया है। यह कदम पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन के इस्तीफे के बाद उठाया गया है, जिन्होंने गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का हवाला देते हुए अपना कार्यकाल पूरा होने से लगभग दो साल पहले, 24 जुलाई को पद छोड़ दिया था। सीनियर जॉइंट सेक्रेटरी जनरल रूहुल कबीर रिजवी ने बताया कि 78 साल के अनुभवी नेता को नॉमिनेट किए जाने के बाद उन्होंने BNP के सेक्रेटरी जनरल और पार्टी की सबसे बड़ी पॉलिसी बनाने वाली स्टैंडिंग कमिटी से इस्तीफा दे दिया है। 12 फरवरी के चुनावों में सत्ता में लौटने के बाद संसद में BNP के पास दो-तिहाई बहुमत है, इसलिए आलमगीर इस मुकाबले में मजबूत स्थिति में हैं। रिजवी ने कहा, मुझे बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की ओर से यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हमारे समर्पित सेक्रेटरी जनरल, मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर, BNP के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बन गए हैं।

प्रधानमंत्री सचिवालय में प्रधानमंत्री तारिक रहमान (जो पार्टी के चेयरमैन भी हैं) के साथ BNP के वरिष्ठ नेताओं की बैठक के बाद इस नामांकन की घोषणा की गई। चुनाव आयोग के शेड्यूल के अनुसार, आलमगीर को गुरुवार शाम 4 बजे तक अपने नामांकन कागजात जमा करने थे। बांग्लादेश की मुख्य विपक्षी पार्टी जमात-ए-इस्लामी ने भी अपने गठबंधन के नेता और लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के चेयरमैन कर्नल (रिटायर्ड) ओली अहमद को मैदान में उतारा है। अहमद ने चुनाव आयोग में अपने नॉमिनेशन पेपर जमा कर दिए हैं।

होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिका का पूर्ण कब्जा, डोनाल्ड ट्रंप बोले- ईरान अब मध्य पूर्व का दादा नहीं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को दावा किया कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अमेरिका का "पूरा कंट्रोल" है और ईरान के साथ इस अहम रास्ते को फिर से खोलने को लेकर रुकी हुई बातचीत के बीच वे इसे बनाए रखेंगे। ट्रुथ सोशल पर एक बयान में ट्रंप ने कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अमेरिका का पूरा कंट्रोल है। मुझे लगता है कि हम इसे बनाए रखेंगे! हर कोई हमारी नेवल नाकेबंदी को स्टील की दीवार कह रहा है और ईरान इसके बारे में कुछ नहीं कर सकता। ट्रंप ने यह भी कहा कि तेहरान का मिलिट्री इंफ्रास्ट्रक्चर बुरी तरह कमजोर हो गया है और उन्होंने अपना मैसेज इस बात के साथ खत्म किया, अल्लाह की तारीफ हो! उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में आगे कहा, "उनके पास सिर्फ. फेक न्यूज और 300% महंगाई है, और हालात और बिगड़ रहे हैं! ईरान सिर्फ.बातें करता है, कोई काम नहीं करता; अब वह मिडिल ईस्ट का दादा नहीं रहा। अल्लाह की तारीफ हो! प्रेसिडेंट डोनाल्ड जे. ट्रंप। अमेरिकी राष्ट्रपति की ये बातें होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर लंबे समय से चल रहे टकराव के बाद आई हैं। यह समुद्री रास्ता बहुत अहम है, क्योंकि दुनिया का लगभग 20% पेट्रोलियम व्यापार यहीं से होता है। यह ताजा तनाव इस इलाके में हफ़्तों से ईरान, इजराइल और अमेरिकी सेनाओं के बीच हुई सैन्य झड़पों के बाद बढ़ा है। इस टकराव से इलाके में बड़े पैमाने पर संघर्ष की आशंका बढ़ गई है। साथ ही, तेहरान ने बार-बार चेतावनी दी है कि अगर ईरान पर बाहरी दबाव बढ़ता रहा, तो समुद्री आवाजाही पर रोक लग सकती है या उसमें रुकावट आ सकती है। इसके जवाब में, वॉशिंगटन ने खाड़ी इलाके में अपनी नौसेना की बड़ी मौजूदगी तैनात की है और फिर से कहा है कि समुद्री आवाजाही की आजादी सुनिश्चित करना सुरक्षा का मुख्य लक्ष्य बना हुआ है।

क्या डीएमके अब एनडीए के साथ है, कनिमोझी की 'चाय पर चर्चा' ने खोले नए सियासी रास्ते

नई दिल्ली, (एजेंसी)। इस बात का एक और संकेत कि द्रविड़ मुनेत्र कड़गम विवादित परिसीमन बिल पर केंद्र सरकार का समर्थन कर सकती है, पार्टी की लोकसभा सदस्य कनिमोझी करुणानिधि ने गुरुवार को स्पीकर ओम बिरला द्वारा बुलाई गई चाय-पे-चर्चा में हिस्सा लिया। यह बैठक संसद के मॉनसून सत्र के समापन और निचले सदन (लोकसभा) की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित होने के बाद आयोजित की गई थी। विपक्ष की ओर से कनिमोझी ही एकमात्र ऐसी नेता थीं जिन्होंने उस बैठक में हिस्सा लिया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भारतीय जनता पार्टी तथा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के अन्य वरिष्ठ नेता भी शामिल हुए थे। कांग्रेस और विपक्ष के अन्य नेताओं के दूर रहने के बावजूद कनिमोझी का पारंपरिक चाय-बैठक में शामिल होना एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या उनकी पार्टी परिसीमन (डिलिमिटेशन) का समर्थन करने पर विचार कर रही है; यह प्रस्ताव अप्रैल में हुए विशेष सत्र के दौरान लोकसभा से पारित नहीं हो पाया था। अप्रैल में जब परिसीमन बिल पेश किया गया था, तो DMK ने इसका जोरदार विरोध किया था; लेकिन 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की पार्टी 'तमिलगा वेट्री कझगम' के साथ गठबंधन करने के कांग्रेस के फैसले ने हालात बदल दिए हैं, और पार्टी का इस विवादित कानून को लेकर रुख नरम पड़ गया है। ऐसी अटकलें भी तेज हैं कि DMK NDA में शामिल हो सकती है; पार्टी की प्रवक्ता कनिमोझी सोमू ने हाल ही में कहा है कि राजनीति में किसी को भी दोस्त या दुश्मन नहीं कहा जा सकता। उन्होंने साफ किया कि उनकी पार्टी परिसीमन के बाद लोकसभा सीटों में तमिलनाडु के उचित हिस्से के लिए लगातार लड़ती रही है।

खड़गे की रैली के बाद 'शुद्धिकरण' पर बवाल: प्रियंका गांधी ने पूछा- यह कैसी पॉलिटिक्स

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने 13 अगस्त को हल्द्वानी के रामलीला मैदान में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की रैली के बाद BJP और RSS द्वारा किए गए 'शुद्धिकरण' हवन की आलोचना की। उन्होंने प्रधानमंत्री से इस कार्यक्रम की निंदा करने और माफी मांगने की मांग की। खरगे ने 8 अगस्त को उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के तहत कांग्रेस की रैली में भाषण दिया। इस घटना पर टिप्पणी करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि यह सोच साफ तौर पर बीजेपी और आरएसएस की विचारधारा को दिखाती है। इसे खारिज किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री को इसकी निंदा करनी चाहिए और माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस सांसद कुमारी शैलजा ने भी BJP और फर की आलोचना की और सत्ताधारी पार्टी पर ऐसी विचारधारा को बढ़ावा देने का आरोप लगाया जो समानता के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि BJP-RSS सरकार और उनकी विचारधारा के लिए यह शर्म की बात है कि एक तरफ तो वे 'तिरंगा यात्रा' निकालने और ऐसी पब्लिसिटी करने की बात करते हैं, वहीं दूसरी तरफ हमारे नेता और विपक्ष के नेता के मामले में समानता के उस सिद्धांत का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है, जिसकी गारंटी हमारे संविधान ने दी है और जिसे देश और दुनिया मानती है। शैलजा ने इस घटना पर कोई कार्रवाई न करने के लिए उत्तराखंड राज्य सरकार की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड को देखिए, यह बीजेपी शासित राज्य है जहाँ वे बड़े-बड़े दावे करते हैं।

कोई क्षेत्र नहीं खोया है, सभी पोस्ट भारतीय नियंत्रण में हैं

अरुणाचल प्रदेश में चीनी घुसपैठ की खबरों पर भारतीय सेना का स्पष्टीकरण

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय सेना ने अरुणाचल प्रदेश में चीन की कथित 'धीमी घुसपैठ' के दावों को खारिज करते हुए साफ कर दिया है कि भारत ने कोई क्षेत्र नहीं खोया है और सभी पोस्ट भारतीय नियंत्रण में हैं। सेना के सूत्रों के मुताबिक, अरुणाचल प्रदेश में चीन की ओर से किसी 'स्लो एन्क्रोचमेंट' की बात सही नहीं है और सेना तथा भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) सीमा पर चीनी गतिविधियों पर नजर रखने और उन्हें रोकने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। चीन को यह संदेश बिल्कुल स्पष्ट समझ लेना चाहिए कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है और यहां घुसपैठ, दबाव या जमीन पर तथाकथित 'धीरे-धीरे कब्जा जमाने' की कोई कोशिश भारत बर्दाश्त नहीं करेगा। ऐसी किसी भी हरकत का जवाब भारतीय सुरक्षा बल अपनी पूरी ताकत से देंगे। हम आपको बता दें कि यह स्पष्ट स्थिति ऐसे समय सामने आई है जब अरुणाचल प्रदेश के अपर सुबनसिरी जिले के तक्सिंग सेक्टर को लेकर पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल (PPA) की एक फैक्ट-फाइंडिंग कमेटी ने गंभीर दावे किए हैं। चार सदस्यीय समिति ने 10 जुलाई 2026 को तक्सिंग का दौरा किया था और स्थानीय नेताओं, बुजुर्गों, बुद्धिजीवियों के साथ-साथ वहां तैनात वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों और जवानों से बातचीत की। समिति की अध्यक्षता पूर्व मंत्री और PPA के मुख्य सलाहकार कहफा बेंगिया ने की थी। समिति का दावा है कि PLA ने भारत के कुछ निर्धारित पेट्रोलिंग प्वाइंट तक

भारतीय जवानों की पहुंच को प्रभावी रूप से रोक दिया है और पारंपरिक भारतीय चराई तथा शिकार क्षेत्रों पर अपना नियंत्रण बढ़ाने की कोशिश की है। सबसे गंभीर आरोप शेरा-5 पेट्रोलिंग प्वाइंट को लेकर है। PPA के मुताबिक, 2023 में इस स्थान पर भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच टकराव हुआ था। इसके बाद भारतीय बल पीछे हटे और कथित तौर पर दोबारा वहां नहीं लौटे। समिति का दावा है कि PLA ने वहां मौजूद भारतीय निशान और प्रतीकात्मक ढांचे हटा दिए तथा भारतीय गश्त को रोकना शुरू कर दिया। यही वह बिंदु है जहां चीन की सीमा रणनीति पर गंभीर सवाल उठते हैं। PPA ने इसे चीन की उस कथित रणनीति से जोड़ा है जिसमें पहले किसी इलाके में पहुंच सीमित की जाती है, फिर अस्थायी रोक को जमीन पर स्थायी वास्तविकता में बदलने की कोशिश होती है। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि ये PPA समिति के निष्कर्ष हैं, भारतीय सेना का आधिकारिक आकलन नहीं। सेना ने इसके उलट कहा है कि भारत ने कोई क्षेत्र नहीं खोया और सभी पोस्ट नियंत्रण में हैं। मामला केवल एक पेट्रोलिंग प्वाइंट तक सीमित नहीं है। PPA समिति ने तक्सिंग, माजा और गालमो के इलाकों में मौसमी सैन्य उपस्थिति को एक बड़ी चुनौती बताया है। उसके अनुसार, भारी बर्फबारी और कठिन मौसम के कारण नियमित भारतीय पेट्रोलिंग मुख्यतः अप्रैल से अक्टूबर तक सीमित रहती है, जबकि PLA की गतिविधियां पूरे वर्ष जारी रहती हैं। सर्दियों में स्थानीय पोर्टरों की सेवाएं भी काफी हद तक बंद हो जाती हैं, जिससे अग्रिम क्षेत्रों में भारतीय मौजूदगी घटने का खतरा पैदा होता है। समिति ने इसे रणनीतिक रूप से संवेदनशील LAC पर 'सीजनल वैक्यूम' बताया है। इसका सीधा असर स्थानीय लोगों पर भी पड़ता है। नांगा पहाड़ जैसे क्षेत्र पारंपरिक रूप से नाह और मारा समुदायों के शिकार तथा याक पालन के इलाके रहे हैं, लेकिन PPA के अनुसार अब स्थानीय लोगों की वहां पहुंच प्रतिबंधित है।

मैं हाफिज सईद का गुलाम हूं...

पाकिस्तान के पूर्व मंत्री ने आतंकियों की महफिल से भारत को दी धमकी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। एक और घटना ने पाकिस्तान की असलियत सामने ला दी है और यह साबित कर दिया है कि यह देश आतंकवादियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बना हुआ है। हाल ही में एक पूर्व मंत्री को लश्कर-ए-तैयबा (LeT) के आतंकवादियों के साथ मंच साझा करते और भारत को धमकी देते देखा गया, साथ ही उन्होंने आतंकी संगठन के संस्थापक हाफिज सईद की तारीफ भी की। सोशल मीडिया पर बिना तारीख वाला एक वीडियो तेजी से शेयर किया जा रहा है, जिसमें पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सरकार में पूर्व गृह मंत्री और अवामी मुस्लिम लीग के संस्थापक शेख रशीद अहमद को लश्कर कमांडर खालिद मसूद संधू और कारी मुहम्मद याकूब शेख के साथ देखा जा सकता है। अहमद को एक सभा को संबोधित करते हुए और यह कहते हुए भी देखा जा सकता है कि वह सईद का गुलाम और अनुयायी है। उसने यह भी दावा किया कि सईद का मोबाइल नंबर उसके फोन पर मिलने के बाद उसे

अमेरिका (US) से निकाल दिया गया था। पाकिस्तान के पूर्व मंत्री ने कहा कि मैं हाफिज सईद का गुलाम हूं। मुजाहिदीनों ने खुद को पाकिस्तान के लिए समर्पित कर दिया है। इंशाअल्लाह, हम भी हाफिज सईद के साथ हैं। हम भाइयों की तरह हैं। वायरल वीडियो में अहमद ने कहा कि जब भी पाकिस्तान पर कोई संकट आया... भारत ने कभी भी मौका नहीं छोड़ा... अगर भारत ने पाकिस्तान की तरफ आंख उठाकर भी देखा तो हम उसे बर्बाद कर देंगे। न तो भारत में पक्षी चहचहाएंगे और न ही मंदिरों में घंटियां बजेंगी। उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ कुछ भी करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। हम पाकिस्तान और हाफिज सईद के साथ हैं। यह वायरल क्लिप कोई अकेली घटना नहीं है; पाकिस्तान में अक्सर आतंकवादियों को प्रभावशाली लोगों के साथ खुलेआम मंच साझा करते देखा गया है। इससे पहले जून में, सईद के बेटे तलहा सईद को इस्लामाबाद में पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तर के बड़े भाई शाहिद अख्तर के अंतिम संस्कार में शामिल होते देखा गया था। वहाँ इनाम-उर-रहमान कंबोह, अब्दुल्ला टूर, हाफिज उमर और अमजद भट्टी जैसे कई अन्य आतंकवादी भी मौजूद थे। कई अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों, जिनमें अमेरिकी कांग्रेसनल रिसर्च सर्विस (CRS) की रिपोर्ट भी शामिल है, ने बार-बार चेतावनी दी है कि पाकिस्तान आतंकवादियों के लिए, खासकर भारत के खिलाफ काम करने वाले आतंकवादियों के लिए, एक सुरक्षित पनाहगाह बना हुआ है। नई दिल्ली ने इस बारे में बार-बार चेतावनी दी है और वैश्विक संस्थाओं से इस्लामाबाद के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

विदेश मंत्रालय (MEA) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पहले एक बयान में कहा था,जो देश दशकों से सीमा-पार आतंकवाद, धार्मिक कट्टरपंथ और हिंसा को बढ़ावा दे रहा है, वह किसी भी तरह की मिली-जुली सांस्कृतिक विरासत का दावा नहीं कर सकता।

ब्रिक्स पेमेंट सिस्टम पर आरबीआई का बड़ा ऐलान, क्या है सीबीडीसी का मास्टर प्लान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। क्या आपने सोचा है कि जब भारत रूस से तेल खरीदता है या ब्राजील चीन को सोयाबीन बेचता है तो बीच में डॉलर का क्या काम है? आखिर क्यों दुनिया के दो देश अपनी करेंसी होने के बावजूद एक तीसरी करेंसी यानी कि अमेरिकी डॉलर के मोहताज है। यह सवाल इसलिए क्योंकि दशकों से दुनिया इस डॉलर की दादागिरी को सहन कर रही है क्योंकि इसका कोई मजबूत विकल्प था ही नहीं। लेकिन अब खेल का मैदान बदलने वाला है। मुंबई के एक इवेंट में आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने एक ऐसा ऐलान किया जिसने वाशिंगटन से लेकर वॉल स्ट्रीट तक के कान खड़े कर दिए हैं। जहां ब्रिक्स देश अब एक ऐसे डिजिटल ब्रिज पर काम कर रहे हैं जो डॉलर और स्विफ्ट की मोनोपोली को जड़ से उखाड़ सकता है। बिना डॉलर को छुए सीधे अपनी करेंसी में व्यापार और पलक झपकते ही पेमेंट।

दरअसल संजय मल्होत्रा जो रिजर्व बैंक के गवर्नर हैं। उन्होंने मुंबई में साफ कर दिया कि ब्रिक्स देश अपने फास्ट पेमेंट सिस्टम और सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी यानी कि सीबीडीसी को आपस में जोड़ने के लिए गंभीर रूप से चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न तरीके और विकल्प विचाराधीन हैं, जिनमें केंद्रीय बैंक की डिजिटल मुद्राएं और त्वरित भुगतान प्रणालियों के बीच संबंध स्थापित करना शामिल है, लेकिन यह अभी भी चर्चा के चरण में है। उन्होंने कहा कि इस तरह के सीमा पार भुगतानों में, विशेष रूप से खुदरा लेनदेन के लिए, लागत कम करने और लेनदेन की गति बढ़ाने की काफी गुंजाइश है। अभी दुनिया का अधिकांश व्यापार Swift में होता है। यानी सोसाइटी फॉर वर्ल्ड वाइड इंटर बैंक फाइनेंशियल टेलीकम्युनिकेशन। लेकिन यह एक मैसेजिंग सिस्टम है जो बैंकों को पैसा ट्रांसफर करने की अनुमति देता है।

आरजी कर केस अपडेट: साक्ष्य मिटाने के आरोप में टीएमसी विधायक निर्मल घोष गिरफ्तार, 'जल्दबाजी' में दाह संस्कार पर बड़ा एक्शन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में अगस्त 2024 में रेप और हत्या की शिकार हुई डॉक्टर के शव का कथित तौर पर जल्दबाजी में अंतिम संस्कार करने के मामले में गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस के पूर्व विधायक निर्मल घोष को गिरफ्तार किया गया। अंतिम संस्कार के सिलसिले में बैरकपुर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से दर्ज FIR में घोष के साथ-साथ पानीहाटी नगर पालिका के पार्षद सोमनाथ डे और पीड़िता के परिवार के पड़ोसी संजीव मुखर्जी का भी नाम शामिल था। मृतक डॉक्टर के पिता की शिकायत पर खारदाह पुलिस स्टेशन में FIR दर्ज की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि सबूत छिपाने और दोबारा पोस्टमार्टम रोकने के मकसद से तीनों आरोपियों की देखरेख में बहुत जल्दबाजी में अंतिम संस्कार किया गया। बैरकपुर पुलिस कमिश्नरेट के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि अंतिम संस्कार से जुड़ा मामला रेप और मर्डर की CBI जांच से अलग है। अधिकारी ने बताया, CBI आरजी कर अस्पताल में रेप और मर्डर के मामले की जांच कर रही है, जो कोलकाता पुलिस के अधिकार क्षेत्र में आता है। खारदाह पुलिस स्टेशन में दर्ज नई FIR मृतक के परिवार की शिकायतों पर आधारित हैं, जिनमें कहा गया है कि सबूतों को दबाने के लिए परिवार की सहमति के बिना जल्दबाजी में शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। यह गिरफ़्तारी तब हुई जब मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने डॉक्टर की दूसरी पुण्यतिथि पर आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने के दौरान पुलिस को अंतिम संस्कार से जुड़ी परिस्थितियों के बारे में एक अलग मामला दर्ज करने का निर्देश दिया। अधिकारी ने अंतिम संस्कार की परिस्थितियों पर सवाल उठाए थे, जिसमें अंतिम संस्कार की फीस माफ करने का आरोप और

संबंधित दस्तावेजों पर पीड़ित के परिवार के सदस्यों के हस्ताक्षर न होना शामिल था। उन्होंने 8 अगस्त को कहा था,अंतिम संस्कार में घोष, डे और मुखर्जी की भूमिका की जांच होनी चाहिए। मैंने कोर्ट की निगरानी में चल रही सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (CBI) जांच के अलावा, एक नया मामला अलग से दर्ज करने का आदेश दिया है। मैंने बैरकपुर पुलिस कमिश्नर से इस संबंध में जरूरी कदम उठाने को कहा है।

केरल परीक्षा भवन: मंत्री एन समसुद्दीन का औचक निरीक्षण, 15 दिनों में एसएसएलसी सर्टिफिकेट देने का आदेश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सामान्य शिक्षा मंत्री एन. समसुद्दीन ने गुरुवार को तिरुवनंतपुरम के परीक्षा भवन का अचानक निरीक्षण किया। यह निरीक्षण रस्छउ सर्टिफिकेट में सुधार और डुप्लीकेट सर्टिफिकेट जारी करने में हो रही देरी की कई शिकायतों के बाद किया गया। मंत्री ने परीक्षा भवन आए आवेदकों की शिकायतें सीधे सुनीं और अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान, मंत्री ने पाया कि आवेदकों को सही किए गए और डुप्लीकेट SSLC सर्टिफिकेट पाने में दो से तीन महीने की देरी का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने अधिकारियों को इस देरी को खत्म करने के लिए तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया। परीक्षा भवन के अधिकारियों ने मंत्री को बताया कि देरी का मुख्य कारण सर्टिफिकेट में सुधार के लिए उन्हें स्कूलों में भेजने और वापस मंगाने की मौजूदा प्रक्रिया थी। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे इस प्रक्रिया को खत्म करने और सर्विस डिलीवरी में तेजी लाने के लिए जरूरी बदलाव करें। मंत्री ने कहा कि इस काम के लिए परीक्षा भवन को तुरंत 60 लैपटॉप दिए जाएंगे।

पंजाब भर्ती घोटाले पर कांग्रेस सांसद धर्मवीर गांधी का तीखा हमला, आप के 'दोहरे चरित्र' पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट द्वारा पंजाब में भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगाने के मामले पर टिप्पणी करते हुए, कांग्रेस सांसद धर्मवीर गांधी ने गुरुवार को आम आदमी पार्टी (AAP) पर "दोहरा चरित्र" रखने का आरोप लगाया और कहा कि पार्टी कहती कुछ है और करती कुछ और है। गांधी ने एएनआई से कहा इस पार्टी (AAP) का दोहरा चरित्र है। वे जनता के सामने एक छवि पेश करते हैं, लेकिन जब शासन और सत्ता पर अपनी पकड़ की बात आती है, तो वे बिल्कुल अलग रूप दिखाते हैं।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि आप ने किसानों के विरोध-प्रदर्शन के दौरान भी इसी तरह का दोहरा रवैया अपनाया था; उन्होंने दावा किया कि पंजाब और राष्ट्रीय स्तर पर तीन कृषि कानूनों का विरोध करने के बावजूद, दिल्ली में उनकी सरकार ने उनमें से एक कानून को लागू किया था। उन्होंने कहा कि पार्टी कहती कुछ है और करती कुछ और है। किसानों के विरोध प्रदर्शन

के दौरान भी उन्होंने ऐसा ही व्यवहार किया था। किसानों की मांगों में शामिल तीन कृषि बिलों में से एक को असल में दिल्ली में लागू किया गया था। जब वे पंजाब और राष्ट्रीय स्तर पर विरोध कर रहे थे, तब दिल्ली में उनकी अपनी सरकार ने ही उन बिलों में से एक को लागू किया था। ये हरकतें साफ तौर पर उनके दोहरे रवैये को उजागर करती हैं। वे कहते कुछ हैं और करते कुछ और हैं। वे दोमुंहे सांपों की तरह हैं, जो कहते कुछ हैं और काम बिल्कुल अलग तरह से करते हैं," गांधी ने कहा। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब में एक और भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगा दी है, जबकि फार्मासिस्ट अधिकारियों की भर्ती पर पहले से ही रोक लगी हुई है।

कोर्ट ने बुधवार को पंजाब स्टेट रूरल लाइवलीहुड्स मिशन के तहत 41 ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर और 44 क्लस्टर कोऑर्डिनेटर की भर्ती प्रक्रिया पर अगली सुनवाई (जो 2 सितंबर को होनी है) तक रोक लगा दी। भर्ती प्रक्रिया जनवरी में शुरू हुई थी और नतीजे फरवरी में घोषित किए गए थे। चयन प्रक्रिया के तहत, लिखित परीक्षा के लिए 70 अंक तय किए गए थे, जबकि इंटरव्यू, योग्यता और अनुभव के लिए 10-10 अंक रखे गए थे। याचिकाकाताओं ने अपनी याचिका में तर्क दिया कि घोषित नतीजों के संबंध में, बाकी 30 अंकों के बंटवारे को लेकर स्पष्टता की कमी थी; केवल कुल स्कोर बताए गए थे, और अलग-अलग कैटेगरी में दिए गए अंकों का विवरण नहीं दिया गया था। याचिका के बाद, हाईकोर्ट ने पूरा रिकॉर्ड तलब किया और दस्तावेजों की जांच के लिए वकीलों और ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों की एक कमेटी बनाई। जांच के दौरान, कमेटी को अंक देने में अनियमितताएं मिलीं।

क्या 2028 में फिर चुनाव लड़ेंगे डोनाल्ड ट्रंप

संवैधानिक पाबंदियों पर बोले- मैं तो चाहता हूं, लेकिन...

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2028 में राष्ट्रपति पद के लिए तीसरी बार चुनाव लड़ने पर लगी संवैधानिक रोक को स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि हालांकि वह एक और चुनाव अभियान का स्वागत करेंगे, लेकिन कानूनी सीमाएं उन्हें ऐसा करने से रोकती हैं। मैरीलैंड में जॉइंट बेस एंड्रयूज पर मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए, ट्रंप ने अपने मौजूदा कार्यकाल के बाद तीसरी बार राष्ट्रपति पद के लिए संभावित उम्मीदवारी से जुड़े सीधे सवालों का जवाब दिया।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अपने राजनीतिक समर्थकों की लगातार मांगों के बावजूद, कानून स्पष्ट रूप से किसी मुख्य कार्यकारी (राष्ट्रपति) को दो बार से अधिक पद के लिए चुने जाने से रोकता है। ट्रंप ने कहा हर कोई मुझसे

यह सवाल पूछता है, और आप जानते हैं कि इस मामले में कानून बहुत सख्त है। एक और चुनाव अभियान के प्रति अपनी इच्छा जाहिर करते हुए उन्होंने कहा मैं चुनाव लड़ना चाहूंगा, लेकिन कानून बहुत सख्त है। ट्रंप ने बताया कि उनके समर्थक अक्सर उनसे दोबारा चुनाव लड़ने का आग्रह करते हैं; उन्होंने ओहियो में पहले हुए एक कार्यक्रम का भी ज़िक्र किया। उन्होंने 'पेट्रियट गेम्स' का ज़िक्र करते हुए कहा हर कोई मुझसे पूछता है, यहां तक कि आज रात भी, वे कार्यक्रम में चिल्ला रहे थे, 2028! उन्होंने आगे कहा नहीं, हर कोई चाहता है कि मैं ऐसा करूं, लेकिन कानून बहुत सख्त है। इन बयानों से पता चलता है कि ट्रंप ने तीसरी बार राष्ट्रपति बनने की राह में आने वाली संवैधानिक रुकावट को साफ तौर पर माना है, भले ही उन्होंने अपना कार्यकाल जारी रखने में दिलचस्पी दिखाई हो। इन बयानों से यह साफ होता है कि उनकी टिप्पणी 2028 के चुनाव अभियान की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं है, बल्कि मौजूदा कानूनी सीमाओं को स्वीकार करना है। यह संवैधानिक रोक अमेरिकी संविधान के 22वें संशोधन से जुड़ी है, जिसमें कहा गया है कि "कोई भी व्यक्ति दो बार से ज्यादा राष्ट्रपति पद के लिए नहीं चुना जा सकता। 1947 में कांग्रेस द्वारा पारित और फरवरी 1951 में राज्यों द्वारा मंजूर किए गए इस संशोधन ने राष्ट्रपति के कार्यकाल पर एक पक्की सीमा तय कर दी है।

ऑस्ट्रेलिया सोशल मीडिया बैन का असर: मेटा ने जारी किए 7.5 लाख से ज्यादा माइनर अकाउंट, रेगुलेटरी दबाव बढ़ा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। फेसबुक और इंस्टाग्राम की मालिक कंपनी मेटा ने गुरुवार को कहा कि उसने 16 साल से कम उम्र के ऑस्ट्रेलियाई लोगों के 7,50,000 से ज्यादा अकाउंट्स को हटा दिया है। कंपनी ने यह कदम किशोरों के अकाउंट्स पर दुनिया के पहले बैन के बाद उठाया है और रेगुलेटरी दखल की संभावना को देखते हुए और कार्रवाई करने का वादा किया है।

कंपनी ने बताया कि उसने दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया में सोशल मीडिया बैन लागू होने से ठीक पहले से लेकर जून तक 4,62,000 संदिग्ध इंस्टाग्राम अकाउंट्स और 2,94,000 संदिग्ध फेसबुक अकाउंट्स को डीएक्टिवेट किया है। जनवरी तक हटाए गए अकाउंट्स की संख्या 3,31,000 इंस्टाग्राम अकाउंट्स और 1,73,000 फेसबुक अकाउंट्स

थी। कंपनी ने कहा है कि वह उस कानून का पालन करना चाहती है जिसका उसने और दूसरे प्लेटफॉर्म्स ने खुलकर विरोध किया था। यह बात ऐसे समय में कही गई है जब ऑस्ट्रेलिया का इंटरनेट रेगुलेटर उन प्लेटफॉर्म्स (जिनमें मेटा के मालिकाना हक वाले प्लेटफॉर्म भी शामिल हैं) के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने पर विचार कर रहा है, जिन पर कानून का पालन करने के लिए पर्याप्त कदम न उठाने का आरोप है। किसी भी दूसरे प्लेटफॉर्म ने मेटा द्वारा बताई गई समय-सीमा से मेल खाने वाला कंप्लायंस डेटा जारी नहीं किया है।

स्वामी, प्रकाशक, संपादक और मुद्रक राजेश कुमार रंजन के द्वारा आमीन प्रिंटिंग प्रेस प्लॉट न0.193, डॉक्टर्स कॉलोनी, रोड न0. 7, पोस्ट अगमकुंआ, छोटी पहाड़ी, पटना बिहार-800007 से मुद्रित एवं ग्राम पिपराही, पोस्ट दिनापट्टी, सुपौल बिहार-852218 से प्रकाशित-प्रसारित, फोन- 8051344056, 9471220794